

Daily सच के हक में...

Aishwarya Rai Abhishek...

Ranchi ● Sunday, 22 December 2024 ● Year: 02 ● Issue: 329 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

: 78,041.59 निफ्टी : 23,587.50

7,280 चांदी 99.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी NEW DELHI: शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा

पर कुवैत पहुंचे, जहां वह विभिन्न क्षेत्रों में भारत-कुवैत मैत्री को मजबूत करने के लिए कुवैती नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगे और भारतीय प्रवासियों से मिलेंगे। मोदी के आगमन पर कुवैत के प्रथम उप प्रधानमंत्री शेख फहाद यूसुफ सऊद अल-सबा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

केजरीवाल ने किया अंबेडकर स्कॉलरशिप योजना का एलान

NEW DELHI : शनिवार को आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अंबेडकर स्कॉलरशिप योजना का एलान किया। केजरीवाल ने कहा कि दलित परिवार के बच्चों की विदेशी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई और आने-जाने का खर्चा दिल्ली सरकार

भारत करेगा आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप की मेजबानी

NEW DELHI : भारत को अगले साल के जुनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

सिलेंडर विस्फोट से लगी आग, चार की गई जान

DEWAS: शनिवार को मध्य प्रदेश के देवास जिले में एक घर में आग लग गई। इस हादसे में दूसरी मंजिल पर सो रहे एक ही परिवार के चार लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे शामिल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर

पंचतत्व में विलीन हुए ओम प्रकाश चौटाला

CHANDIGARH: शनिवार को हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला पंचतत्व में विलीन हो गए। चौटाला का अंतिम संस्कार उनकी इच्छानुसार सिरसा के गांव तेजा खेडा रिथत फार्म हाउस में किया गया। ओम प्रकाश चौटाला का शुक्रवार को गुरुग्राम के मेदांता मेडिसिटी में निधन हो गया था। चौटाला के बड़े बेटे अजय सिंह चौटाला व छोटे बेटे अभय चौटाला संयुक्त रूप से पिता के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी।

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड नेशनल हाईवे बंद

NEW DELHI: शनिवार दोपहर उत्तराखंड के पिथौरागढ के धारचला में लैंडस्लाइड हुई। इससे नेशनल हाईवे बंद हो गया। कई वाहन जाम में फंस गए। हाईवे से मलबा हटाने का काम जारी है। पुलिस ने कहा कि किसी के घायल होने की सूचना अभी तक नहीं मिली है। श्रीनगर में तापमान –8.5 डिग्री तक पहुंच चुका है। यहां 133 साल में तीसरी बार पारा इतने नीचे पहुंचा है।

रांची नगर निगम ने सिटी बस के लिए सातवीं बार निकाला टेंडर

टेंडर फाइनल नहीं हुआ तो लोगों को होगी परेशानी **VIVEK SHARMA @ RANCHI:**

राजधानी में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को दुरुस्त करने को लेकर नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार रेस हैं। तीन दिन पहलें उन्होंने शहर में एसी बसों के परिचालन को लेकर काम तेज करने का निर्देश दिया है। लेकिन, इसमें सबसे बड़ी चुनौती टेंडर फाइनल करने की है। अगर तीन महीने में सिटी बसों के परिचालन को लेकर टेंडर फाइनल नहीं होता है, तो राजधानी के लोगों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। दूसरी ओर पब्लिक ट्रांसपोर्ट की कमी

होने से हर दिन सफर करने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ जाएगी। चूंकि मार्च २०२५ में १७ पुरानी बसों का रजिस्ट्रेशन खत्म हो जाएगा। ये बसें अब राजधानी की सड़कों पर चलने की स्थिति में भी नहीं हैं।



किसी एजेंसी ने रुचि नहीं दिखाई तो किया गया शर्तों में बदलाव

नगर निगम शहर में सिटी बसें चलाने को लेकर दो साल से अधिक समय से तैयारी कर रहा है। इसके लिए नगर निगम ने छह बार सिटी बसों की खरीदारी के लिए टेंडर निकाला। लेकिन, किसी एजेंसी या कंपनी ने इसमें रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद निगम ने स्टेक होल्डर्स की मीटिंग की, जिसमें बस ऑपरेटरों और कंपनियों से सुझाव मांगे गए। साथ ही ये कहा गया कि यदि निगम टेंडर की शर्तों में कुछ बदलाव करे, तो वे इसमें भाग ले सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप निगम ने टेंडर की शर्तों में बदलाव किया है। अब टेंडर में ज्वाइंट वेंचर के तहत भी कंपनी या बस ऑपरेटर भाग ले सकते हैं।

2013 से चलनी थी लो फ्लोर बसें

राजधानी रांची में 2013 में रांची में लो फ्लोर एसी बसें चलाने की योजना बनी थी, लेकिन टेंडर रद्द होने के बाद फाइल आगे नहीं बढ़ सकी। दो साल पहले सरकार ने 244 नई सिटी बसों की खरीद को मंजूरी दी थी, जिसमें 200 डीजल बसें और 24 एसी इलेक्ट्रिक बसें शामिल थीं। अब इस योजना को तेजी से लागू करने की तैयारी है। जब शहर में सिटी बसों का परिचालन शुरू हो जाएगा तो लोगों को हर पांच मिनट में सिटी बसें उपलब्ध होंगी। इससे लोग अपनी प्राइवेट गाड़ियों का इस्तेमाल कम करेंगे। रोड पर भी गाडियों का लोड कम होगा।

26 नर्ड बसों में 2 ब्रेक डाउन

बता दें कि नगर निगम ने शहर में सिटी बसों का परिचालन शुरू किया था। प्राइवेट ऑपरेटरों को नगर निगम ने बसों को चलाने का जिम्मा दिया। लेकिन, ऑपरेटर केवल अपनी जेब भरने में लगे रहे। एक समय ऐसा आया कि बसों को ऑपरेटरों ने कबाड़ बना दिया। इसके बाद नगर निगम ने सभी बसो का परिचालन खुद से करना शुरू कर दिया। अब पुरानी १७ बसों का रजिस्ट्रेशन मार्च 2025 में खत्म हो जाएगा। 26 नई बसों में भी दो बसें ब्रेक डाउन हो गई हैं। इनके मेनटेनेंस पर निगम का ध्यान नहीं है। ऐसे में मार्च के बाद शहर के लोगों के सामने पब्लिक ट्रांसपोर्ट की समस्या बढ सकती है।

जीएसटी परिषद : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में बैटक

हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर ह्य में क**दौती का दला फैस**ला

शनिवार को गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) परिषद की हुई बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर टैक्स में कटौती करने का फैसला टाल दिया गया। इस बीच 148 वस्तुओं पर कर की दर में फेरबदल की मंत्रिसमूह की बहुचर्चित सिफारिश परिषद के समक्ष नहीं रखी गई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली और राज्य सरकारों के वित्त मंत्रियों वाली परिषद के कुछ सदस्यों ने महसूस किया कि बीमा कराधान के संबंध में अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पहले और अधिक विचार-विमर्श की आवश्यकता है। बीमा पर गठित मंत्री समृह ने सावधि जीवन बीमा पॉलिसी के लिए चुकाए जाने वाले प्रीमियम को जीएसटी से छूट देने की सिफारिश की है। साथ ही कवर के लिए चुकाए जाने वाले अलावा वरिष्ठ नागरिकों के के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम अधिक के स्वास्थ्य बीमा कवर

नहीं रखी गई १४८ वस्तुओं पर टैक्स रेट में फेरबदल की मंत्रिसमूह की सिफारिश



• राज्य सरकारों के वित्त मंत्रियों की मीटिंग में रही मौजुदगी

• स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर लग रहे कर में कमी करने की चल रही

बसें हो गई हैं जर्जर

• बीमा पर मंत्री समूह की समिति के प्रमुख हैं बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

परिषद की चल रही बैठक में विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। केंद्र और राज्यों के जीएसटी विभागों के अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति के कई प्रस्ताव परिषद के समक्ष समीक्षा के लिए

जोमैटो जैसे खाद्य वस्तुओं के वितरण

मंचों पर करों को मौजदा 18 प्रतिशत

(आईटीसी के साथ) से घटाकर पांच प्रतिशत (इनपुट टैक्स क्रेडिट के बिना) करना शामिल है। सूत्रों के अनुसार, इसमें इस्तेमाल की गई इलेक्टिक गाडियों के साथ-साथ छोटे पेट्रोल और डीजल वाहनों की बिक्री पर कर की दर को मौजुदा 12 आएंगे। प्रस्तावों में से एक स्विगी और प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया जा सकता है।

प्रीमियम को भी कर से छट देने का अलावा अन्य व्यक्तियों द्वारा पांच पर जीएसटी से छट देने का प्रस्ताव वाली पॉलिसियों के लिए भगतान वरिष्ठ नागरिकों द्वारा स्वास्थ्य बीमा प्रस्ताव किया गया है। इसके लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा है। हालांकि, पांच लाख रुपये से

एक और बैठक

की आवश्यकता

बीमा पर मंत्री समूह की समिति के प्रमुख

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने

कहा कि समूह, व्यक्तिगत, वरिष्ठ

आवश्यकता है। चौधरी ने यहां

नागरिक पॉलिसियों के कराधान पर

संवाददाताओं से कहा, कुछ (परिषद)

सदस्यों ने कहा कि इस पर और अधिक

चर्चा की आवश्यकता है। हम (जीओएम)

जनवरी में फिर मिलेंगे। इसके अलावा

दरों को तर्कसंगत बनाने पर मंत्री समूह

की रिपोर्ट परिषद के समक्ष प्रस्तुत नहीं

चौधरी ने कहा, हम दरों को तर्कसंगत

बनाने पर मंत्री समह की रिपोर्ट परिषद

की अगली बैठक में प्रस्तुत करेंगे।

की गई। रिपोर्ट में 148 वस्तुओं में

बदलाव की सिफारिश की गई थी।

निर्णय लेने के लिए एक और बैठक की

किए गए प्रीमियम पर 18 प्रतिशत

पूर्वी सिंहभूम के गुड़ाबांदा में सबसे अधिक 3.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई वर्षा

छाए रहे बादल, कहीं-कहीं हुई हल्की बारिश रांची के कांके में 5 दिनों में 8.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ा मिनिमम टेंपरेचर

PHOTON NEWS RANCHI: शनिवार को राजधानी रांची सहित झारखंड

के अन्य भागों में मौसम का मूड बदल हुआ दिखा। मौसम विभाग के पूर्वार्नुमान के मुताबिक सुबह से शाम तक बादल छाए रहे। हल्की-हल्की कभी धूप दिखी। फिर बादल छा गए। कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हुई। वर्षा के बाद सूबे के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के अनुसार, पिछले 5 दिनों में रांची के कांके का न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री से बढ़कर 11.2 डिग्री सेल्सियस हो गया है। 17 दिसंबर को कांके का

न्यनतम पारा 2.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। १८ दिसंबर को यह बढ़कर 4.6 डिग्री, 19 दिसंबर को 6.2 डिग्री, 20 दिसंबर को 9.5 डिग्री और 21 दिसंबर को 11.2 डिग्री सेंटीग्रेड रिकॉर्ड किया गया।

• अधिकतम और न्यूनतम तापमान में दर्ज किया

गया इजाफा

• सबसे कम

गुमला का न्यूनतम तापमान रहा 8.5 ਤਿਗ਼ੀ सेल्सियस



आज भी छाया रहेगा कोहरा

झारखंड में देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज के साथ-साथ धनबाद और गिरिडीह, पूर्वी सिंहभुम, पश्चिमी सिंहभुम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, रांची, खूंटी और गुमला में रविवार को भी कोहरा छाए रहने की संभावना जताई गई है।

सामान्य से ४.२ डिग्री अधिक है रांची का पारा

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र के आंकड़ों पर गौर करेंगे, तो पिछले 24 घंटे के दौरान रांची का उच्चतम तापमान 1.6 डिग्री बढ़कर 27.6 डिग्री सेल्सियस हो गया है, जो सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक है। रांची का न्यनतम तापमान २.९ डिग्री बढ़कर १२.८ डिग्री सेल्सियस हो गया है, जो सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक है। गुमला का न्यूनतम तापमान राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा।

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल

जानकारी के गई थी अनुसार, एलजी अनुमति वीर्क सक्सेना ने शनिवार को

केस चलाने की अनुमति दे दी है। ईडी ने 5 दिसंबर को एलजी से केस चलाने के लिए अनुमति मांगते हुए कहा था- शराब घोटाले की जांच में पता चला है कि शराब नीति को लागू करने के . दौरान भ्रष्टाचार हुआ है। केजरीवाल के खिलाफ केस चलाने की अनुमित को लेकर मनीष सिसोदिया ने कहा- ईडी मंजुरी की कॉपी क्यों नहीं दिखा रही है। बाबा साहब के अपमान के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए इन्हें जुमलेबाजी बंद करनी चाहिए। बता दें कि शराब घोटाले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 6 नवंबर को फैसला सुनाते हुए कहा था कि पब्लिक सर्वेंट पर सरकार की अनुमति के बिना मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) की धाराओं के तहत

पर चलेगा मुकदमा

शराब नीति घोटाले में

NEW DELHI: दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मश्किलें अब और बढ सकती हैं। उनके खिलाफ शराब नीति घोटाले में केस चलाने

की अनुमति एनफोर्समेंट सक्सेना ने . डायरेक्टरेट ईडी को दी यानी परिवर्तन निदेशालय मंजूरी (ईडी) को मिल 5 दिसंबर गई है। को मांगी

केस नहीं चलाया जा सकता है।

यूक्रेन ने ताबड़तोड़ दागे 8 ड्रोन, रोकी गई उड़ानें

रूस के कजान शहर पर

6 आवासीय इमारतों को

बनाया निशाना, खाली

AGENCY NEW DELHI: शनिवार को रूस के कजान शहर

पर युक्रेन ने ताबड़तोड़ 8 ड्रोन

अमेरिका में 2001 में आतंकियों

ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर इसी तरह

से चार प्लेन हाईजैक कर हमला

किया था। कजान में ड्रोन से

किए गए हमले के बाद बिल्डिंगें

खाली करवाई गईं। रूसी सरकारी

समाचार एजेंसियों ने कजान में

एक आवासीय परिसर पर ड्रोन

हमले की सूचना दी। रूस के

करवाई गईं बिल्डिंगें दागे। इस हमले को अमेरिका पर हुए 9/11 जैसा हमला बताया जा • कजान समेत रूस के दो रहा है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के एयरपोट्र्स को कर दिया अनसार, 6 अटैक आवासीय गया बंद इमारतों पर किए गए। बता दें कि कजान शहर रूस की राजधानी • बताया जा रहा– अमेरिका मॉस्को से 720 किलोमीटर दूर के 9/11 जैसा अटैक, है। अभी तक हमले में किसी के चार प्लेन हाईजैक कर मारे जाने की सचना नहीं है। इन हमलों के बाद कजान समेत रूस किया गया था हमला के दो एयरपोटर्स को बंद कर दिया गया है। गौरतलब है कि

अधिकारियों के हवाले से खबर दी है कि हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रूस की बाजा टेलीग्राम चैनल ने वीडियो जारी किया है। वीडियो में हवा में एक ड्रोन की तरह की चीज नजर आ रही है। यह बाद में एक ऊंची बिल्डिंग से टकरा जाती है। टकराने के बाद आग का गोला बनता दिख रहा है।

रूस पर ४ महीने में दुसरी बार अटैक

रूस पर 4 महीने पहले भी 9/11 जैसा हमला हुआ था। यूक्रेन ने रूस के सारातोव शहर में 38 मंजिला रिहायशी इमारत वोल्गा स्काई को निशाना बनाया था। इस शहर में रूस का स्ट्रैटजिक बॉम्बर मिलिट्री बेस भी है। हमले में 4 लोग घायल हए थे। जिसके बाद रूस ने पलटवार करते हुए यूक्रेन पर 100 मिसाइल और 100 ड्रोन दागे थे। इनमें 6 लोगों की मौत हुई थी और 150 से ज्यादा घायल हए थे। 4 दिन पहले ही रूस के न्यूक्लियर चीफ इगोर किरिलोव की मॉस्को में हुए एक ब्लास्ट में मौत हो गई थी। हमले के वक्त किरिलोव अपार्टमेंट से

बाहर निकल रहे थे, उसी वक्त नजदीक खड़े स्कूटर में ब्लास्ट हो गया। इसमें किरिलोव के साथ-साथ उनका अस्टिटेंट भी मारा गया था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने यक्रेन के अधिकारियों के हवाले बताया था कि किरिलोव की हत्या यूक्रेन ने ही कराई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस एजेंसी (एसबीयू) से जुड़े एक सूत्र ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। यूक्रेन सिक्योरिटी सर्विसेज (एसबीयू) का आरोप था कि कि किरिलोव के लीडरशिप में रूस ने लगभग 5,000 बार रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल किया था।

स्थानीय लोगों की मदद से निकाला गया बाहर

अचानक पलटी स्कूल बस दो दर्जन बच्चे हो गए घायल

PHOTON NEWS RANCHI: शनिवार को स्कूली बच्चों से भरी

एक बस रांची के अनगड़ा में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें 2 दर्जन बच्चे घायल हो गए। बस कोडरमा से बच्चों को लेकर शैक्षणिक भ्रमण पर रांची आई थी। बच्चों को साइंस सिटी और हुंडरू फॉल ले जाना था। हुंडरू फॉल जाते समय 3 किलोमीटर पहले सिकिदिरी थाना क्षेत्र में एक तीखे मोड़ पर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। डॉक्टर मोड़ के पास हुई इस दुर्घटना के बाद चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से बस से बच्चों को बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम वहां पहुंची। पुलिस ने कहा कि तत्काल



लेकर शैक्षणिक भ्रमण पर हुंडरू फॉल जा रही थी बस

• सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंच गई पुलिस की टीम

सभी घायल बच्चों को मेदांता अस्पताल भेजा गया। वहां उनका इलाज चल रहा है।

स्ट्रांग डिफेंस समुद्री तटों की हिफाजत के लिए बने हैं 204 पुलिस स्टेशन

दुश्मनों के दांत खट्टे कर देगा भारत का तटीय सुरक्षा तंत्र

प्रणाली हर प्रकार की स्थिति का सामना करने में

सक्षम है। इंफ्रास्ट्रक्रर और टेविनकल दृष्टि से इसे वर्तमान जरूरत के हिसाब से हर तरह से और मजबूत बनाने के लिए सरकार रणनीतिक दृष्टि से काम कर रही है। हमारी सेना के तीनों विंग-थल, जल और वायु क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। हमारे समुद्री तटों की सुरक्षा के लिए ऐसी संरचना तैयार की जा रही है, जो हर परिस्थिति में दुश्मनों के दांत खट्टे कर सकती है। इसके लिए और विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, तटीय पुलिस के प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और आधुनिकीकरण के लिए सरकार ने कई कदम उँढाए हैं। तटीय पलिस के साथ-साथ सीमा शुल्क और बीएसएफ व सीआईएसएफ के जवानों को भी ट्रेनिंग दी जा रही है। केंद्र सरकार ने गुजरात के

जिला देवभूमि द्वारका में नेशनल एकेडमी ऑफ

कोस्टल पुलिसिंग की स्थापना की है।

आज के भारत का डिफेंस सिस्टम यानी प्रतिरक्षा

भारतीय कोस्टल गार्ड नियमित रूप से तटीय पुलिस के साथ करता है संयुक्त गश्त 4 सालों में 3374 जेसीपी उड़ानें

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने नोकसभा में विस्तार से यह जानकारी दी है कि तटीय पुलिस कर्मियों को तटरक्षक प्रशिक्षण केंद्र, कोच्चि और सभी तटीय राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों में तटरक्षक जिला मुख्यालयों में भी प्रशिक्षित किया जाता है। अब तक 13,879 तटीय पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया हैं। आईसीजी तटीय पुलिस के साथ संयुक्त तटीय गश्त (जेसीपी) आयोजित करता है। अगस्त 2020 में जेसीपी के शुरू होने के बाद से अब कुल 3374

जेसीपी उड़ानें और 8122 कर्मियों का

आरोहण किया गया है।



बीएसएफ और सीआईएसएफ दिया जा रहा विशेष प्रशिक्षण

के जवानों को भी

किसी भी परिस्थिति का मुकाबला करने के <u>लिए दृढ़ संकल्प के साथ तैयार हैं जवान</u> हर स्तर के विशेष

तटीय पुलिस की ट्रेनिंग और आधुनिकीकरण के लिए सरकार ने उठाए हैं कई कदम

अब तक 1725 कर्मियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में किया जा चुका है प्रशिक्षित

प्रशिक्षण के काम में है मुख्य भूमिका

'सागर कवच' और 'सजग' का आयोजन आईसीजी द्वारा तटीय सुरक्षा अभ्यास

'सागर कवच' और तटीय सुरक्षा जाता है। इसमें तटीय पुलिस भाग लेती है। इन अभ्यासों का उद्देश्य अंतरएजेंसी समन्वय को और मजबूत तटीय सुरक्षा तंत्र प्राप्त करना है। तटीय पुलिस कर्मियों को भारतीय नौसेना द्वारा नौसेना प्रतिष्ठान में समुद्री यात्रा, नेविगेशन और नाव-हैंडलिंग जैसे समुद्री यात्रा के विशेष क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाता है।

THE PROTON ALMS

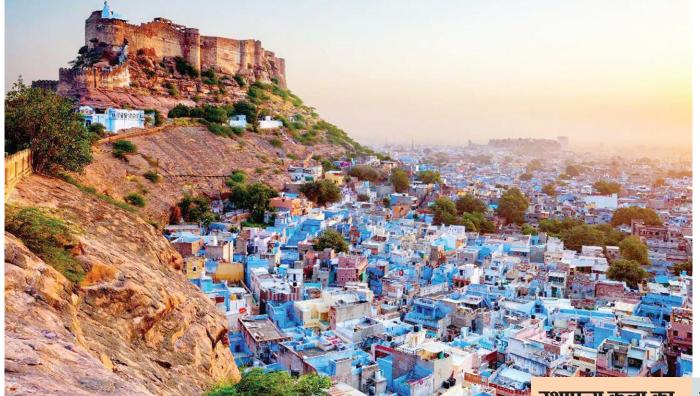
Sunday, 22 December 2024

www.thephotonnews.com



दिल्ली-जोधपुर यात्रा का अविस्मरणीय अनुभव

यात्रा का आरंभ दिल्ली से हुआ, जहाँ एक ठंडी सुबह मैं अपनी ट्रेन के आगमन की प्रतीक्षा कर रहा था। 'रानीखेत एक्सप्रेस' ने समय पर स्टेशन पर दस्तक दी। दिल्ली से निकलने का मतलब ही बदलाव था। ट्रेन दिल्ली की सरहदों को पार कर हिरयाली और छोटे-छोटे गाँवों के दृश्य दिखाने लगी मेरा मन उत्साह से भर उढा। खिड़की के बाहर के बदलते नजारे और सहयात्रियों से बातचीत ने इस सफर को जीवंत बना दिया। लगभग 12 से 14 घंटे के सफर के बाद जब ट्रेन जोधपुर स्टेशन पहुँची, तो सूर्यास्त की लालिमा ने मेरा स्वागत किया। स्टेशन से जोधपुर पहुँचकर मैंने जॉस्टल में चेक-इन किया। यह स्थान अपने आप में अद्वितीय था। विभिन्न देशों और शहरों से आए यात्रियों का यहाँ पर एक अनोखा समागम था।



जस्थान घमना हमेशा से मेरे लिए रोमांच का विषय रहा है। फिर चाहे वह जयपुर हो,

उदयपुर या फिर जैसलमेर कई खास अनुभवों और स्मृतियों से भरा हुआ है। इस बार मुझे जोधपुर देखना था। दिल्ली से जोधपुर तक की मेरी यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव रही। यह यात्रा मेरे लिए नई जगहों को देखने, आत्म-अन्वेषण और नए मित्रों से मिलने का एक अनुठा माध्यम थी। दिल्ली की हलचल भरी जिंदगी से कुछ समय के लिए दूर होकर एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के शहर की ओर प्रस्थान करना अपने आप में एक रोमांचक विचार था। जोधपुर, जिसे ब्लू सिटी के नाम से जाना जाता है, अपने भव्य किलों, शानदार महलों और समृद्ध परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। इस यात्रा को मैंने पूरी तरह आत्मसात करने का निर्णय लिया। ट्रेन का सफर, जॉस्टल में ठहरना, विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण और स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना। इन सबने मेरी इस यात्रा को लाजवाब बना दिया।

यात्रा का आरंभ दिल्ली से हुआ, जहाँ एक ठंडी सुबह मैं अपनी ट्रेन के

ज़िन्दगी पास

आ के बैट गई

याद दीपक जला के बैठ गई

एक आहट पे दिल धड़क उट्टा

जब जरा नींद आ रही थी मुझे

ज़िन्दगी पास आ के बैठ गई

कोई दस्तक तो दे रहा है पर

आस कुण्डी लगा के बैठ गई

उसने धीरे से हाल पूछ लिया

लाज नजरें झुका के बैठ गई

किसी को सिर पे बिठाती दुनिया

किसी के ख्वाब खा के बैठ गई।।

चांदनी मुस्करा के बैठ गई

रात घूंघट गिरा के बैठ गई

आगमन की प्रतीक्षा कर रहा था। 'रानीखेत एक्सप्रेस' ने समय पर स्टेशन पर दस्तक दी। दिल्ली से निकलने का मतलब ही बदलाव था। ट्रेन दिल्ली की सरहदों को पार कर हरियाली और छोटे-छोटे गाँवों के दृश्य दिखाने लगी मेरा मन उत्साह से भर उठा। खिड़की के बाहर के बदलते नजारे और सहयात्रियों

स्टेशन से जोधपुर पहुँचकर मैंने जॉस्टल में चेक-इन किया। यह स्थान

से बातचीत ने इस सफर को जीवंत बना

दिया। लगभग 12 से 14 घंटे के सफर

के बाद जब ट्रेन जोधपुर स्टेशन पहुँची,

तो सूर्यास्त की लालिमा ने मेरा स्वागत

अपने आप में अद्वितीय था। विभिन्न देशों और शहरों से आए यात्रियों का यहाँ पर एक अनोखा समागम था। जॉस्टल के खुले और जीवंत वातावरण ने तुरंत मुझे अपने आगोश में ले लिया। यहाँ के साफ-सुथरे और आरामदायक कमरे, साझा रसोईघर और लाउंज में अन्य यात्रियों के साथ हुई चचाओं ने इस ठहराव को खास बना दिया। शाम

जॉस्टल में ठहरने का सबसे बडा लाभ यह हुआ कि मैंने यहाँ कछ और

अलौकिक अनुभव था।

को छत से जोधपर के प्रसिद्ध मेहरानगढ

किले की झलक देखना और उसके

इतिहास की कल्पना करना एक

स्थापत्य कला का अनुपम उदाहरण राय का बाग पैलेस

घंटाघर हमें काफी अच्छा लगा और हम राय का बाग पैलेस भी घूमने गए, जो अपनी स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है। 17वीं सदी में निर्मित यह महल आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक महत्व को संजोए हुए है। फिर हमने कायलाना झील का रुख किया, जो अपने सुरम्य सूर्यास्त के लिए प्रसिद्ध है। झील के शांत जल और आसपास की हरियाली ने शहरी जीवन की हलचल से एक मधुर राहत दी। इस जगह पर नौका विहार का अनुभव भी बहुत ही खास था।

भी घुमक्कड़ों से मुलाकात की। अमेरिका से आए जॉन और कोलकाता की अंजलि से परिचय हुआ। हमारे बीच यात्रा के अनुभव, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और भविष्य की योजनाओं को लेकर गहरी चर्चा हुई। अंजलि ने अगले दिन के लिए यात्रा कार्यक्रम बनाने में मदद की और हमने जोधपुर की प्रसिद्ध स्थलों की यात्रा एकसाथ करने का निश्चय किया, जो बहुत ही अच्छा था।

नहीं भूलता घेवर व दाल-बाटी चूरमा का

यह शहर अपने ऐतिहासिक स्थलों के लिए ही नहीं, बल्कि अपने लाजवाब खानपान के लिए भी प्रसिद्ध है। यहाँ का मिर्ची बडा, कचौरी और प्रसिद्ध मावा कचौरी के स्वाद ने हम सबको रोमांचित कर दिया। राजस्थानी मिठाइयों में घेवर और मोतीचूर के लड्डू का स्वाद बेमिसाल था। स्थानीय व्यंजनों में आज भी मेरी स्मृतियों में ताजा है। यहाँ के लोगों की मेहमाननवाजी का अनुभव भी बहुत खास था। चाहे वह जॉस्टल का स्टाफ हो या बाजार के दुकानदार, हर कोई अपनी गर्मजोशी और आतिथ्य सत्कार से मन मोह लेता था।

मेहरानगढ़ किले से हुई। यह भव्य किला दुनिया भर में अपनी ऊँचाई और वास्तुशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। किले से जोधपर का विहंगम दृश्य मन मोह लेने वाला था। किले के अंदर का संग्रहालय. प्राचीन तोपों और महलों की जटिल नक्काशी अतीत की झलक प्रस्तुत कर रही थी। गाइड ने इस किले के इतिहास और उससे जुड़ी रोचक कहानियाँ साझा कीं, जो हमारी यात्रा को और भी दिलचस्प बना गई। यह किला सचमुच

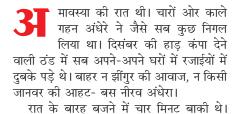
इस जगह से निकलने के बाद हमारे घूमने की दूसरी जगह जसवंत थड़ा थी, जो सफेद संगमरमर से निर्मित एक भव्य स्मारक है। यह स्थल मारवाड़ के महाराज जसवंत सिंह की याद में निर्मित किया गया था। झील के किनारे की शांति और इस स्थान की भव्यता ने मन को एक अद्भुत शांति प्रदान की। इसके बाद हम उम्मेद भवन पैलेस देखने गए जोकि राजस्थान के राजसी वैभव और शान-ओ-शौकत का प्रतीक है। महल का एक हिस्सा संग्रहालय में परिवर्तित किया गया है, जहाँ जोधपुर के इतिहास और संस्कृति से जुड़ी अनमोल वस्तुएँ प्रदर्शित की गई हैं। महल की भव्यता और उसके आसपास के सुंदर बगीचे एक सपने जैसे प्रतीत होते हैं।

हमारे घमने की अगली जगह घंटाघर और सरदार मार्केट थी। इस बाजार की भीड और पारंपरिक राजस्थानी सामानों की खरीदारी का अनुभव हम सभी के लिए अनोखा था। मसालों, रंगबिरंगे कपड़ों और हस्तशिल्प से भरे इस बाजार ने जोधपर की जीवंत संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। मंडोर गार्डन भी जाने की हमारी छतरियाँ और हरियाली का समागम बेहद आकर्षक था। यहाँ का शांत वातावरण और ऐतिहासिक संरचनाएँ समय के प्रवाह को रोकने का अनुभव देती हैं। यह जगह बहुत ही शांत और

इस तरह से हमारा तीन दिन का यह सफर बहुत ही शानदार और तरह तरह के अनुभवों से भरा हुआ था। दिनभर की थकान के बाद जब हम जॉस्टल लौटे, तो छत पर बैठकर अपने-अपने अनुभवों को साझा किया। इसके साथ ही जोधपुर की रोशनियों से सजी रात का आनंद भी लिया। अगली सुबह कुछ अनमोल यादें संजोकर और नए मित्रों की दोस्ती का तोहफा लेकर दिल्ली की ओर वापसी की।

यह यात्रा न केवल जोधपुर की सुंदरता और समृद्ध संस्कृति से परिचित होने का एक माध्यम बनी, बल्कि यह मेरे लिए आत्म-अन्वेषण और अनगिनत यादों का खजाना भी लेकर आई। जोधपुर की नीली गलियाँ, वहाँ के लोग और उनकी गर्मजोशी से भरी मेजबानी ने मेरे हृदय में एक विशेष स्थान बना





मिस्टर सेनगुप्ता की आलीशान कोठी के पीछे फैले बागीचे के अंतिम छोर पर, एक छोटे से आउटहाउस में, मुलिया दहाड़ें मार कर विलाप रही थी, गोद में उसका छह महीने का बेटा सिमटा हुआ

उधर मिसेज सेनगुप्ता मखमली रजाई में करवटें बदल रही थीं। मुलिया की दहाड़ें उस गहन सन्नाटे को भेदते हुए उनके कानों तक पहुँच रही थीं। गुस्से में तमतमाई वे उठीं, वूलेन नाइटगाउन के ऊपर शॉल डालते हुए पिछले दरवाजे का ताला खोला और तेज कदमों से मुलिया तक पहुँच गईं।

-'बंद करो ये रोना-चिल्लाना!' उन्होंने गुस्से से चिल्लाते हुए कहा। 'तुम्हारा ऐसे रोने-धोने से तुम्हारा आदमी वापस आ जाएगा क्या? दो दिन से तुम्हारा नाटक देख रही हूँ। नींद हराम कर दी है। अगर सो नहीं सकती, तो चलो बर्तन मांज दो, बहत काम पड़ा है!'

यह कहकर मिसेज सेनगुप्ता दनदनाती हुई वापस चली गईं।

स्वाभिमानी मुलिया की दहाड़ें अब सिसकियों में बदल चुकी थीं। कुछ देर वह वहीं बैठी रोती रही। फिर उसने अपनी छोटी सी गृहस्थी की गठरी बाँधी, बेटे को कमर से लगाया, ठंड और अंधेरे की परवाह न करते हुए, खुले आसमान के नीचे निकल

सुनसान, गहरी अंधेरी सड़क पर चलते-चलते उसकी हिम्मत जवाब दे गई। वह एक स्ट्रीट लाइट के नीचे बनी पुलिए पर जाकर बैठ गई। बेटा उसकी गोद से उसी तरह चिपका था, वह अब भी सिसक रही थी। भाटिया दंपती, जो किसी विवाह समारोह से लौट रहे थे, वहाँ से गुजर रहे थे। पुलिया पर अकेली बैठी मुलिया को देखकर उन्होंने गाड़ी

- 'ऐ, कौन हो तुम? यहाँ क्या कर रही हो?'

- मिसेज भाटिया ने चिंता से पूछा। - 'मेरा आदमी मर गया, मेमसाहब,' मुलिया ने
- धीरे से जवाब दिया।
- 'दो दिन हो गए।'
- 'तुम्हारा घर कहाँ है? चलो, छोड़ देते हैं

तकद



- 'मेरा कोई घर नहीं है, मेमसाहब।' - 'तो कोई और होगा तुम्हारा? कोई रिश्तेदार?'
- 'कोई नहीं है मेरा।'
- भाटिया दंपती एक-दूसरे को देख रहे थे। उनके चेहरे पर चिंता और दया के भाव थे। संसार में निर्दयी लोग हैं तो दयालु लोग भी हैं।
- 'अरे, इस तरह रात में सड़क पर पड़ी रहना ठीक नहीं। जमाना खराब है। मेरे घर चलोगी?' मुलिया ने थोड़ी झिझक के बाद सिर हिलाया।
 - 'ठीक है, मेमसाहब।'

भाटिया दंपती उसे अपने घर ले आए। उन्होंने उसे गरम खाना खिलाया और खाली पड़े आउटहाउस में रहने की जगह दे दी, मुलिया अब वहीं रहने लगी। समय के साथ सबसे बड़ा दुख भी धीरे-धीरे धूमिल हो जाता है। मुलिया भी धीरे-धीरे सामान्य होने लगी। मिसेज भाटिया के कहने पर वह रसोई में उनकी मदद करने लगी। साग-भाजी काटना, धोना, चाय बनाना- इन छोटे-छोटे कामों में उसने अपने दर्द को भूलने का सहारा ढूंढ लिया। मुलिया की सफाई और कामकाज के प्रति लगन को देखकर मिसेज भाटिया ने धीरे-धीरे उसे पूरी रसोई की जिम्मेदारी सौंप दी। मुलिया के हाथों में गजब का स्वाद था। उसकी बनाई सब्जी, दाल, और अन्य व्यंजन ऐसे होते कि भाटिया दंपती अंगुलियां चाटते रह जाते। और जब वह मीठे पकवान- खीर, फिरनी या हलवा बनाती, तो उसकी तारीफों के पुल बांध

दिए जाते। जितनी तारीफ मिलती, मुलिया उतने ही उत्साह से नए-नए पकवान बनाने लगती।

मुलिया मात्र इक्कीस या बाईस वर्ष की रही होगी- छरहरा बदन, सांवला रंग, गोल चेहरा, बड़ी-बड़ी आँखें, और मोतियों जैसे चमकते दाँत। उसकी फुर्ती इतनी थी कि कोई भी फरमाइश करें, वह उसे झट से पूरा कर देती। अब मुलिया आउटहाउस में नहीं, बल्कि भाटिया दंपती के आलीशान बंगले की ऊपरी मंजिल पर अपने बेटे के साथ रहने लगी थी।

भाटिया दंपती- बलविंदर सिंह भाटिया और उनकी पत्नी हरजीत कौर स्वभाव से बेहद दयालू और आध्यात्मिक लोग थे। बलविंदर भाटिया एक बड़े उद्योगपति थे और अपार संपत्ति के मालिक। लेकिन वे संतानविहीन थे। वर्षों तक उन्होंने हरसंभव कोशिश की- इलाज करवाया, मंदिर और गुरुद्वारों में मन्नतें मांगीं, दान-पुण्य किया लेकिन उनकी गोद सूनी ही रही। अब हरजीत पैंतालीस और बलविंदर पचास के हो चले थे। दोनों ने नियति को स्वीकार कर लिया था। हालांकि वे खुशमिजाज थे, लेकिन उनकी सूनी कोठी में अक्सर एक अजीब सा सन्नाटा छाया रहता था।

जब मुलिया के बेटे की किलकारियां इस सूने घर को गूंजातीं, तो भाटिया दंपती का मन खिल उठता। वह छोटे से बच्चे को देखकर झुम उठते। बलविंदर भाटिया बच्चे के साथ खेलने में ऐसे मगन हो जाते, मानो वह उनका अपना पोता हो। यह रिश्ता अब न केवल दया और सहानुभूति का था, बल्कि गहरी आत्मीयता और अपनेपन में बदलने लगा था। बलविंदर भाटिया ने खुद बाजार जाकर मुलिया के बेटे के लिए ढेर सारे खिलौने, कपड़े और न जाने क्या-क्या खरीद लाए। मुलिया और उसके बेटे की वजह से अब भाटिया दंपती पहले से कहीं ज्यादा खुश रहने लगे थे। बलविंदर जी ने मुलिया के बेटे का नाम आलोक रखा। वे अक्सर कहते, 'इसने हमारी जिंदगी को रोशनी से भर दिया

जल्दी ही आलोक स्कूल जाने लायक हो गया। भाटिया जी ने उसका दाखिला शहर के एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी मीडियम स्कूल में कराया। मुलिया, जो कभी अपनी छोटी सी गठरी लिए एक अनजान पुलिया पर बैठी थी, अब भाटिया दंपति के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी थी।

घूमने-फिरने के शौकीन भाटिया दंपती जहाँ भी जाते, मुलिया और उसका बेटा आलोक हमेशा उनके साथ होते। देश ही नहीं, विदेश भ्रमण पर भी मुलिया और आलोक उनके साथ जाते। इन यात्राओं के दौरान मुलिया कभी-कभी अपनी किस्मत पर मन ही मन इतराती।

समय अपनी रफ्तार से चलता रहा। मुलिया को भाटिया जी के घर आए हुए पूरे पच्चीस वर्ष बीत चुके थे। अब मुलिया और आलोक भाटिया परिवार का अभिन्न हिस्सा बन चुके थे। इन वर्षों में मुलिया के व्यवहार, पहनावे और जीवनशैली में काफी बदलाव आ चुका था। अब वह सजने-संवरने के साथ-साथ बात-बात में अंग्रेजी के शब्दों का इस्तेमाल करने लगी थी। उसे देखकर कोई यह नहीं कह सकता था कि यही वह मुलिया है, जो कभी अपनी छोटी सी गृहस्थी की गठरी समेटे पुलिया पर बैठी रो रही थी। आलोक ने ग्रेजुएशन के बाद एमबीए कर लिया था। बलविंदर जी ने फैक्ट्री का कार्यभार उसे सौंप दिया। आलोक ने अपनी मेहनत और लगन से यह जिम्मेदारी बखूबी संभाल ली। उसकी फरार्टेदार अंग्रेजी सुनकर फैक्ट्री के कर्मचारी सहम जाते और उसकी कार्यकुशलता की

प्रशंसा करते। मिस्टर भाटिया, मिसेज भाटिया, मुलिया, और उनका बेटा आलोक गर्मियों में कुछ दिनों के लिए शिमला गए थे। वहां से लौटने के बाद मिसेज भाटिया की तबीयत अक्सर खराब रहने लगी। डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि कैंसर उनके पूरे शरीर में फैल चुका है और वे ज्यादा से ज्यादा दो महीने ही जीवित रह सकती हैं। यह सुनते ही मिस्टर भाटिया को लगा मानो उनकी पूरी दुनिया बिखर गई हो। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। मिसेज भाटिया को बचाने के लिए बलविंदर जी, मुलिया, और आलोक ने जी-जान से उनकी सेवा की। लेकिन होनी को कौन टाल सकता है? ढाई महीने बाद मिसेज भाटिया ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। पत्नी की मृत्यु का सदमा मिस्टर भाटिया बर्दाश्त नहीं कर पाए। वे दुनिया से पूरी तरह उदासीन हो गए, दिनभर मंदिर में बैठे रहते और मंदिर से उठने के बाद गुरुद्वारे जाकर चुपचाप समय बिताते। उनका मन अब कहीं भी नहीं लगता

कुछ समय बाद, एक दिन उन्होंने आलोक और मुलिया को अपने पास बुलाया। उन्होंने अपनी सारी जायदाद दोनों के नाम कर दी। इसके बाद, एक रात वे सोए तो फिर कभी नहीं उठे। वे हमेशा के लिए इस दुनिया को छोड़ गए।

मुलिया ने अपने कमरे में भाटिया दंपती की एक बड़ी सी तस्वीर लगा रखी है। हर सुबह वह उनकी पूजा करती और भावुक होकर कहती, 'ये मेरे भगवान हैं। इन्होंने हमारी तकदीर बदल दी।'



1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें। 2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com











कैरोल, स्किट और अलाव के साथ जमकर मना जश्न

BRIEF NEWS नॉन फायर कुकिंग प्रतियोगिता में छत्राओं ने दिखाया हुनर



RANCHI: रांची पब्लिक स्कूल हिंदपीढ़ी के नेतृत्व में नॉन फायर कुकिंग प्रतियोगिता हुई। इसमें प्री नर्सरी से दसवीं क्लास की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने कुछ न कुछ नया बनाने और कुछ रचनात्मक प्रतिभा दिखाने का प्रयास किया। बिना गैस, बिना आग के प्रयोग की प्रतियोगिता में अनेक प्रकार के स्वादिष्ट पकवान बनाए, जिसमें फ्रट क्रीम,भेलपूरी ,दही बड़ा, सैंडविच, मिल्क शेक, ग्रीन सलाद, फ्रूट सलाद, नारियल के लडू आदि को तैयार कर विद्यार्थियो ने अपने-अपने पकवानों की विशिष्टताओं का प्रदर्शन किया। स्कूल सचिव मो. तौहीद ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

पुलिस ने शराब पीने वालों के खिलाफ चलाया अभियान

RANCHI: राजधानी रांची की पलिस ने शराब दुकान के समीप शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। एसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में सभी थाना प्रभारियों ने अपने अपने क्षेत्र में अभियान चलाया। अभियान के क्रम में शराब दुकानदारों को हिदायत दिया गया कि वह अपने दुकान के सामने शराब का सेवन किसी को ना करने दे। अगर कोई भी शराब का सेवन करते हुए पाए हैं तो शराब पीने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

छेडखानी के आरोपी को पनाह देने वाला अरेस्ट

RANCHI: कोतवाली पुलिस ने

मो जसीम नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। इसके ऊपर आरोप है कि इसने कन्या स्कल अपर बाजार, हिन्दपीढ़ी के आते-जाते छात्राओं से छेड़खानी करने वाले आरोपी मो फिरोज अली को छिपने में सहयोग किया था। उसे गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया गया। फिरोज अली को पनाह देने वाले लोअर बाजार के पार्षद और अन्य लोग को चिन्हित कर लिया गया है।

लायंस क्लब ने ग्रामीणीं में किया कंबल वितरण

RANCHI: सामाजिक संस्था लायंस क्लब ऑफ समर्पण की ओर से शनिवार को कांके डैम स्थित पतरा गोंदा गांव में सैंकड़ो ग्रामीणों के बीच कंबल वितरण किया गया। बढती ठंड को देखते हुए लायंस क्लब ऑफ समर्पण ने यह सकारात्मक पहल कर ग्रामीणों को कम्बल भेंट किए हैं। इस दौरान सीमा सिंह, चटकपुर पंचायत की उप मुखिया निमता देवी, समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी, चटकपुर पंचायत के समाजसेवी शुभम चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

राजधानी रांची में क्रिसमस को लेकर हर ओर उत्साह का माहौल दिख रहा है। बाजार में भी रौनक है। लोग बड़ी संख्या में क्रिसमस गैदरिंग में भाग ले रहे हैं। शनिवार को जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) ने कैंपस में क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया। ह्यमन रिसोर्स मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, मार्केटिंग मैनेजमेंट और फाइनेंशियल मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उत्साह के साथ सभी ने क्रिसमस का

जंशन मनाया। खूब मस्ती की। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक डॉ. जोसेफ मारियानस कुजुर एसजे के भाषण से हुई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्रिसमसँ प्रत्येक व्यक्ति का उत्सव है। शांति, न्याय और सामंजस्य को बढ़ावा देने का समय है। उन्होंने किरियोस (भगवान), कोइनोनिया (संगति) और केरीग्मा (घोषणा) की ग्रीक अवधारणाओं के बारे में भी जानकारी साझा की और सभी को इन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। सहायक निदेशक डॉ. प्रदीप केर-केट्टा एसजे ने गरीबों के प्रति सजगता और ईश्वर की परिवर्तनकारी उपस्थिति के प्रतीक के रूप में

राजधानी में क्रिसमस को लेकर हर ओर चल रही तैयारी, बाजार में भी दिख रही रौनक प्रतिदिन क्रिसमस गैदरिंग में बड़ी • एक्सआईएसएस की क्रिसमस



कैरोल पर देर तक झुमते रहे लोग

इस दौरान कैरोल गाया गया। इस पर देर तक लोग ढूंढूते रहे। वहीं क्रिसमूस की कहानी पर एक नाटक का मंचन, समूह नृत्य और युगल गीत की प्रस्तुति शामिल थी। मेहमानों ने एकता और एकजुटता की भावना को लेकर केक काटा।

जरूरतमंदों की सहायता करने का दिया संदेश

संत अलोइसियूस इंटरमीडिएट कॉलेज रांची में क्रिसमस गैदरिंग में रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने क्रिसमस केक काटा, चरनी का आशीष देने के बाद उन्होंने सभी को क्रिसमस की शभकामनाएं दी। महाधर्माध्यक्ष ने कहा कि जैसे माता मरियम ने प्रभु का संदेश एलिजाबेथ को दिया और उनकी मदद की। वैसे हमें भी इस क्रिसमस जरूरतमंदों की सहायता कर खुशी साझा करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। जिसमें स्टूडेंट्स और शिक्षकों ने भाग लिया। मौके पर ब्रा अलफोंस, ब्रा क्लेमेंट, फा असीम मिंज, स्कूल के शिक्षक और खीस्तीय समुदाय के

झारखंड के दो कराटे

प्लेयर्स ने प्रतियोगिता के

पहले दिन जीते चार पदक

RANCHI: सिकोकई कराटे

ऑल इंडिया ओपेन कराटे चैंपियनशिप में झारखंड के दो

इंटरनेशनल की ओर से आयोजित

खिलाड़ियों ने पहले ही दिन अपने

शानदार प्रदर्शन से राज्य का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता उत्तर

प्रदेश के वाराणसी में चल रही है। 9

वर्ष आयु वर्ग के आदित्य राज ने

कुमिते स्पर्धा में रजत पदक जीते।

आदित्य की यह सफलता राज्य के

कराटे में उभरते हुए सितारे के रूप

में उनकी पहचान को और मजबूत

करती है। 11 वर्ष के आयु वर्ग की

मिस्टी कुमारी ने काता और कुमिते

स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर राज्य

ऑगेर्नाइजेशन के अध्यक्ष हंसी भरत

का गौरव बढ़ाया है। विजेता

खिलाडियों को कराटे इंडिया

ऑगेर्नाइजेशन के ट्राइबल और

किया। दोनों खिलाड़ियों ने यह

प्रशिक्षण में उनका प्रदर्शन बेहद

माइनॉरिटी कमीशन के चेयरमैन

शिहान सुनील किस्पोट्टा ने सम्मानित

उपलब्धि अपने कोच अनिल किस्पोट्टा

के मार्गदर्शन में प्राप्त किया, जिनके

शर्मा और कराटे इंडिया

काता स्पर्धा में स्वर्ण पदक और

रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया शहर

क्रिसमस से पूर्व पूरे शहर को सजा दिया गया है। रंग–बिरंगी लाइट्स के अलावा कई जगह तोरण द्वार बनाए गए है। चर्च के आसपास में शानदार सजावट की गई है। इसके अलावा पूरे मार्केट में चरणी की बिक्री जोरों से की जा रही है। तरह-तरह के आकर्षक चरनी मार्केट में उपलब्ध है। वहीं प्रभु की छोटी-बड़ी स्टेच्यू भी स्टॉल्स पर नजर आ रहे हैं। वहीं गिफ्ट आइटम की भी बाजार में भरमार है। सांता क्लॉज की ड्रेस की काफी डिमांड है। सांता क्लॉज वाले खिलौने भी बाजार में इसबार आकर्षण का केंद्र बने हुए है।



हटिया स्टेशन पर कारनामे देख आरपीएफ जवान रह गए दंग

शराब की बोतलें लेकर बिहार जाने की थी तैयारी, 4 अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड की राजधानी रांची के हटिया रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 3 पर आरपीएफ के जवान उस वक्त दंग रह गए, जब उन्होंने 4 संदिग्ध को देखा और उनको हिरासत में लिया। आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर रांची मंडल में शराब तस्करों के खिलाफ विशेष ऑपरेशन सतर्क चलाया जा रहा था। इसी दौरान आरपीएफ पोस्ट हटिया के निरीक्षक रूपेश कुमार, उपनिरीक्षक दीपक कुमार और फ्लाइंग टीम रांची ने 19 दिसंबर 2024 की शाम को हटिया रेलवे स्टेशन के 3 नंबर प्लेटफॉर्म पर 4 व्यक्तियों को संदिग्ध अवस्था में देखा। संदेह के आधार पर सभी 4 लड़कों को हिरासत में ले लिया गया। आरपीएफ के जवानों ने उनके पिट्ट बैग की जांच की, तो पता चला कि उसमें प्रतिबंधित शराब की 94 बोतलें थीं। इनका नाम-पता पूछने पर जो जानकारी मिली, उससे आरपीएफ के जवान दंग रह गए। ये सभी 17 से 21

शनिवार को रांची प्रेस क्लब में

पालोना अभियान और आश्रयणी

फाउंडेशन द्वारा आयोजित बैठक में

शहर के प्रमुख अधिवक्ताओं ने शिशु

संरक्षण अधिनियम की आवश्यकता

पर जोर दिया। इस कार्यक्रम की

शुरूआत में पालोना अभियान की

संस्थापक मोनिका आर्य ने शिशु

संरक्षण के मार्ग में आने वाली मौजूदा

चुनौतियों के बारे में विस्तार से

बताया। इसके पश्चात अधिवक्ता

शिल्पी, रश्मि लाल, आरती वर्मा,

श्रीकांत कुमार, गौरव पोद्दार और

बाल संरक्षण कार्यकर्ता त्रिभुवन शर्मा,

श्वेता, हाशमा ने एक्ट को बनाने के

लिए रूट मैप पर गहन मंथन किया।



साल की उम्र के थे। झारखंड से शराब खरीदी थी और बिहार में इसको खपाने की तैयारी कर रहे थे। यानी सभी शराब की तस्करी में लिप्त थे। गिरफ्तार आरोपियों में शिवम कुमार, उम्र 18 वर्ष, पिता अशोक पासवान, निवासी- केसाबे थाना- बरौनी, जिला- बरौनी, बिहार, गुड्ड कुमार, उम्र 18 वर्ष, पिता ्रलालटुन तांती, निवासी-वार्ड नं 14, सोबरा, जिला- बरौनी, बिहार, अमन कुमार, उम्र -17 वर्ष, पिताअमरजीत पासवान, निवासी-वार्ड नंबर 02, पन्नापुर, थाना-मटियानी, जिला बेगुसराय,

पालोना अभियान और आश्रयणी फाउंडेशन की ओर से हुई मीटिंग

अधिवक्ताओं ने शिश संरक्षण अधिनियम की

शिशु संरक्षण पर चर्चा करते अभियान के सदस्य।

उटाई आवाज, कई मुद्दों पर की गई चर्चा

बिहार व अंकुश कुमार, उम्रू 21 वर्ष, हसपुरा, औरंगाबाद, बिहार शामिल हैं। पूछताछ के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों ने बताया कि बरामद अवैध शराब वे ट्रेन संख्या 18105 (राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस) और 18624 (हटिया-इस्लामपुर एक्सप्रेस) से बिहार ले जा रहे थे। बिहार में शराब की सप्लाई करनी थी। एएसआई आर शेखर ने बरामद अवैध शराब की बोतलें जब्त कर लीं हैं। 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। जब्त की गई अवैध शराब की कुल कीमत

लगाया कि सभी ने उनके साथ, उनके पति, देवर और छोटी बहन के उनके साथ छेडखानी की। 1.16.000 रुपए है।

• फोटोन न्यूज

सुखदेवनगर थाना प्रभारी

पर घर में घुसकर गाली

गलौज करने का आरोप

RANCHI: रांची के सुखदेवनगर

थाना प्रभारी पर एक परिवार के घर

पर जबरन घुसकर गाली–गलौज्

और महिलाओं के साथ बदसलूकी

करने का आरोप लगा है। इसी[ँ]थाना

क्षेत्र के बजरा स्थित सर्वेशवरी नगर

की रहने वाली परविंदर कौर नाम

की महिला ने थाना प्रभारी पर यह

अल्पसंख्यक आयोग को भी दी है महिला ने अपनी शिकायत में कहा है

कि बीते 19 दिसंबर की रात उसके

निकलीं, तो उन्होंने देखा कि नशे में

धुत सुखदेवनगर थाना प्रभारी मनोज

कुमार, उनके सहकर्मियों और मेट्रों

गुली रात रोड निवासी विनीत खत्री

उसके घर में घुस आये। आरोप

घर के गेट पर जोर से पीटने की

आवाज आयी। जब वह बाहर

को रांची एसएसपी से इसकी

शिकायत की है और इसकी

प्रतिलिपि राज्यपाल, डीजीपी

आरोप लगाया है। महिला ने शनिवार

उषा मार्टिन माइनिंग घोटाला नंद किशोर ने सीबीआई कटि में किया सरेंडर

RANCHI: रांची सीबीआई की विशेष कोर्ट में उषा मार्टिन माइनिंग घोटाला से जुड़े अभियुक्त नंद किशोर पटोदिया ने सरेंडर कर दिया। जिसके बाद अदालत ने उन्हें सशर्त बेल दे दी। कोर्ट ने उन्हें 25-25 हजार के दो निजी मुचलके और पासपोर्ट जमा करने की शर्त पर जमानत की सविधा प्रदान की है। उनपर वर्ष 2005 में उषा मार्टिन को माइंस आवंटन में भ्रष्टाचार का आरोप है। वर्ष 2005 में उषा मार्टिन कंपनी को पश्चिमी सिंहभूम जिले के घाटकुरी में एक लौह अयस्क खदान आवंटित की गई थी। इसमें कथित रुप से भ्रष्टाचार हुआ था। आईएएस अरुण कुमार सिंह उस वक्त खनन विभाग के सचिव थे और इंद्रदेव पासवान खनन निदेशक थे।

साथ अभद्र व्यवहार किया। महिला ने यह भी कहा कि विनीत खत्री ने

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजल हसन अंसारी इस्लामी मरकज द्वारा चलाए जा रहे मदरसा को मॉर्डर्न मदरसा बनाने में पूरा सहयोग देने पर बल दिया। उन्होंने मध्यान भोजन की व्यवस्था के साथ-साथ मरकज के कागजात उपलब्ध कराने पर मदरसे में हॉस्टल देने एवं मदरसा में मॉडर्न शिक्षा के लिए कंप्यूटर देने की बात कही। अल्पसंख्यकों के विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को सरकारी तंत्र के स्तर से समाधान का आश्वासन दिया। वह शनिवार को हिंदपीढी स्थित इस्लामी मरकज में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। उन्हें मरकज की ओर से मोमेंटो के

आभार समागम में कांग्रेस

RANCHI: झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आभार समागम का आयोजन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में किया गया। इसमें प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। इसके अलावा पंचायत प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, विधायक, पूर्व विधायक, सांसद और पूर्व सांसद सहित कई नेता और कार्यकर्ता भी शामिल हुए। बैठक में पार्टी की आगे की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव की जीत में कांग्रेस कार्यकताओं का अहम योगदान रहा है। जिन्होंने काम नहीं किया, उन्हें अपनी करनी नजर आ रही होगी। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने भी कांग्रेस और महागठबंधन के झंडे को आगे बढकर जीत की बुनियाद को

साथ सम्मानित किया गया। इस दौरान

रांची सिविल कोर्ट का डीआईजी ने किया औचक निरीक्षण, दिए निर्देश



सिविल कोर्ट का निरीक्षण करते डीआईजी अनूप बिरथरे।

PHOTON NEWS RANCHI: शनिवार को डीआईजी अनुप बिरथरे ने रांची सिविल कोर्ट का औचक निरीक्षण किया। डीआईजी दोपहर में अचानक सिविल कोर्ट पहुंचे और सुरक्षा इंतजामों का मुआयना करने लगे। जैसे ही कोर्ट सुरक्षा प्रभारी और दुसरे पुलिसकर्मियों को इसकी सूचना मिली, वैसे ही वे फौरन डीआईजी के पास पहुंचे। अपने निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने कोर्ट रूम से लेकर सिविल कोर्ट के बाहरी क्षेत्रों का भी जायजा लिया। सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को बुलाकर उनसे हर चीज की जानकारी ली। सिविल कोर्ट में तैनात सुरक्षा कर्मियों को जो सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं, उनकी जांच भी डीआईजी के जरिये की गई। मौके पर डीआईजी ने बताया कि तीन गेटों का औचक निरीक्षण किया गया। काफी भीड़ रहती है

चेकिंग ठीक से करें। 75 पुलिसकर्मी और पदाधिकारी वहां नियुक्त हैं। बार भवन से आगे की ओर सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया। कोतवाली डीएसपी को भी औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। कोर्ट के अधिकारियों, अधिवक्ताओं से भी डीआईजी ने सुरक्षा के विषय पर बातचीत की। सभी ने सुरक्षा में सहयोग का भरोसा दिया। इससे पूर्व झारखंड के सभी जिलों में कोर्ट परिसर और जजों के आवासीय परिसर की सुरक्षा की समीक्षा डीजीपी अनुराग गुप्ता ने की थी। इस दौरान डीजीपी ने रेंज डीआईजी स्तर के अधिकारियों क्षेत्राधिकार के जिलों में जितने भी व्यवहार न्यायालय, आवासीय परिसर और न्यायाधीश हैं, उन

मदरसा में मॉडर्न शिक्षा के लिए दिया जाएगा कप्यूटर : हफीजुल हसन



इस्लामी मरकज के नायब मोहतमिम कारी अय्युब एवं एदारा ए शरीया झारखंड के नाजिमे आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी ने संयुक्त रूप से मंत्री को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने मांग किया कि दूसरे स्कूलों एवं मदरसों की भांति इस्लामी मरकज में चल रहे मदरसा के 150 बच्चों के

मध्याह्न भोजन की व्यवस्था, शिक्षा को और बेहतर बनाने एवं यहां के बच्चों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के लिये 50 कंप्यूटर की व्यवस्था, मदरसे की जर्जर स्थिति में सुधार समेत मदरसा को आगे बढ़ाने के लिये निर्माण कार्य के लिए सरकारी स्तर पर फंड की व्यवस्था कराए जाएं।

बेखौफ अपराधी : व्यवसाय जगत में मचा हड़कंप, अपराधियों पर जल्द कार्रवाई करने की मांग

बड़े व्यवसायी प्रिंस राज श्रीवास्तव पर जानलेवा हमला

PHOTON NEWS RANCHI:

राजधानी रांची के हिन् निवासी बड़े व्यवसायी प्रिंस राज श्रीवास्तव पर अपराधियों ने शुक्रवार की देर रात जानलेवा हमला किया। घटना को रात 10:50 बजे अंजाम दिया गया। प्रिंस राज कडरू स्थित स्काइलाइन टावर से अपने हिन् आवास के लिए निकल रहे थे, जैसे ही प्रिंस अपने गाड़ी में बैठे, वैसे ही घात लगाए 4 अज्ञात अपराधियों ने प्रिंस के गाड़ी को घेर लिया। गाड़ी घेर कर अपराधियों ने दरवाजा खोलने का प्रयास किया। ऐसे मे प्रिंस राज श्रीवास्तव सतर्क हो गए, अपराधियों ने दो बार जबरदस्ती गाड़ी का दरवाजा खोलने का प्रयास किया, जिसमें से एक बार एक अपराधी ने प्रिंस के चहरे पर

पहले से घात लगाए अपराधियों ने गाड़ी को घेरा, कडरू पुल पर वाहन को रोकना चाहा गाड़ी का गेट खोलकर एक अपराधी ने किया हमला, घटना कार में लगे कैमरे में हुई कैद

विशेषज्ञों ने दिए समाधान के सुझाव

समर्पित शिशु संरक्षण अधिनियम का निर्माण, जिसमें शिशु हत्या और परित्याग से

संबंधित स्पष्ट प्रावधान हों। समयबद्ध जांच और सुनवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि

त्वरित न्याय मिल सके। चिकित्सा और कानूनी अधिकारियों के लिए सख्त दिशा-

निर्देश और प्रोटोकॉल लागू किए जाएं। जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएं,

ताकि सुरक्षित आत्मसमर्पण और शिशु सुरक्षा कानूनों की जानकारी बढ़ाई जा

सके। कार्यक्रम के अंत में नीति निमार्ताओं को इस मुद्दे पर तत्काल कदम उठाने

प्रमुख भूमिका प्रोजेश दास, अमित सिंह,और प्रशांत ने निभाई।

और सिफारिशें प्रस्तुत करने की प्रतिबद्धता जताई गई। इसके सफल आयोजन में





हमला भी किया। उनके हाथों पर प्रिंस वापस अपनी गाड़ी मे बैठ गए। इसके बाद प्रिंस वहा से अपने आवास के लिए निकल गए। चार अपराधियों ने दो वाहनों

से प्रिंस राज श्रीवास्तव का पीछा धारदार हथियार और चाकू देख किया और कडरू पुल पर प्रिंस की गाड़ी को रुकवाने का प्रयास किया। किसी तरह प्रिंस अपनी जान बचा कर डोरंडा थाना पहुंचे। यह देख कर अपराधी

वहां से फरार हो गए। इससे पूर्व जब प्रिंस जान बचा कर वहां से निकले, तभी रास्ते मे अपराधियों ने उनकी कार पर भरी पत्थर से हमला किया, जिससे उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई।

• फोटोन न्यूज

🗕 किसी तरह जान बचाकर थाना पहुंचे व्यवसायी

डोरंडा थाने में दर्ज हुई एफआईआर

इस घटना की सभी तस्वीरें कार में लगे कैमरे में कैद हो गई हैं। मामले की जानकारी डोरंडा थाने में लिखित दिया गया है। लेकिन शनिवार की देर शाम एफआईआर दर्ज हो गई है। प्रिंस राज श्रीवास्तव ने रांची पुलिस से अपील की है कि इन अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़कर कानूनी कार्यवाई की जाए। वीडियो और तस्वीरों मे आप देखा जा सकता है कि किस तरह बेखौफ अपराधियों ने राजधानी में बड़ी घटना को अंजाम देने का प्रयास किया।

नेताओं ने बताई रणनीति

मजबूती प्रदान की।

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में शुरू हुई वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता

शनिवार को हरमू रोड भारत माता

चौक स्थित एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में चार दिवसीय इंटरहाउस खेल-कृद प्रतियोगिता की शरुआत हुई। इस प्रतियोगिता में स्कूल के चार प्रमुख हाउस दामोदर हाउस, कोयल हाउस, शंख हाउस और स्वर्णरेखा हाउस के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर दोनों ग्रुप के स्टूडेंट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन संदीप मिश्रा ने किया। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेलकूद अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव अनुज हेम्ब्रम, निदेशक कुणाल कश्यप, प्राचार्य शदान आलम और हिमांशु दुबे ने बैलून उड़ाकर प्रतियोगिता की



शुरूआत की। उद्घाटन समारोह में बच्चों ने मार्च पास्ट, योगा और नृत्य का अद्भुत प्रदर्शन किया, जिसने उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा। इनमें दौड़, कूद, खो-खो, कबड़ी और अन्य पारंपरिक खेल शामिल हैं। प्रतियोगिता का समापन 24 दिसंबर को होगा। विजेता टीमों और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को

सम्मानित किया जाएगा।

समाचार सार

रुआम में विद्युत सब-स्टेशन का शिलान्यास

GHATSILA: पूर्वी सिंहभूम जिले के जादुगोड़ा के रुआम गांव में 12 करोड़ की लागत से विद्युत सब-स्टेशन बनाया जाएगा। इसका शिलान्यास



मंत्री रामदास सोरेन व सांसद बिद्युत बरण महतो ने किया।

शामिल हुए। क्विज मास्टर

की भूमिका गणित विभाग

जिससे रुआम क्षेत्र के 26 उद्योगों को विद्युत आपूर्ति होगी।

गणित दिवस पर घाटशिला कॉलेज में हुआ क्विज

GHATSILA: घाटशिला कॉलेज के गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस के पूर्व शनिवार को क्विज हुआ, जिसमें करीब एक सौ विद्यार्थी



निभाई। क्विज में प्रथम स्थान पर जसमी मुर्मू, सुलेखा गोराई व गोविंदा दास जाना रहे।

टोन्टो में हुई सर्वाइकल कैंसर व मोतियाबिंद की जांच

स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में शनिवार को

313, तपेदिक (टीबी) स्क्रीनिंग 117, मलेरिया स्क्रीनिंग 308, सिकल सेल स्क्रीनिंग 110, सामान्य ओपीडी 492, एनसीडी स्क्रीनिंग 147, परिवार नियोजन सेवा 298, आयुष्मान कार्ड पंजीकरण-128 सहित कुल 2043 लोग लाभान्वित हुए। शिविर में उपायुक्त कुलदीप चौधरी, चाईबासा वन प्रमंडल पदाधिकारी आदित्य रंजन, उपविकास आयक्त संदीप कुमार मीणा, सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो माझी भी उपस्थित रहे।

कमजोरी को कहो अलविदा : बीके मानिनि

CHAKRADHARPUR : प्रजापिता



विश्वविद्यालय, माउंट आबू (राजस्थान) की ओर से पाठशाला परिसर में प्रेरक वार्ता

जाने-अनजाने गंवा देते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि वर्ष समाप्ति की ओर है। अतः समय रहते अपनी कमी-कमजोरी को विदाई दे दें।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने गोपेश्वर को दी श्रद्धार्जिल

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने शनिवार को मजदूर



महामंत्री आरके सिंह के नेतृत्व में हुई श्रद्धांजलि सभा में महामंत्री ने कहा कि गोपेश्वर बाबू ट्रेड यूनियन

चलाने वालों के लिए आदर्श रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश विश्वकर्मा व धन्यवाद ज्ञापन एचएस सैनी ने किया।

संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में मना वार्षिक खेल दिवस

GHATSILA: संत नंदलाल स्मित विद्या मंदिर में शनिवार को वार्षिक

जिसमें पहली से 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने अपनी

मख्य अतिथि शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन व विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू का स्वागत किया। इस मौके पर शोभा गानेरीवाल. विद्यालय प्रबंधक डॉ. प्रसेनजीत कर्मकार, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य दीपक बजाज, निर्मल झुनझुनवाला, आनंद अग्रवाल, शिक्षक प्रभारी अनुप पटनायक आदि उपस्थित थे।

जंगल में एक घंटे तक लड़ते रहे दो हाथी

SERAIKELA: सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह प्रखंड के बागडी गांव में शक्रवार को दो हाथियों के बीच करीब एक घंटे तक



जबरदस्त लडाई हुई। इस संघर्ष को देखने के लिए आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। इस दौरान एक एकड़ में लगी फसल पूरी तरह बर्बाद

हो गई। लड़ाई लंबी खिंचती देख ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू किया,

होटवार जेल में बंद सोनू सिंह के नाम पर रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

देसी कट्टा व गोली के साथ पकड़ाया, आभूषण कारोबारी से पैसे मांगने में धराया

व्यापारियों से होटवार जेल में बंद सजायापता सोन् सिंह के नाम पर रंगदारी मांगने वाले परसुडीह निवासी बंटी गुहा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बंटी के पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, दो गोली, मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किया है। शनिवार को एसएसपी किशोर कौशल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बीते 19 दिसंबर को कदमा के एक आभूषण व्यापारी से रंगदारी की मांग की गई थी। इस संबंध में कदमा थाना में शिकायत की गई थी। शिकायत के बाद छापेमारी टीम का गठन किया गया था। पुलिस ने शनिवार को कदमा में रामजनम नगर के पास छापेमारी की और बंटी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के क्रम में बंटी के

PHOTON NEWS CHAIBASA:

कोल्हान में नक्सल प्रभावित

इलाकों की स्थिति और नक्सल

विरोधी अभियान की समीक्षा को

लेकर पश्चिम सिंहभूम जिला

मुख्यालय, चाईबासा में शनिवार

को डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बैठक

की। इसमें सीआरपीएफ के डीजी

अनीश दयाल सिंह के अलावा

कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिले

पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम व



मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल व गिरफ्त में आरोपी

20 कारोबारियों की बना रखी थी सची

एसएसपी ने बताया कि बंटी के पास से पुलिस ने एक लिस्ट बरामद की है जिसमें 20 कारोबारियों का नाम है। इनसे रंगदारी की मांग की जानी थी। बंटी पूर्व में शहर के कई थानों से जेल जा चुका है। फिलहाल आरोपी को जेल भेज

गया। पूछताछ में बंटी ने बताया कि वह जेल में बंद सोन सिंह के नाम से कारोबारियों को फोन कर

झारखंड में तेज होगा नक्सल विरोधी

ऑपरेशन, बनाई जा रही रणनीति

नक्सलवाद के खात्मे को लेकर डीजीपी ने की समीक्षा बैठक

चाईबासा में बैठक करते डीजीपी अनुराग गुप्ता

प्रतिशत नक्सलवाद की समस्या

है। सूत्रों के मुताबिक अब पश्चिम

जाए। हालांकि, इसमें कामयाब

रंगदारी मांगता था। कई कारोबारियों ने उसे रंगदारी भी

आलोक हत्याकांड का छढा आरोपी गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : कदमा थाना अंतर्गत शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर–४ के पास 18 दिसंबर सुबह बाइक सवार अपराधियों ने आलोक भगत उर्फ आलोक मन्ना की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने शुक्रवार को ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार जेल भेजा था। इधर, मामले में फरार चल रहे छठे आरोपी मोहित सिंह को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आलोक की हत्या के बाद से ही मोहित फरार चल रहा था। पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों में भाजपा कार्यकर्ता विकास सिंह साजिशकर्ता आकाश सिंह उर्फ छोटू बच्चा, विशाल कुमार उर्फ भीखे बाबा, पंकज साव उर्फ बँच्चा और शक्ति विभर शामिल थे। आलोक की हत्या वर्चस्व को लेकर की गई थी। आकाश और आलोक के बीच काफी दिनों से विवाद चला आ रहा था। काली पूजा विसर्जन के दिन भी दोनों के बीच झड़प हुई थी। इसी के बाद आकाश ने आलोक की हत्या की योजना बनाई थी। आरोपी विकास सिंह और शक्ति ने आलोक की रेकी शुरू की थी। घटना के

बालु लदे दो ट्रैक्टर व

टॉली जब्त

GOILKERA: गोइलकेरा में शनिवार

तड़के प्रशासन ने छापेमारी कर अवैध

बालू लदे दो ट्रैक्टर व ट्रॉली जब्त किया है। गुप्त सूचना के आधार पर अंचलाधिकारी

सह प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक

कुमार और थाना प्रभारी कमलेश राय ने गोइलकेरा–मनोहरपुर मार्ग

महादेवशाल के पास छापेमारी की। जहां

कोयल नदी से बालू लेकर आ रहे दो

ट्रैक्टरों को रोककर जांच की गई। पुलिस

पुलिस ने बालू लदा डंपर

पकड़ा, जांच जारी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले

के किरीबुरु थाना की पुलिस ने थाना

प्रभारी मुनाजिर हसन के नेतृत्व में

शनिवार को वाहन जांच अभियान

चलाया, जिसमें टीआर गेट के समीप

बालू लदा संदिग्ध डंपर जब्त किया गया।

विभाग के पदाधिकारियों को दी है।

देख ट्रैक्टर चालक भाग खड़े हुए।



दिन सभी ने आलोक को रोका। आकाश ने पहली गोली चलाई जो आलोक को लगी और आलोक सडक पर गिरकर घायल हो गया। आलोक ने खुद को संभाला और पास ही एक घर में जा घसा। विशाल और पंकज ने आलोक का पीछा किया और घर में घुसकर उसे फिर से गोली मारी। सभी गॅली के अंदर से होते हुए मौके से फरार जो गए।

भाई ने 6 लोगों पर दर्ज कराई थी एफआईआर : इधर, घटना के बाद मृतक के भाई मनोज भगत ने छह लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हए कदम थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मनोज ने आकाश सिंह उर्फ छोटू बच्चा, मोहित सिंह, राजन सिंह, विकास सिंह, मनीष पांडेय और सुमित सिंह पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

JAMSHEDPUR : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र की टीचर्स कॉलोनी में असामाजिक तत्वों ने एक बडी घटना को अंजाम दिया। श्यामनाथ मखी की हंडई कार को शनिवार रात आग के हवाले कर दिया गया। घटना के समय कार रोज की तरह टीचर्स कॉलोनी के पास खडी थी। रात के समय स्थानीय लोगों ने कार में लगी आग को देखा और तुरंत इसकी जानकारी श्यामनाथ मुखी को दी। सूचना पाकर श्यामनाथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, आग इतनी तेज थी कि कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पीड़ित ने सीतारामडेरा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सीताराम डेरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आश्वासन दिया है

कि दोषियों की पहचान कर जल्द

ही कार्रवाई की जाएगी।

असामाजिक तत्वों ने

कार में लगाई आग

आरपीएफ ने सीसीटीवी फुटेज से ३ मोबाइल चोर को पकड़ा



पुलिस गिरफ्त में आरोपी

• फोटोन न्यज

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर फ्लाइंग स्क्वायड ने शनिवार को मोबाइल चोर गिरोह के 3 सदस्यों को टाटानगर स्टेशन से पकड़ा। एक यात्री का मोबाइल चोरी करने जो तीनपहाड़, साहिबगंज के रहने

फोन की अनुमानित कीमत 2,67,000 रुपये है। सभी को रेल थाना टाटानगर के सुपूर्द कर दिया आरपीएफ सूत्रों का कहना है कि स्टेशन पर सीसीटीवी का परीक्षण

वाले हैं। जब्त किए गए मोबाइल

सिंहभूम के कोल्हान, सारंडा और की लड़ाई जंगलों में कर सकते हैं। सरायकेला-खरसावां के पुलिस बताया जा रहा है कि यह वाहन ओडिशा पदाधिकारी शामिल थे। पोड़ाहाट के इलाकों में नक्सल पश्चिम सिंहभूम के ही जंगलों में के आरोप में इन्हें सीसीटीवी फुटेज से बालू लेकर किरीबुरु आ रहा था, बैठक में नक्सलियों के खिलाफ विरोधी अभियान और तेज होगा। नक्सिलयों के बड़े नेता छिपे हैं। जबिक डंपर चालक ने पुलिस को जो से पकड़ा गया। तलाशी के दौरान चालान दिखाया, उसके अनुसार नक्सल विरोधी अभियान को और पुलिस की यह भी कोशिश है की पुलिस की कोशिश है की इन उनके पास से 6 मोबाइल फोन के दौरान 3 लोग संदिग्ध गतिविधि ओडिशा के बड़बिल क्षेत्र में ही बालू ले तेज करने पर एक विशेष गुप्त नक्सलियों को सरकार की सरेंडर नक्सली नेताओं को खत्म कर मिले। पकड़े गए आरोपियों में करते दिखे। इन्हें प्लेटफार्म से जाने का परमिट था। इसके बाद नक्सलवाद की जड को झारखंड विष्णु कुमार महतो, अरविंद कुमार रणनीति बनाई गई है। बता दें कि पालिसी से लाभान्वित कर उन्हें पकड़ा गया। इन्होंने पहली बार किरीबुरु पुलिस ने मामले की जानकारी टाटानगर स्टेशन से मोबाइल फोन झारखंड में अब पश्चिमी सिंहभूम समाज की मुख्यधारा में लाया और पश्चिमी सिंहभूम से खत्म कर महतो व विशाल कुमार महतो हैं, अपने उच्च अधिकारियों के अलावे खनन

चैनपुर में दिया जा रहा हो शीतकालीन छुट्टियां रह होने व वेतन भुगतान भाषा का ज्ञान व प्रशिक्षण में देरी के कारण शिक्षकों में भारी आक्रोश

• फोटोन न्यूज

नहीं होने पर इस बार सुरक्षाबल के

जवान नक्सलियों के साथ आरपार



प्रशिक्षण में शामिल प्रखंडों के साधन सेवी

CHAKRADHARPUR झारखंड शिक्षा परियोजना (समग्र शिक्षा), पश्चिमी सिंहभूम द्वारा जिले के डायट सेंटर चैनपुर में शनिवार को 'पलाश' कार्यक्रम शरू किया गया। इसमें जिले के सभी साधन सेवियों (सीआरपी-बीआरपी) का तीन दिवसीय गैर आवासीय बहुभाषी शिक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें जिले के हो बहुल 305 विद्यालयों के 96

साधन सेवियों और प्रखंड पदाधिकारियों (बीआरपी) को शामिल किया गया है। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों को मातभाषा आधारित शिक्षा प्रदान करने का प्रावधान किया गया। इसी निमित्त शिक्षक-शिक्षिकाओं के अलावा शिक्षा से जुड़े हितधारकों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है।

PHOTON NEWS JSR:

झारखंड यूनियन ऑफ सेकेंडरी टीचर्स (जेयुएसटी), पूर्वी सिंहभूम के सदस्यों ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से मलाकात कर शिक्षकों की समस्याओं को लेकर चर्चा की। मंत्री को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित करने के बाद संघ के सदस्यों ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। सदस्यों ने बताया कि कुछ जिलों में जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा 26 दिसंबर से 1 जनवरी तक की शीतकालीन छुट्टियों को रद्द करने का आदेश जारी किया गया है, जो शिक्षकों के लिए अनुचित और अन्यायपूर्ण है। संघ का कहना है कि साल की शुरूआत में जारी किए गए विभागीय कैलेंडर के अनुसार छुट्टियों को रद्द करना



शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन का स्वागत करते शिक्षक

• फोटोन न्यूज

वेतन भुगतान में विलंब से नाराजगी संघ ने मंत्री को अवगत कराया कि झारखंड सरकार के वित्त विभाग ने क्रिसमस से पहले कर्मचारियों का वेतन भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इसके

बावजूद, आवंटन की कमी के चलते कई शिक्षकों को अब तक वेतन नहीं मिला है। यह स्थिति शिक्षकों के आर्थिक संकट को और बढ़ा रही है। शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों को शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

तुगलकी फरमान जैसा है। शिक्षकों साथ बिताने का मौका देता है, ने कहा, कि यह समय हमें अपने लेकिन इस तरह के आदेश से परिवार और बुजुर्ग माता-पिता के

GHATSILA: आरडीए संस्था द्वारा संचालित बाल संघ, युवा संघ और शिक्षा सहायता केंद्र द्वारा शनिवार स्कली शिक्षा और साक्षरता एवं निबंधन विभाग के मंत्री रामदास सोरेन को पौधा और शॉल देकर सम्मानित किया। इस दौरान सभी ने मांग पत्र सौंपा, जिसमें राज्य के सभी विद्यालय में पूर्व की भांति सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक कक्षा का संचालन करने और दामपड़ा क्षेत्र के 7 पंचायत अंतर्गत सभी सरकारी विद्यालय में विषयवार खाली पड़े शिक्षक की नियुक्ति करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि तारामनी स्मारक उच्च विद्यालय प्लस ट्र में विज्ञान और कला की पढ़ाई कें साथ साथ वाणिज्य संकाय में भी पढ़ाई शुरू की जाए। वहीं बिरहोरों को प्रमाण पत्र दिया जाए।

सरकारी स्कूलों में रिक्त शिक्षकों

का पद भरने की मांग

देख सकेंगे 41 प्रजातियों की तितलियां, अलग से बना प्रजनन क्षेत्र

टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में खुला नवनिर्मित बटरफ्लाई हाउस

PHOTON NEWS JSR:

टाटा स्टील जुलॉजिकल पार्क में शनिवार को नवनिर्मित बटरफ्लाई हाउस का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वीपी-सीएस चाणक्य चौधरी उपस्थित थे। इसके साथ ही इस बटरफ्लाई हाउस को आम जनता के लिए खोल दिया गया।

बताया गया कि लगभग 1.76 करोड़ की लागत से निर्मित यह बटरफ्लाई हाउस 8 महीने में तैयार हुआ है। इसमें एक एजुकेशन सेंटर, तितलियों को देखने के लिए विशेष क्षेत्र, और तितलियों के प्रजनन का विशेष क्षेत्र शामिल है। इस हाउस में 41 विभिन्न प्रजातियों की तितलियों को प्रदर्शित किया गया है। चाणक्य चौधरी ने बताया कि पार्क का जीर्णोद्धार नए सिरे से किया जा रहा है। तितली घर को



आधुनिक तकनीकों से लैस किया जानवरों और पक्षियों को यहां गया है। तापमान नियंत्रित करने के लाया जा रहा है। इसी कड़ी में उपकरण और तितलियों की तितली घर का निर्माण एक देखभाल के लिए प्रशिक्षित महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रयास का कर्मचारी भी तैनात किए गए हैं। उद्देश्य न केवल तितलियों की चाणक्य चौधरी ने जानकारी दी कि संख्या बढ़ाना है, बल्कि प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण के प्रति हर माह एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत देश के अन्य चिड़ियाघरों से जागरूकता भी फैलाना है।

दोराबनी पार्क में खुला रोज गार्डेन, लगे १५०० पौधे

टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट, कॉरपोरेट सर्विसेज चाणक्य चौधरी ने शनिवार को सर दोराबजी पार्क के समीप विकसित नए रोज गार्डेन का उद्घाटन किया गया। यह गार्डेन 6,000 वर्ग मीटर में फैला हुआ है और इसमें 1,500 से अधिक गुलाब के पौधे शामिल हैं, जो पांच प्रमुख समूहों हाइब्रिड टी (एचटी) गुलाब, फ्लोरीबुंडा, ग्रैंडिफ्लोरा, मिनिएचर और पॉलीऐंथस से संबंधित हैं। उद्घाटन समारोह में टाटा स्टील युआईएसएल के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा, रुचि नरेंदरन, टाटा स्टील और टाटा स्टील युआईएसएल के वरिष्ठ अधिकारी और जमशेदपुर हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के सदस्य



पार्क का उद्घाटन करते टाटा स्टील के वीपी-सीएस चाणक्य चौधरी

उपस्थित थे। रोज गार्डेन को जमशेदपुर के परिदृश्य में एक आकर्षक और शांतिपूर्ण जोड़ के रूप में देखा गया है। गुलाबों का यह शानदार संग्रह प्राकृतिक सौंदर्य और सुगंध का एक रंगीन और अद्भृत अनुभव प्रदान करता है, जो शहर की हरियाली और जैव

विविधता को और मजबूती देता है। यह पहल जमशेदपुर में जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए स्थिरता, सौंदर्य और सामुदायिक सहभागिता को समाहित करने वाले शहरी विकास परियोजनाओं के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को

आज से २६ तक प्रभावित रहेगा कई यात्री ट्रेनों का परिचालन

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर व आद्रा रेल मंडल में चार स्थानों पर रेलवे लाइन पर विकास योजना को लेकर ब्लॉक होने के कारण डेढ़ दर्जन ट्रेनों का परिचालन 22 से 26 दिसंबर तक प्रभावित रहेगा। इसमें चक्रधरपुर रेल मंडल के सोनुवा फुट ओवरब्रिज और लोटापहाड़, चक्रधरपुर में अंडरपास निर्माण कार्य के कारण 24 दिसंबर को टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस, टाटानगर-राउरकेला लोकल और हावड़ा-कांटाबाजी इस्पात एक्सप्रेस अप व डाउन में रद्द रहेगी। कांड्रा और चांडिल के बीच रेलवे लाइन ब्लॉक होने के कारण 22 दिसंबर को टाटानगर-आसनसोल एक्सप्रेस, टाटानगर-आसनसोल लोकल और टाटानगर-बरकाकाना पैसेंजर का परिचालन बंद रहेगा। 23 और 26

दिसंबर को झाड़ग्राम-पुरुलिया मेमू ट्रेन अपडाउन में रद्द रहेगी। दुसरी तरफ आद्रा रेल मंडल में ब्लॉक होने के कारण 26 दिसंबर को रांची-हावड़ा इंटरिसटी और 27 दिसंबर को टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस बदले मार्ग से (चांडिल से पुरुलिया के बदले मुरी होकर) चलेगी। लाइन ब्लॉक के दौरान 22, 23 और 26 दिसंबर को धनबाद-टाटानगर एक्सप्रेस आद्रा तक चलेगी। आसनसोल मेमू ट्रेन 23 एवं 26 दिसंबर को टाटानगर नहीं आकर पुरुलिया स्टेशन से अप-डाउन करेगी। बताया जाता है कि, चक्रधरपुर रेल मंडल में ब्लॉक के कारण पुणे-संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस, नांदेड़-संतरागाछी एक्सप्रेस और हावड़ा मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस को समय बदलकर चलाने की योजना है।

गंगा में समाया अग्निशमन वाहन, सिपाही की हुई मौत

ब्रेक फेल होने से हुआ हादसा, शव मिला, क्रेन से निकाला गया वाहन

PHOTON NEWS RAJMAHAL: साहिबगंज जिला के राजमहल फेरी घाट पर शनिवार सुबह पानी भरने आया अग्निशमन वाहन गंगा में समा गया। इससे उसमें सवार सिपाही अरुण कमार भी गंगा में डब गए। वह पलाम् जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। बताया जाता है कि राजमहल थाना क्षेत्र के मंगलहाट में एक जगह आग लग गई थी। सूचना मिलने पर राजमहल से अग्निशमन वाहन को भेजा गया था। आग बुझाने के बाद कर्मी वाहन लेकर लौट रहे थे। इसी क्रम में पानी भरने के लिए कर्मी फेरी घाट पर पहुंचे। चालक बैक कर वाहन को नदी किनारे ले जाने की कोशिश कर रहा था, तभी ब्रेक फेल हो गया। चालक वाहन से कद गया, जबकि उसमें सवार सिपाही अरुण कुमार



डूब गया। घटना की सूचना मिलने मिलने पर एसडीओ कपिल कुमार, बीडीओ सह सीओ मो युसूफ, के बाद उसे देखने के लिए वहां भीड़ उमड़ पड़ी। बाद में क्रेन की पुलिस निरीक्षक श्यामलाल हांसदा, मदद से वाहन को निकाला गया। घाट प्रबंधक अभिषेक कमार. बताया जाता है कि गाडी जब घटना अग्निशमन विभाग के कर्मी लुढ़कने लगी, तब लोगों ने उसे मो सजलीम, अवनीश कुमार आदि रोकने के लिए पत्थर व लोहे का पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद

साथ गंगा में समाए अरुण कुमार पलाम जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के रहनेवाले थे। 2017 में बहाल हुए थे। पत्नी व बच्चों के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक से की गई लूटपाट सीसीटीवी में हुआ कैद



क्षेत्र अंतर्गत चर्च रोड में शनिवार को मॉर्निंग वॉक पर निकले एक युवक से लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया। दो बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। युवक से मारपीट करते हुए सोने का लॉकेट, मोबाइल फोन एवं १११८० रूपए लूट कर फरार हो गये। पीड़ित बेलवाटीकर निवासी कुंदन कुमार ने इस संबंध में शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है। पुलिस लुटेरों की जांच में जुटी हुई है। जॉनकारी के अनुसार कुंदन कुमार मॉर्निंग वॉक पर निकला हुआ था। डा . आरपी सिन्हा की क्लीनिक से होते हुए चर्च रोड से गुजर

रहा था। इसी कम में पीछे से दो बदमाश आए और उसे पकड़ लिया। लूटपाट करते हुए जमकर मारपीट की, जिससे उसके होट में तीन टांके लगे हैं। इलाज कराने के बाद इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया। कंदन ने बताया है कि घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि दिए गए आवेदन के आलोक में सीसीटीवी फुटेज के आधार

गढ़वा में बच्चों से भरी बस पलटी एक की मौत, दो दर्जन हुए घायल



घटनास्थल पर जुटी भीड़

पतहरिया

नगर निगम के कचरे में

PALAMU: मेदिनीनगर नगर

निगम के डंप कचरे में शनिवार को

नवजात का शव मिला। उसे कुछ

कत्ते नोच रहे थे। स्थानीय लोगों की नजर उस पर पड़ी। लोगों ने तत्परता दिखाकर इसकी जानकारी

नगर निगम के कम्प्यटर ऑपरेटर

नीरज कुमार को दी। नीरज ने

सफाईकर्मी संतोष कुमार के

माध्यम से बच्चे के शव को कचरे

सूचना मिलते ही पुलिस

पोस्टमार्टम के लिए शव को

एमआरएमसीएच ले गयी। नवजात

का शव मिलने से मुहल्ले में

सनसनी फैल गयी है। इस संबंध में

पुलिस युडी केस दर्ज कर

अनुसंधान कर रही है। मिली

जानकारी के अनुसार शास्त्रीनगर

में अमरनाथ जायसवाल के घर के

सामने आसपास के लोग कचरा

फेंकते हैं। उसी कचरे के ढेर में

नवजात का शव देखा गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार

सुबह में कचरे में नवजात का शव

मिला नवजात का शव

AGENCY PALAMU: पलाम् प्रमंडल प्रमंडल अंतर्गत गढवा जिले के मेराल थाना क्षेत्र के संगवरिया गांव में शनिवार को बच्चों से भरी एक स्कूल बस पलट गई। दुर्घटना में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि करीब 24 बच्चे घायल हो गए। दुर्घटना में वर्ग आठ का छात्र राजू कुमार पाल (13), पिता रामप्रवेश पाल

जबिक घायल विद्यार्थियों का इलाज मेराल सीएचसी में किया गया। चार विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल में भेज दिया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि घायल बच्चों का प्राथमिक उपचार किया गया है। सभी खतरे से बाहर हैं। उन्हें सीटी स्कैन तथा

खेत में मौजूद पुलिसकर्मी

HAZARIBAG : हजारीबाग

जिला के कटकमसांडी थाना अंतर्गत

ग्राम गुरुडीह में सुराही टोंगरी नाला

में पुलिस निरीक्षक पेलावल एवं वन

विभाग ने संयुक्त छापामारी कर

करीब 3.88 एकड़ जंगली जमीन में

अफीम (पोस्ता) की खेती नष्ट

किया। अफीम की खेती के खिलाफ

जिले भर में बड़ा अभियान चलाया

गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से

तस्करों के मंसूबों को बड़ा झटका

लगा है। एसपी अरविंद कमार सिंह

पलामू में खनन विभाग की टीम

घटनास्थल पर ही हो गयी,

बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा के लिए रेफर किया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास गांव के बड़ी संख्या में ग्रामीण तथा बीडीओ सतीश भगत, थाना प्रभारी विष्णकांत दलबल के साथ पहुंचकर घायलों को अस्पताल भेजवाया तथा आक्रोशित लोगों को समझा

• फोटोन न्यूज

ने बताया कि कटकमसांडी के

थी। खेत में अफीम के छोटे-छोटे

पौधे उग आए थे। पुलिस अधीक्षक

ने कहा कि अफीम की खेती के

खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा अफीम

की खेती करने वाले लोगों को भी

चिह्नित करने का कार्य किया जा रहा

है। ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी

3.88 एकड़ में लगी अफीम

की खेती को किया गया नष्ट

BRIEF NEWS

झारखंड महोत्सव में शास्त्रीय संगीतज्ञों ने बांधा समां

JAMSHEDPUR: स्वरांजलि, दिल्ली द्वारा 21-22 दिसंबर को



दोदिवसीय झारखंड महोत्सव के इवनिंग क्लब के प्रेक्षागृह में

जाकिर हुसैन को श्रद्धांजिल दी गई। इसी क्रम में कोलकाता से आए मल्लार रक्षित ने सरोद वादन में राग झिंझोटी में रूपक व तीन ताल में बंदिशें और अंत में झाला बजाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। तबले पर प्रदीप भट्टाचार्य ने संगत किया। दिल्ली से आए गायक संकुमय देवनाथ ने राग बागेश्वरी में बंदिशें गाकर दिल जीत लिया। इनके साथ हारमोनियम पर अनिल सिंह व तबले पर स्वरूप मोइत्रा ने संगत किया। कार्यक्रम के आरंभ में बीरेंद्र उपाध्याय के शिष्यों द्वारा गीता पाठ व भगवती वंदना

डॉ. अजय की बनाई नकली फेसबुक आईडी

JAMSHEDPUR: पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय



कुमार ने शनिवार को प्रेस बयान जारी उनके नाम से नकली फेसबुक आईडी बनाकर कॉल करने वाले व्यक्ति से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति मेरे (डॉ. अजय कुमार) का फोटो लगाकर फेसबुक पर नकली आईडी बनाकर कई लोगों को लगातार

कॉल कर उनसे पुराने फर्नीचर बेचने की बात कर रहा है, जिसकी शिकायत मझे लोगों से मिली है।

कला से पहचान बनाने वाले कलाकार जुटे

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित कलामंदिर परिसर में शनिवार को



बिपोनी (कलामंदिर सक्षम एसएचजी फेडरेशन) द्वारा हितधारकों की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय कला रूपों के 40 प्रतिभाशाली शामिल थे। इन्होंने बिपोनी के उद्यमशीलता से पहचान स्थापित की है। यह

आयोजन समुदायों में स्वतंत्रता और पहचान को बढ़ावा देने के लिए किया गया। संस्थापक सचिव सह मेंटर अमिताभ घोष ने बताया कि यह बैठक क्षेत्रीय कारीगरों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण कदम है।

क्रिसमस के रंग में सराबोर हुए किडजी के छात्र

GHATSILA: गोपालपुर स्थित किडजी प्री-स्कूल में शनिवार को

क्रिसमस तथा सफेद रंग दिवस मनाया गया। सभी बच्चे सफेद रंग के पोशाक में आए थे। स्कल की संचालक रश्मि सिंह ने बच्चों को क्रिसमस की शुभकामना दी तथा सफेद रंग के महत्व के

बारे में बताया। सांताक्लॉज ने बच्चों को चॉकलेट व बैलून उपहार में दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल की कनक लता, इंद्राणी राय, लिली बोस, सिमरत कौर, सुजाता मजूमदार आदि सक्रिय रहे।

7 कर्मियों को मिला अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

JAMSHEDPUR: नई दिल्ली में शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैषण्व ने टाटानगर के एरिया मैनेजर रहे विकास कुमार समेत 7 रेल कर्मी-अधिकारी को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया। इसमें वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास कुमार के अलावा मंडल के सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर अक्षय कुमार नायक, वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर (पीवे) गोपबंधु सेठी , लोको पायलट पैसेंजर/मोटरमैन (इलेक्ट्रिकल) कमलेश रे, जूनियर इंजीनियर (वर्कशॉप) रामचंद्र पात्रा, जनियर इंजीनियर (सिग्नल) अभिषेक कुमार व कार्यालय अधीक्षक (बैडमिंटन खिलाड़ी) मिथुन मंजूनाथ शामिल हैं।

चाईबासा व चक्रधरपुर में लगी लोक अदालत

CHAIBASA : झालसा के निदेशीनुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के तत्वावधान में चाईबासा सिविल कोर्ट परिसर और चक्रधरपुर अनुमंडल न्यायालय में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान चाईबासा तथा चक्रधरपुर के न्यायालयों में 12 न्यायपीठों का गठन किया गया था। इसमें 23 मुद्दों का निष्पादन किया गया, जिससे 16750 की राशि का समायोजन हुआ।

पत्रकार के निधन पर शोक

HAZARIBAG : जिला के एक दैनिक अखबार के पत्रकार प्रकाश पांडेय की मौत शनिवार को रांची में एक निजी अस्पताल में ईलाज के दौरान हो गई। वह पिछले कई दिनों से बीमार थे। इनके निधन पर जिला के पत्रकारों ने शोक संवेदना प्रकट किया है। शोक व्यक्त करने वालो में कृष्णा गुप्ता, श्रीकांत सिंह, संजय लाल विश्वकर्मा सिंहत कई पत्रकार शामिल थे।

ग्राहक बन जेवर दुकान में पहुंचे दंपती देखते ही गायब कर दी सोने की चेन

रामगढ़ शहर में चोरों का एक गिरोह बड़े ही शातिर तरीके से चोरी कर रहा है। कहीं गाड़ी का शीशा तोड़कर लाखों रुपए उड़ा लिया जा रहा है, तो कहीं ग्राहक बनकर लोग जेवर गायब कर दे रहे हैं। रामगढ़ शहर के मेन रोड स्थित डीपी संस एंड ज्वेलर्स दुकान में भी ग्राहक बनकर आए एक दम्पति ने लाखों रुपए का सोने का चेन गायब कर दिया।

उन्होंने इस वारदात को इतने शातिर तरीके से अंजाम दिया कि ना तो दुकान के संचालक और ना ही सेल्समैन को इसकी भनक लगी। दंपति जब दुकान से निकल गया और सोने की चेन रखने के लिए सेल्समैन अपना हिसाब मिलाने लगा, तो पता चला कि एक चेन

मंईयां योजना में 2500 रुपये की

प्रथम किस्त 28 को होगी जारी

समाहरणालय में बैठक करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय

झारखंड

HAZARIBAG :

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के

लाभुकों को 2500 रुपये की प्रथम

किस्त का भुगतान 28 दिसंबर को

होगा। इसके लिए रांची के नामकुम

स्थित खोजाटोली आर्मी ट्रेनिंग

ग्राउंड में राज्य स्तरीय कार्यक्रम

होगा। इसे लेकर उपायुक्त नैन्सी

सहाय की अध्यक्षता में शनिवार को

बैठक हुई। इसमें उपायुक्त ने बताया

कि कार्यक्रम में इस योजना के

10,000 लाभुकों को हजारीबाग

जिला से कार्यक्रम स्थल, नामकुम,

रांची ले जाना है। उन्होंने इन

लाभुकों के लिए प्रर्याप्त बस,

प्रखंडवार लाभुकों की सूची सहित



दीप चंद्र प्रसाद ने रामगढ़ थाने में शनिवार को सूचना दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को एक दंपती उनकी दुकान में सोने की चेन खरीदने के लिए ग्राहक बनकर आया था। उन लोगों ने सेल्समैन का ध्यान भटकाया और चुपके से एक चेन उस व्यक्ति ने

• फोटोन न्यूज

इनके भोजन आदि की व्यवस्था को

सुनिश्चित करने के संबंध में

अधिकारियों को निर्देश दिए। इस

कार्यक्रम के लिए जिलास्तर पर

एक टीम गठित की गई, जिसमें

उपविकास आयुक्त इश्तियाक

अहमद, सहायक समाहर्ता लोकेश

बारंगे. जिला योजना पदाधिकारी

पंकज कमार तिवारी, जिला समाज

कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा,

नजारत उप समाहर्ता प्रदीप कमार.

सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा

निवेदिता राय, जिला कार्यक्रम

प्रबंधक, जेएसएलपीएस तथा जिला

परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग के

प्रतिनिधि को शामिल किया गया है।

दंपती का वीडियो और फोटो भी उपलब्ध कराया गया है। रामगढ़ पुलिस अब उस दंपती की तलाश वाहन मालिकों ने की

सफाई से उस चेन को छिपा लिया।

यह सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में

भी कैद हुई है। पुलिस को उस

सांकेतिक हड़ताल



CHATRA : टंडवा के आम्रपाली के वाहन मालिकों ने शनिवार को अपने-अपने वाहन खडा कर सांकेतिक हडताल किया। वाहन मालिक अपने तीन सूत्री मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। इनमें मुख्य रूप से डीएमओ के समय में बढोतरी करने, पच्चीस हजार टन से कम का कोयले का उढाव ट्रक से करने एवं डम्प की सुदृढ़ व्यवस्था करने की मांग शामिल हैं। पूर्व में ही वाहन मालिकों ने अपने मांगो के समर्थन में आंदोलन की चेतावनी दी थी। लेकिन मांग पर पहल नहीं होने से वाहन मालिक संघ ने आम्रपाली में कोयला ढ्लाई में अपने-अपने वाहन नहीं लगाया। वाहन मालिकों की एक बैठक बेरियर के समीप हुई। जिसमें सर्वसम्मति से मांगों के समर्थम में वहद आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। संघ ने कहा कि वाहन मालिकों की सबसे बडी समस्या डीएमओ का समय नहीं



जिले के पाटन थाना क्षेत्र के जिंजोई नदी पर शुक्रवार की रात करीब 11 बजे अवैध बालू का उठाव पर रोक लगाने पहुंची खनन विभाग की टीम पर बालू माफिया ने हमला कर दिया। इस घटना में खान निरीक्षक शुभम कुमार सहित पूरी टीम बाल-बाल बच गई। रात में ही पाटन थाना से अतिरिक्त बल पहुंचने के बाद हमलावर भागे। छापेमारी दल ने मौके से अवैध बालू लदा एक टैक्टर सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनसार, स्थानीय लोगों ने रात करीब 11 बजे नदी के तट पर अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टरों को जब्त कर खनन विभाग को सूचना दी थी। इसके आलोक में खान

पर बालू माफिया ने किया हमला एक ट्रैक्टर अवैध बालू जब्त, एक आरोपी हिरासत में

मौके पर मौजूद पुलिस टीम

• फोटोन न्यूज

निरीक्षक शुभम कुमार के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंचकर जैसे ही जब्ती की कार्रवाई शुरू की, तभी दर्जनों लोगों ने टीम पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इससे पहले कि टीम कुछ समझती हमलावर की शह पर दो ट्रैक्टर चालक अपने वाहन लेकर भागने में सफल हो गए। बाद में छापेमारी दल ने भी हमलावरों के

वियद्ध जवाबी कार्रवाई शरू कर दिया। इस बीच पाटन थाना से अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचने पर सभी हमलावर अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

कार की चपेट में

कैंया रुस्या बैठ्या हो बोलो जी... जैसे भजनों पर झूमे श्रद्धालु

जमशेदपुर के सोनारी में श्री श्याम सेवा संघ की निशान यात्रा में उमड़े भक्त, गूंजे श्याम बाबा के जयकारे

PHOTON NEWS JSR:

श्री श्याम सेवा संघ, सोनारी द्धारा शनिवार को 22 वां श्याम महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। भजनों की अमृतवर्षा प्रवेश शर्मा (बीकानेर) ने कैंया रुस्या बैठ्या हो बोलो जी कुछ बोलो जी...., एक दिन तो आएगा मेरा खाटू वाला यही सोच मैंने खुद को सम्हाला..., श्याम तेरे भक्तों को तेरा ही सहारा हैं..., बाबा थारी चाकरी भी ठाकरी सी लागे जी.... एवं जयंत ब्यास (कोलकात्ता) ने किसी की माझी किसी का साथी और किसी का सहारा है..., जख्म जो भी मेरे श्याम तुम ही भरो..., कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो हैं..., दीनानाथ मेरी बात छानी कोनी तेरे से..., कभी रूठना ना मुझ से श्री श्याम सांवारे... आदि भजनों की प्रसतुति देकर बाबा के दरबार में अपनी हाजिरी लगायी। कलाकारों के भजनों पर



निशान यात्रा में झूमते श्याम भक्त व कलाकार

श्रोता भाव विभोर हो उठे और जमकर तालियां बजाकर बाबा श्याम को रिझाया। देर रात 2 बजे श्याम प्रेमियों द्वारा बाबा को नाचते रिझाते गजरा महोत्सव तथा शंख घड़ियाल द्वारा बाबा की सामृहिक आरती के बाद छप्पन भोग बितरण के साथ महोत्सव संपन्न हुआ। यह धार्मिक कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष अशोक दीवान के नेतृत्व

में दो चरणों में संपन्न हुआ।

• फोटोन न्यूज शनिवार को सोनारी श्याममय रहा। प्रथम चरण में दोपहर 01.30 बजे

से सोनारी रांम मंदिर से विभिन्न मार्ग होते हुए कारमेल जुनियर कॉलेज के पीछे मैदान (महोत्सव स्थल) तक लगभग चार किलोमीटर लंबी निशान यात्रा निकली, जिसमें 801 श्याम प्रेमी निशान लिए बाबा श्याम का जयकारा लगाते और भजन गाते हुए चल रहे थे। निशान शोभा

यात्रा में कई गणमान्य शामिल होकर बाबा श्याम से आशीर्वाद मांगा। इससे पहले राम मंदिर में निशान की पूजा मुख्य यजमान गजानंद भालोटिया व प्रदीप चुड़ीवाला ने की। पं. विपिन पांडेय ने पूजा-अर्चना कराई। शोभा यात्रा में सबसे आगे एक घोड़ा पर सवार बाबा श्याम का रूप धरा कलाकार और उसके पीछे खुले वाहन पर सजा बाबा श्याम का दरबार के साथ भक्त चल रहे थे।

रात्रि कीर्तन में स्थानीय कलाकार महावीर अग्रवाल ने गणेश वंदना मेरे लाडले गणेश प्यारे प्यारे... से रात में भजन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने चल खाटू के धाम पता नहीं क्या तुझे मिल जाए...., मेरी झोपडी के भाग आज खुल जायेंगे श्याम आयेंगे..., कभी रूठना ना मुझ से श्री श्याम सांवारे... आदि भजनों की शानदार प्रस्तुति दी।

निशान यात्रा में शामिल भक्तों की सेवा

निशान यात्रा में शामिल भक्तों की मार्ग में चाय, पानी, जूस, कोल्डड्रिंक्स आदि की सेवा क्रमश : स्वर्गीय बाबुलाल अग्रवाल के निवास स्थान के पास, भायली महिला मण्डल, झारखंड युवा सांस्कृतिक मंच, भाजपा के महेश शर्मा, सुरेश अग्रवाल, नर्स क्वाटर चौक में साबु परिवार, नरेडी परिवार कागलनगर, मदन लाल अग्रवाल, ऑटो स्टैंड के सदस्यों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर किया गया।

ये रहे मुख्य आकर्षण

महोत्सव का मुख्स आकर्षण भव्य दरबार, आकर्षेक विद्युत सज्जा, छप्पन भोग, माखन मिश्री का भोग, रात्रि 2 बजे गजरा महोत्सव, शंख घड़ियाल द्वारा बाबा की सामृहिक आरती, भजनों की अमृत वर्षा रही। रात 2.30 बजे महाआरती होने के बाद छप्पन भोग का वितरण किया गया। महोत्सव में सैकड़ों की संख्या में श्याम भक्त शामिल हुए। बंगाल के कुशल कारीगरों द्वारा बाबा श्याम का भब्य दरबार सजााया गया था।

आकर एक की मौत



CHATRA: चतरा-इटखोरी मुख्य पथ में पितीज बंगला के समीप एक अनियंत्रित कार की चपेट मे आने से पीतीज निवासी सरज् साव की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना था कि वाहन चालक नशे में था और उस गाड़ी मे जो भी लोग सवार थे सभी नशे मे थे। घटना की सूचना मिलते ही ईटखोरी पुलिस भी दल बल के साथ पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर चतरा सदर अस्पताल भेज दिया। शनिवार दोपहर बाद शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। वाहन चालक और बोलेरो को कब्जे में ले लिया गया है।

धुनिकता की उन्मत्त गति की विशेषता

देहदान से रोग निदान का मार्ग प्रशस्त कर रही दधीचि देहदान समिति

भारतीय संस्कृति में जीते जी सेवा कार्यों के साथ मृत्यु के बाद भी सत्कर्म की प्रेरणा दी जाती है। यही कारण है कि उत्तराखंड की दधीचि देहदान समिति ने लोगों को प्रेरित कर चिकित्सा शिक्षा के लिए लोगों को देहदान के लिए प्रेरित करने का कार्य किया है। महर्षि दधीचि ने सदियों पूर्व देवताओं और मानवता की रक्षा के लिए अपना शरीर दान किया था और अब के देहदानदाता चिकित्सा शिक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए देहदान कर मानवता के लिए महत्वपर्ण कार्य कर रहे हैं। दधीचि देहदान समिति गत 27 वर्षों से देहदान, अंगदान और नेत्रदान क्षेत्र में कार्यरत है। समिति उत्तराखंड, दिल्ली, एनसीआर, बिहार, झारखंड आदि राज्यों में यह कार्य सफलतापर्वक संपन्न कर रही है। वर्ष 2021 के अंतिम माह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक विजय जुनेजा के मार्गदर्शन में यह समिति गठित हुई। 27 फरवरी 2022 को देहरादुन में गठित यह समिति 2024 तक 400 से अधिक देह, नेत्र और अंग दानियों की संख्या पार कर चुकी है। 52 कॉर्निया का दान महंत इंदिरेश अस्पताल, महंत निर्मल आश्रम ऋषिकेश में हो चुका है, जबिक 16 देह दानियों का दिव्य दान राजकीय दुन मेडिकल कॉलेज देहरादुन में हो चुका है। 11 दिसंबर 2024 को देहदानी मात्र ढाई दिन की बच्ची थी, जिसका देहदान 11 दिसंबर 2024 को हुआ, जो सबसे कम उम्र के देहदानी के रूप में अंकित है। देहदान के इस समाचार को पूरे देश के समाचार पत्रों और मीडिया ने मुखरता से उठाया। यह बच्ची दो दिनों की थी, जिसका नामकरण भी नहीं हुआ था. इसीलिए दधीचि देहदान समिति ने इसका नाम विद्या व ज्ञान की देवी सरस्वती जी के नाम पर बालिका का नाम सरस्वती रखा। देहदान क्या है, यह अपने आप में जटिल प्रश्न है। देहदान का प्रारंभ महर्षि दधीचि के कार्यकाल से माना जाता है। शरीरदान को देहदान भी कहा जाता है। चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के उद्देश्य से मृत्यु के बाद पूरे शरीर का दान है। शरीर का यह दान चिकित्सा छात्रों और शोधकताओं को मानव शरीर को समझने में मदद करने और विज्ञान की उन्नित के लिए महत्वपर्ण है। चिकित्सा अनुसंधान के लिए अपना शरीर दान करने वाले महापुरुषों में कुछ भारतीय न्यायविद, शिक्षाविद और राजनेता भी शामिल है। न्यायविद लीला सेठ का नाम इनमें प्रमुख है। राजनेताओं में भारतीय जनसंघ के प्रमुख नेता रहे नानाजी देशमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं भूगोलवेत्ता डॉ. नित्यानंद का नाम शामिल है। इसी क्रम में सीपीआईएम नेता सोमनाथ चटर्जी, पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु का नाम भी शामिल है, जिन्होंने अपने शरीर को दान कर दिया। मृत मानव शरीर जिसे शव कहा जाता है, उसका उपयोग छात्रों को एनाटॉमी, शरीर की संरचना और उसके काम करने के अध्ययन के बारे में पढ़ाने के लिए किया जाता है। यह चिकित्सकों, शल्य चिकित्सकों, दंत चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य व्यवसायियों की शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण पाठयक्रमों में से एक है। शवों का उपयोग अनुसंधान चिकित्सा द्वारा नई जीवन रक्षक शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के विकास में भी किया जाता है। विज्ञान को अपना शरीर दान करने के विकल्प विचार करने वाले किसी भी व्यक्ति को जानकारी होनी चाहिए कि उसके दान का बहुत बड़ा महत्व है, यह परम दान है, जो मेडिकल छात्रों को मानव शरीर की जटिल शारीरिक रचना में महारत हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे शोधकताओं को भविष्य के रोगियों की मदद के लिए आवश्यक जानकारी मिलती है। दधीचि देहदान समिति मानवता हित में पूरे देश में गत 27 वर्षों से प्रयासरत है। मानवता के लिए हो रहे इस कार्य का और विस्तार हो, इसके लिए समिति प्रयासरत है। देहदान, अंगदान और नेत्रदान ऐसा महादान है, जिसको केवल वही कर सकता है, जिस पर ईश्वरीय कपा हो। एक अनमान के अनसार प्रतिवर्ष अंगदान की कमी से पांच लाख लोगों की असामयिक मृत्यु हो जाती है। समिति मानती है कि ऐसे ही लोगों से संपर्क कर मानवता हित में देह, नेत्र दान करने का शुभ संकल्प लेने वालों को प्रेरित किया जाए। अंगदान के प्रति जागरूकता की कमी के कारण प्रति दस लाख लोगों में मात्र 0.26 प्रतिशत लोग ही अंगदान कर पाते हैं। इसी संदर्भ में समिति उत्तराखंड में प्रथम अंग कोष स्थापित करने की दिशा में प्रयासरत है। धर्म की दृष्टि से देहदान, अंगदान, नेत्रदान वर्जित नहीं है। सनातन में कोई भी व्यक्ति जीवित अवस्था में अपना श्राद्ध कर सकता है। अगला शरीर पाने के लिए परिजनों को पिंडदान नियमानुसार करना पड़ता है। समिति के सदस्य देहदान, अंगदान अथवा नेत्रदान का संकल्प लेने वाले महादानी के घर जाते हैं और उसके परिजनों की समस्याओं का निराकरण करते हैं। उसके बाद संकल्प पत्र भराया जाता है। उनकी स्वतंत्र सहमित के बाद उनके हस्ताक्षर लिए जाते हैं। संकल्प पत्र में एक निष्पादक का मोबाइल नम्बर लिया जाता है। समिति संकल्प के बाद एक प्रमाण पत्र और एक परिचय पत्र संकल्पित देहदानी के लिए दिया जाता है, जिसमें उसका पूरा ब्योरा होता है। महादानी से अपेक्षा की जाती है कि वह घर में उस प्रमाण पत्र को ऐसी जगह लगाए, जहां आने वाले अतिथियों को सहजता से दिख जाए, ताकि परमधाम गमन के बाद महादानी के परिजनों को लोग याद रखें। संकल्पित महादानी के परिजनों द्वारा जब उसके

महाकुंभ का आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और आर्थिक महत्व



तीर्थयात्री 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज की अपनी यात्रा की तैयारी करते हैं। वे आध्यात्मिक अनुष्ठानों की एक श्रृंखला में भाग लेंगे और एक ऐसी यात्रा पर निकलेंगे जो भौतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सीमाओं को पार करती है। हर हिंदू उत्सव और अनुष्टान के पीछे शास्त्रीय आधार होता है। उन्हें जोश और उत्साह के साथ-साथ एक टोस वैज्ञानिक, ऐतिहासिक और दार्शनिक आधार के साथ सम्मानित किया जाता है। ये सभी विशेषताएं मिलकर किसी त्योहार को मनाने या अनुष्टान करने का कारण प्रदान करती हैं। इन अनुष्ठानों का उद्देश्य किसी व्यक्ति को आध्यात्मिक मार्ग पर ले जाना है, जहां वे पर्ण मनोवैज्ञानिक संतुलन, नवीनीकरण और विश्राम प्राप्त कर सकें। महाकुंभ मेले के कुछ वैज्ञानिक तत्व इस प्रकार हैं- महाकुंभ मेला एक ऐसा उत्सव है, जिसमें विज्ञान, ज्योतिष और आध्यात्मिकता का समावेश होता है। महाकुंभ की तिथियों की गणना वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करके की जाती है, जिनमें से अधिकतर ग्रहों की स्थिति का उपयोग करते हैं। जब बृहस्पति ग्रह ज्योतिषीय राशि वृषभ में प्रवेश करता है, तो यह सूर्य और चंद्र के मकर राशि में प्रवेश के साथ मेल खाता है।

वाली दुनिया में कुछ ही आयोजन ऐसे होते हैं, जो लाखों लोगों को अपने से बड़े उद्देश्य की खोज में एकजुट करने की क्षमता रखते हैं। महाकुंभ मेला 12 वर्षों की अवधि में चार बार होने वाला एक श्रद्धेय मेला इस उद्देश्य का उदाहरण है। कंभ मेला दुनिया भर में सबसे बडा शांतिपर्ण सम्मेलन है, जिसमें लाखों तीर्थयात्री आते हैं, जो अपने पापों को शुद्ध करने और आध्यात्मिक मुक्ति प्राप्त करने के लिए पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं। तीर्थयात्री 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज की अपनी यात्रा की तैयारी करते हैं। वे आध्यात्मिक अनुष्ठानों की एक श्रृंखला में भाग लेंगे और एक ऐसी यात्रा पर निकलेंगे जो भौतिक, सांस्कृतिक आध्यात्मिक सीमाओं को पार करती है। हर हिंदू उत्सव और अनुष्ठान के पीछे शास्त्रीय आधार होता है। उन्हें जोश और उत्साह के साथ-साथ एक ठोस वैज्ञानिक, ऐतिहासिक और दार्शनिक आधार के साथ सम्मानित किया जाता है। ये सभी विशेषताएं मिलकर किसी त्योहार को मनाने या अनुष्ठान करने का कारण प्रदान करती हैं। इन अनुष्ठानों का उद्देश्य किसी व्यक्ति को आध्यात्मिक मार्ग पर नवीनीकरण और विश्राम प्राप्त कर सकें। महाकुंभ मेले के कुछ वैज्ञानिक तत्व इस प्रकार हैं-महाकुंभ मेला एक ऐसा उत्सव है, जिसमें विज्ञान, ज्योतिष और

आध्यात्मिकता का समावेश होता

है। महाकुंभ की तिथियों की

गणना वैज्ञानिक तकनीकों का

उपयोग करके की जाती है, जिनमें



ग्रह ज्योतिषीय राशि वृषभ में प्रवेश करता है, तो यह सूर्य और चंद्र के मकर राशि में प्रवेश के साथ मेल खाता है। ये परिवर्तन जल और वायु को प्रभावित करते जिसके परिणामस्वरूप प्रयागराज के पवित्र शहर में पूरी बनता है। बस उस पवित्र स्थल पर होना और गंगा में पवित्र डबकी लगाना आध्यात्मिक रूप से आत्मा को प्रबुद्ध कर सकता जिससे शारीरिक और मानसिक तनाव कम हो सकता है। ज्योतिष- यह उत्सव तब होता है, जब सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति कुछ निश्चित स्थितियों में होते हैं। नदी संगम- यह आयोजन नदी संगम पर होता है, जहां सौर चक्र में विशिष्ट अवधियों में अद्वितीय शक्तियां कार्य करती हैं। जल-माना जाता है कि यह आयोजन जलमार्गों के ऊर्जा मंथन से जुड़कर शरीर (72% जल) को लाभ पहुंचाता है। महाकुंभ मेला पूरे भारत से लोगों का एक विशाल जमावड़ा है, जो पवित्र गंगा नदी में स्नान करने के लिए आते हैं। यह आयोजन ज्ञान से भरा हुआ है और इसमें कई

गतिविधियां शामिल हैं। कुंभ मेला न केवल दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम है, बल्कि आध्यात्मिक रूप से सबसे गहरा भी है, जो दुनिया भर से लाखों भक्तों, संतों और साधकों को आकर्षित करता है। प्रयागराज में अगला कुंभ मेला 2025 लोगों के लिए अपने आध्यात्मिक सार से फिर से जुड़ने, अपनी आत्मा को शुद्ध करने और सहस्राब्दियों से चली आ रही पवित्र यात्रा पर निकलने का एक अनठा अवसर है। संक्षेप में, कई ग्रहों की स्थिति का हमारे ग्रह के जल और वायु पर प्रभाव पड़ता है। कुछ ग्रहों की स्थिति में एक विशिष्ट समय के दौरान एक विशिष्ट स्थान के सकारात्मक ऊर्जा स्तर उच्च हो जाते हैं, जो आध्यात्मिक विकास और जागृति के लिए एक आदर्श वातावरण बनाते हैं। कुंभ मेले का आर्थिक महत्व प्रधानमंत्री ने हाल ही में महाकंभ 2025 की तैयारी के लिए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कुल 5500 करोड़ की 167 विकास परियोजनाओं अनावरण किया। 11 भारतीय भाषाओं में श्रद्धालुओं की मदद के लिए बहुभाषी एआई संचालित चैटबॉट को पेश किया गया।

महाकुंभ में 40-45 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम बन जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार के आर्थिक सलाहकार केवी राजू का दावा है कि अनुमानित 45 करोड़ तीर्थयात्रियों के साथ, महाकुंभ से कम से कम 2 लाख करोड़ रुपये की आय हो सकती है। मुख्यमंत्री को सलाह देने वाले पूर्व आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी ने अनुमान लगाया कि यदि प्रत्येक तीर्थयात्री 8,000 रुपये खर्च करता है, तो कुल आर्थिक गतिविधि 3.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है, जो इस आयोजन के विशाल वित्तीय महत्व को दशार्ता है। वरिष्ठ पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि मेले के बुनियादी ढांचे और संपूर्ण विश्व से आने वाले कई यात्री वर्षों तक पर्यटन को लाभ पहचाएंगे। उन्नत सविधाएं और कनेक्टिविटी क्षेत्र पर स्थायी प्रभाव डालेगी। सीआईआई की एक पुरानी रिपोर्ट के अनुसार, 2013 में हुए महाकुंभ से कुल 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था, जिसमें हवाई अड्डों और होटलों के बुनियादी ढांचे में सुधार शामिल था, जबकि 2019 में कुंभ

रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। सीआईआई के अनुसार, हालांकि कुंभ मेला आध्यात्मिक और धार्मिक प्रकृति का है, लेकिन इससे जुड़ी आर्थिक गतिविधियों ने 2019 में विभिन्न क्षेत्रों में छह लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया। योगी सरकार राज्य की पर्यटन अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रही है, जिसमें आने वाला महाकंभ इस पहल में महत्वपर्ण भूमिका निभा रहा है। उम्मीद है कि इस शानदार आयोजन से संबंधित प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार की संभावनाओं से लगभग 45000 परिवार लाभान्वित होंगे और विभिन्न क्षेत्रों में लाखों लोग लाभान्वित होंगे। इतिहास की खोज ः समय के साथ एक यात्रा कुंभ मेला, एक हिंदू तीर्थ मेला है, जो हर बारह साल में चार बार चार अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया जाता है- प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक। कंभ मेला 2025 प्रयागराज में होगा, जहां पवित्र नदियां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती संगम पर मिलती हैं। कुंभ मेले का इतिहास हजारों साल पुराना है, जिसका आरंभिक उल्लेख मौर्य और गुप्त काल से मिलता है। प्रारंभिक मेले, हालांकि वर्तमान कुंभ मेले जितने बड़े नहीं थे, लेकिन भारतीय उपमहाद्वीप के सभी हिस्सों से तीर्थयात्रियों को आकर्षित करते थे। हिंदुत्व के उदय के साथ मेले का महत्व बढ गया. गप्त जैसे सम्राटों ने इसे एक प्रतिष्ठित धार्मिक सभा का दर्जा दिया। मध्यकाल के दौरान कुंभ मेले को कई शाही राजवंशों द्वारा समर्थन दिया गया था, विशेष रूप से चोल और विजयनगर साम्राज्यों द्वारा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

पीकेसीईआरसीपी परियोजना का साकार होता सपना

रा जस्थान और मध्यप्रदेश के बीच पार्वती, कालीसिंध, प्रोजेक्ट पीकेसीईआरसीपी के एमओयू के एक साल से भी कम समय में एमओए (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) में तब्दील होना राजनीतिक इच्छाशक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। देश में नदी जोड़ो परियोजना का सपना देखा गया था, जो अब धरातल पर उतर रहा है। राजस्थान जैसे पानी की किल्लत से जझते प्रदेश में पीकेसीईआरसीपी खासतौर पर पूर्वी राजस्थान के लिए गंगा अवतरण से कम नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भजनलाल शर्मा सरकार के एक साल पूरे होने के अवसर पर इस परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत कालीसिंध नदी पर 1069 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवनेरा बैराज का लोकार्पण किया। परियोजना के प्रथम चरण में पेयजल के लिए कूल नदी पर रामगढ़ बैराज, पार्वती नदी पर महलपुर बैराज और नवनेरा बांध में संग्रहित जल के उपयोग हेतु नवनेरा-गलावा-ब्रीसलापुर-ईसरदा राजनीतिक आलोचना-प्रत्यालोचना

(एनजीबीआई) लिंक परियोजना के तीन पैकेज के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इन पैकेज में 9416.70 करोड़ रुपये की लागत से नवनेरा बैराज से गलवा बांध होते हुए बीसलपुर व ईसरदा बांध तक जरूरत के अनसार जल प्रत्यावर्तन के लिए नहर तंत्र, पंपिंग स्टेशन एवं पाइपलाइन का निर्माण कार्य किया जाएगा। संशोधित पार्वती-कालीसिंध चंबल (एकीकृत ईआरसीपी) परियोजना पूरी होने पर राजस्थान के 21 जिलों में रहने वाले लगभग सवा तीन करोड़ लोगों को सुलभ पेयजल की उपलब्धता के साथ साथ लगभग ढाई लाख हेक्टेयर नये क्षेत्र में सिंचाई तथा लगभग डेढ लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हेतु अतिरिक्त पानी की व्यवस्था हो सकेगी। लाभान्वित जिलों में झालावाड़, बारां, कोटा, बंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, दौसा, करौली, धौलपुर, भरतपुर, डीग, अलवर, खैरतल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, अजमेर, ब्यावर और केकड़ी शामिल हैं।

पीकेसीईआरसीपी परियोजना के क्रियान्वयन की शुरूआत राजस्थान जैसे प्रदेश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। पीकेसीईआरसीपी से पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के नागरिकों और किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे प्रदेश में पेयजल, सिंचाई के लिए पानी, औद्योगिक विकास, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और इसी तरह के अनेक फायदे होने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा कार्यभार संभालने के एक माह से भी कम समय में राजस्थान के लिए जीवनदायी इस परियोजना पर सहमति बनवाना और एमओय कर क्रियान्वयन के स्तर पर लाना अपने आप में बड़ी बात थी और आज उससे भी बड़ी बात एमओयू को एमओए में बदलना है। करीब 21 साल पराना सपना पार्वती-कालीसिंध-चंबल इस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना को लेकर केंद्र सरकार, राजस्थान व मध्यप्रदेश के बीच संपन्न करार के साथ ही साकार

होने लगा है। राजस्थान नहर के बाद

प्रोजेक्ट होगा. जिससे 13 जिलों के रहवासियों की सभी तरह की पानी की जरुरत पूरी हो सकेगी। इसके साथ यह भी महत्वपूर्ण होगा कि हर कारण जन-धन और फसलों की बबार्दी का कारण बनने वाला यह पानी पानी की समस्या से जुझ रहे प्रदेशवासियों वासियों के काम आ सकेगा। बेकार बह जाने वाला पानी संग्रहित होगा, धरती यहां के निवासियों और मवेशियों की प्यास बुझाने के काम आ सकेगी। इस परियोजना में राजस्थान को 4103 एमसीएम पानी मिलेगा. मध्यप्रदेश को 3000 एमसीएम पानी मिलेगा। सात साल बाद इस परियोजना के पूरे होने के बाद जहा प्रदेश की 3.25 करोड़ आबादी की पानी की जरूरत पूरी होगी, वहीं करीब ढाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। सही मायने में कहा जाए तो प्रकृति की अनमोल धरोहर पानी के आने से भविष्य में ना तो बाढ़ से जझना पडेगा और ना ही सखे के

दरअसल. नदियों के बर्बाद होते पानी का सही उपयोग तय करने के लिए 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना आरंभ की थी। यह योजना सिरे से चढ़ती उससे पहले ही 2004 में नई सरकार आते ही इस परियोजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसके बाद 2012 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को जारी रखने के केंद्र सरकार को निर्देश दिए। राष्टीय जल विकास प्राधिकरण द्वारा 44605 करोड़ की लागत से केन-बेतवा लिंक परियोजना पर काम किया जा रहा है। गंगानदी पर करीब एक हजार बांध हैं, तो गोदावरी पर 350 के आसपास बांध हैं। इन बांधों पर पानी को सहेजते हुए निदयों के पानी को अनुपयोगी व बबार्दी का कारण बनने से बचाने के स्थान पर क्षेत्रों में पानी की समस्या का समाधान किया जाता है। मोटे रूप से देखा जाए तो नदियों को जोड़ने से पानी की बबार्दी यानी बाढ़ के कारण तबाही व समुद्र में समाहित होने से बचा कर पानी की समस्या के समाधान के लिए तो किया ही जा सकता है। वहीं सुखे की समस्या का हल, खेती के लिए पानी की उपलब्धता और लोगों के पेयजल की समस्या का समाधान संभव है। राजस्थान नहर इसका जीता जागता हिस्सा बनने के साथ ही समग्र विकास का माध्यम बन गई है। जहां तक पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना का प्रश्न सरकार व केन्द्र से सहमति नहीं बनने के कारण लंबे समय से आगे नहीं बढ पा रही थी। नई सरकार के गठन के बाद मख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल और केंद्र व मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग से यह परियोजना धरातल पर उतरने की स्थिति में आ गई है। यदि निर्धारित सात साल में यह परियोजना धरातल पर आ जाती है, जिस पर आज की सरकार की प्रतिबद्धता को देखते हुए संदेह का कोई कारण नहीं दिखता, राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों की तस्वीर

${\sf S}$ ocial Media ${\sf C}$ orner

देहावसान की सचना मिलती है, तो समिति के लोग सारे कार्यों को

सच के हक में

कच्छ की परंपरा, संस्कृति और विरासत का प्रतीक रण उत्सव हर किसी का मन मोह लेने वाला है। अद्भुत क्राफ्ट बाजार हो, सांस्कृतिक कार्यक्रम या फिर खान-पान की परंपरा, यहां का आपका हर अनुभव अविस्मरणीय बन जाएगा। आप सभी से मेरा आग्रह है कि एक बार अपने परिवार के साथ इस रण उत्सव में जरूर आएं।

छोडकर देहदान की प्राथमिता को परा कराते हैं।



(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

एमएसपी की गारंटी और कर्ज.माफी समेत अन्य मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल जी की तबीयत बिगड़ना चिंताजनक है। सरकार को बातचीत करके अनशन खत्म करवाना चाहिए। जायज मांगों के लिए किसानों को बार-बार अनशन और प्रदर्शन के लिए मजबूर करना दुर्भाग्यपूर्ण है। 700 से ज्यादा



किसानों की शहादत के बाद भी सरकार निर्दयी बनी हुई है। एमएसपी सहित अधिकांश मांगों को तो अब कृषि संबंधी संसद की स्थायी समिति ने भी स्वीकारा है, जिसमें सभी दलों के नेता हैं। मैंने पहले भी कहा है और फिर दोहरा रहा हूं - जैसे मोदी सरकार कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर हुई, वैसे ही उसे इन मांगों को मानने के लिए मजबूर किया जाएगा। किसानों और देश के लिए बेहतर यही होगा कि देर करने की बजाय जल्द से जल्द मान ले।

(लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अलग माहौल में दिल्ली के चुनाव

ल्ली विधानसभा के लिए चुनावों का द औपचारिक एलान होना भले ही शेष हो, लेकिन सर्दियों के मौसम में चढ़े सियासी पारे से चुनावी तिपश की अनुभूति होने लगी है। सत्तापक्ष की ओर से खुद अरविंद केजरीवाल ने कमान संभाल रखी है, जबिक विपक्षी भाजपा 27 साल से जारी सत्ता के सुखे को खत्म करके उम्मीदों की हरियाली लाने के लिए प्राणपण से जुटी हुई है। कांग्रेस भी राज्य में अपने अस्तित्व को साबित करने की कोशिश कर रही है। सबसे ज्यादा ध्यान अरविंद केजरीवाल की रणनीति पर है। आदर्शवादी सपने को हकीकत बनाने के वादे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल दिल्ली की राजनीति में अब तक अजेय बने हुए हैं। इसके साथ ही पंजाब की सत्ता पर भी उनकी पार्टी काबिज है। जम्मू-कश्मीर से लेकर गोवा विधानसभा तक उनकी नुमाइंदगी तो है ही, प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के गढ़ गुजरात में भी उनकी उपस्थिति है। इसीलिए दिल्ली की राजनीति में उनकी स्थिति पर सभी की नजर है। दिल्ली विधानसभा का 2013 का चुनाव आदर्शवादी सपनों को चुनने या नकारने का था। उसमें केजरीवाल को बहुमत भले ही नहीं मिला हो, लेकिन दिल्ली की जनता ने आप को दूसरे नंबर की पार्टी का दर्जा देकर संदेश दे दिया कि केजरीवाल में उसका भरोसा है। 2015 का

चुनाव सही मायने में आदर्शवादी सपनों को

हकीकत का जामा पहनाने का चुनाव था। दिल्ली की 70 में से 67 सीटों पर आम आदमी पार्टी की भारी जीत ने केजरीवाल के सामने जनाकांक्षाओं का बोझ लाद दिया। 2020 के विधानसभा चुनाव पर भी आदर्शवाद को हकीकत बनाने की ही मंशा हावी रही। इस चुनाव में केजरीवाल जनता को यह समझाने में सफल रहे कि उन्होंने राजनीति को साफ करने और स्वच्छ प्रशासन देने का जो सपना दिखाया है, उसे पूरा करने के लिए और वक्त चाहिए। दिल्ली की जनता ने उन्हें एक बार फिर पांच साल का वक्त दिया। आदर्शवादी धारणा को जमीनी हकीकत बनाने में केजरीवाल कितने कामयाब हुए, इसका जवाब दिल्ली के मतदाताओं के पास है, लेकिन केजरीवाल ने अपने शासनकाल में रेवड़ी संस्कृति को नए रूप में पेश किया। अपने वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए उन्होंने फ्री बिजली, पानी, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देने में कंजूसी नहीं बरती। इसके साथ ही केजरीवाल सरकार ने कभी ट्रैफिक कंट्रोल तो कभी किसी अन्य बहाने से तात्कालिक और अल्पकालिक रोजगार के मौके मुहैया कराए। इसमें ज्यादातर केजरीवाल की पार्टी कार्यकताओं को तवज्जो मिली। सरकारी महकमों में भी यह रुझान दिखा। इन कदमों के माध्यम से केजरीवाल ने अपने पक्ष में खड़े रहने वाले वोटरों का ऐसा कोलाज तैयार किया, जिसके जरिये सत्ता को संभव बनाए रखा

जा सके। हालांकि तीसरे कार्यकाल में केजरीवाल की आदर्शवादी छवि बुरी तरह से दरकती गई। शीशमहल कांड हो या शराब नीति घोटाला या फिर मुख्यमंत्री आवास में पार्टी की ही सांसद स्वाति मालीवाल से मुख्यमंत्री के निजी सचिव द्वारा की गई मारपीट, इन मुद्दों ने पार्टी को गलत कारणों से सुर्खियों में रखा। इससे राजनीति को बदलने वाले की छवि भी पारंपरिक नेता वाली बन गई, जिसे सत्ता के लिए कुछ भी करने से गुरेज नहीं। मंत्री सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया ही नहीं, खुद केजरीवाल भी कुछ दिन जेल में रहे। इन घटनाओं से यही संदेश निकला कि केजरीवाल और उनकी राजनीति भी अलग नहीं है। रेवड़ी कल्चर और अपने वोट बैंक को साधने की तमाम जुगत के बावजूद केजरीवाल के लिए आगामी चुनाव आसान नहीं। शायद उन्हें इसका आभास भी हो गया है। इस प्रतिकृल हवा को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए केजरीवाल ने कमान संभाल ली है। मनीष सिसोदिया जैसे दिग्गज नेता के लिए पार्टी ने सीट बदलना ठीक समझा। एंटी इनकंबेंसी और विवादों से बदली अवधारणा के बीच केजरीवाल टिकट वितरण के मामले में भाजपा की राह पर चले। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं- रामनिवास गोयल से लेकर दिलीप पांडेय ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया, जबिक दूसरे दलों से आ रहे नेताओं को तत्काल टिकट थमाया गया।

निरंतर अस्थिरता

पिछले महीने चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के संसद में बहमत खोने के बाद से जर्मन राजनीति में उथल-पृथल मची हुई है। बाजार समर्थक फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी के उनके तीन तरफा गठबंधन से बाहर होने से यह नौबत आई है। स्कोल्ज ने शुरू में एक अल्पमत सरकार की अगुवाई करते हुए सत्ता में बने रहने की कोशिश की, लेकिन आलोचना और अपरिहार्य आकस्मिक चुनाव में देरी से उनके सोशल डेमोक्रेट्स की संभावनाओं को और नुकसान होने की चिंताओं के बीच चांसलर ने सोमवार को विश्वास मत हासिल करने का फैसला किया। नतीजा पहले से ही मालूम था कि उनकी सरकार उसी दिन गिर गई और देश को समय से पहले चुनाव की ओर धकेल दिया गया। स्कोल्ज सरकार, जो 2021 के संघीय चुनावों के बाद बनी थी और जिसमें सोशल डेमोक्रेट्स ने अधिकांश सीटें जीती थीं, पहले दिन से ही अस्थिर रही। सोशल डेमोक्रेट्स और ग्रीन्स ने जहां ज्यादा सार्वजनिक खर्च का समर्थन किया, वहीं फ्री डेमोक्रेट्स ने मितव्ययिता पर जोर दिया। सरकार में समन्वय की कमी थी और वित्तीय संकट ने इस अंतरगठबंधन की लड़ाई को बदतर बना दिया। कभी यूरोपीय अर्थव्यवस्था का इंजन रहा, जर्मनी दो साल से मंदी की चपेट में है। इस वित्तीय संकट से निपटने के तरीके पर गठबंधन के भीतर कोई सहमति नहीं होने के चलते सरकार की लोकप्रियता गिर गई। नवंबर में स्कोल्ज ने अपने वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर (फ्री डेमोक्रेट्स) को बर्खास्त कर दिया, जिससे सरकार का हश्र तय हो गया। राष्ट्रपति फ्रैंक वाल्टर स्टीनमीयर अब तय योजना से सात महीने पहले ही संभवतः फरवरी 2025 में, चुनाव कराएंगे। जब एंजेला मर्कल सत्ता में थीं, तो उनका रूढ़िवादी गठबंधन राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और बड़ी शक्तियों के बीच एक अच्छा संतुलन प्रदान करने में कामयाब रहा। यहां तक कि 2014 में क्रीमिया पर कब्जे को लेकर रूस-यूक्रेन तनाव के दौरान भी मर्केल और फ्रांसीसी नेतृत्व रूसियों के साथ संवाद करते रहे, नतीजतन दो मिन्स्क समझौते हुए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Why did Muslim-majority Syria & Afghanistan fall Christmas is about caring & sharing

ABOUT two weeks ago, Syrian rebel groups captured Damascus, ending more than half a century of rule by Hafez al-Assad and his son Bashar al-Assad, whose regime was long supported by Russia and Iran. Similarly, in mid-August 2021, Taliban insurgents toppled Ashraf Ghani's government, bringing a sudden end to two decades of US-backed administration in Afghanistan. The collapse of both regimes was strikingly swift — just 11 days in Syria and only 10 days in Afghanistan — catching many by surprise. These sudden downfalls marked the fall of two Muslim-majority countries in Asia within a span of just three years. What unfolded in these nations?

What forces drove such rapid regime collapses? Global powers played a decisive role in both cases, not only in sustaining the governments, but also inadvertently contributing to their collapses. In Syria, Assad's government heavily relied on military, political and diplomatic backing from Russia and Iran.Russia's war in Ukraine, coupled with the escalating Israel-Iran tensions, forced both Russia and Iran to divert attention away from Syria. As rebels intensified their offensive last month, Russia's focus on Ukraine limited its ability to respond effectively.

Similarly, Iran's support for Assad weakened amid rising tensions with Israel. Iran's allied militias suffered significant losses, reducing their operational capacity in Syria. Since 2013, Hezbollah had deployed thousands of fighters to aid Assad but later shifted many to southern Lebanon due to increased Israeli pressure, diminishing its military presence in Syria.

In Afghanistan, e US withdrawal strategy and direct talks with the Taliban sidelined the Republic, eroding its political legitimacy and military strength, paving the way for the government's swift collapse in August 2021. Following the US-Taliban Doha Agreement in February 2020, US military support to the Afghan forces dropped sharply, with airstrikes falling by 78 per cent — from 7,243 in 2019 to 1,631 in 2020 — nearly half occurring just before the agreement. The loss of US air support enabled the Taliban to encircle major cities in the country. These downfalls were not solely driven by the influence of global major powers. Both countries had long grappled with state fragility marked by protracted conflicts, pervasive corruption, expanding illicit economies and overly centralised, exclusionary governments.

Despite the differences in their political systems, both governments were exclusionary and highly centralised. The Assad regime, led by a minority Alawite-dominated government, an offshoot of Shia Islam, was predominantly secular but deeply authoritarian. It maintained a highly centralised, militaristic structure, marked by systemic brutality, repression, entrenched nepotism and sectarian favouritism. These oppressive policies fuelled persistent religious-based militant opposition, ultimately contributing to the regime's fall.fghanistan, as a fragile state, has long suffered from the authoritarian, exclusionary and centralised nature of governance. Every ruler who centralised power by excluding others has paved his own demise, with Ghani being the most recent example. While Ghani did not employ brutality and repression in his governance like Assad did, he overly centralised power and pursued exclusionary policies, keeping a tight, close circle and relying on a narrow support base.

While the Doha Agreement arguably triggered the state's collapse, Ghani's exclusionary governance approach exacerbated the structural weaknesses that ultimately led to his government's downfall.

Widespread, systematic corruption in both cases inevitably contributed to their collapse. In Syria, corruption existed at both the political 'macro' and administrative 'micro' levels. Transparency International's 2019 Corruption Perceptions Index placed Syria at rank 178 out of 180 countries, indicating that the civil war further exacerbated the country's already severe corruption problem. The broader ineptitude, brutality and systematic corruption within the army and other public institutions fuelled the government's downfall.

THREE retired head constables invited me to participate in puja to mark Dattatreya Jayanti last week. On arrival at the venue in the Police Lines, I was met by retired and serving cops, who were genuinely pleased that I had come. It was easily the best Christmas gift I could have expected. There is no greater reward than being remembered and loved by the men whom you had at some stage of your career the honour of leading. That particular temple in the Police Lines had been inaugurated by me in 1982 when I was the city's Police Commissioner. That fact had escaped my memory. A plaque recording the event had been affixed to the temple

wall. The men insisted on photographs being taken in front of the plaque that bore my name. Without a wife to help me deal with the pressure of touching base with family and friends, I am learning to cope with the Xmas season. There is a constant demand for my presence at gatherings planned for the last month of the year. At my age, it is extremely challenging to venture out of the house in the evenings even once a week, but in this season, the demand is for almost every day of the week. This year will be my 96th Xmas celebration. I have no recollection of the first seven. My father was the Superintendent of Posts in Baroda when I was born in 1929. He was transferred to Poona (now Pune) as Superintendent of the Railway Mail Service n

In 1964, I was appointed Superintendent of Police, Pune City. A Hindu priest dressed in a saffron robe strode into my office and introduced himself as "someone who knew me when I was two years old". He said his

father had been my father's head clerk in the postal superintendent's office. He introduced himself by the name he had adopted after taking his vow of chastity and commitment to a religious discipline. Thirty years later, on my way to Rajgurunagar from Mumbai by car, I stopped at Lonavala. On learning of my arrival at the wayside restaurant, two or three men working in an ashram run by the same holy man came over to the table where my wife and I were sitting and greeted us. They told me that the baba had taken samadhi. Since the baba had mentioned me to them more than once, they were delighted to meet me.

That meeting remains etched in my memory, as do the baba's visits to my office in Pune. During one of those visits, he had talked of taking samadhi and I remember trying to dissuade him from doing so.

What I regret is that I just cannot remember his name after all these years. Two Christmases I do remember — one in 1956 and the other in 1989. In 1956, I was the Assistant Superintendent of Police, Nasik division. Deolali was under my jurisdiction. The Artillery Regimental Centre was located there. A young Christian officer named Valladares hitched a ride in my car from Nasik to Mumbai. Both of us were on leave for a week and since our respective parents were from Mumbai, we planned the trip for Xmas.

TRYSTS AND TURNS: There is no greater reward than being loved by the men you had the honour of leading

The young Army officer was from Bandra. I decided to drop him off at his residence. I had never seen a place so brightly illuminated and decorated as I did



on that memorable Xmas eve in 1956. Bandra was almost entirely a Christian enclave in the 1950s. Today, it is only partly so, but the Christians of Bandra still continue to display bright lights.

In 1989, I was posted in Bucharest, the capital of Romania. That was the only year I failed to attend Mass in a church on Xmas Day. Romanian dictator Nicolae Ceausescu had just been deposed. He and his wife Elena were executed by a firing squad that day after a cursory trial. A mini revolution against his dictatorship was at its peak at that time. We could not step out of the ambassador's residence. We spent the day watching armed men move menacingly on the road outside. This year, I will celebrate the festival in Mumbai in the traditional manner — go to Mass, greeting priests and the congregation, and having Xmas lunch with the family. Some

neighbours and close friends will visit. With them I will share cake and wine.

Around Christmas every year, my friend, Leena Gandhi Tewari, observes an annual day for children from the Vakola slums whom she has literally adopted. In the beginning, she began with girls only, but recently she has been admitting boys to her centre, which she has named after her grandmother. These children of domestic help and drivers and the like are taught classical dancing, acting in plays and other forms of art and culture that helps them gain self-confidence, poise and knowledge. Tutors proficient in subjects taught to them in school are employed by the centre to encourage the girls and boys to excel in scholastics.

The results of her efforts over the years have been a source of great satisfaction to the children as well as their parents and also to Leena, her husband Prashant and the staff they have employed in the venture. Leena has spent not only her own money and her time but also her energy with a single-minded devotion to bettering the standards of living of the needy and the dispossessed. This year, two girls cleared the MBA (Finance) exams, three got through the Bachelor of Management Studies course and two in BAF

(Bachelor of Accounting and

Finance). Their skills are being

developed to enable them to

compete in the job market. The

country needs many more Leenas

who are willing to part with slices of their wealth for those less fortunate than them. Both my own daughters, now into their sixties, mentor girls entrusted to their care by a Delhi-based NGO, the Udayan Shalini Foundation, which has opened a branch in Mumbai. They spend quality time with the mentees, introducing them to polite society and inculcating in them a feeling of self-confidence and

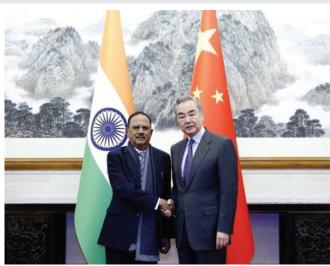
pride in their own worth.

Two Muslim ladies I know, Mumtaz and Shameem, run the Botawala Trust established by their late father. The trust shelters 50 Muslim girls orphaned at a young age. They house the girls in a building constructed on their own property, feed them and generally attend to their emotional needs. The quality of life in Mumbai has improved for these unfortunate children because the city boasts of such compassionate women.

India-China talks

A step forward in bilateral relations

THE recent Special Representatives' meeting in Beijing between India's National Security Adviser Ajit Doval and Chinese Foreign Minister Wang Yi marks a pivotal moment in bilateral diplomacy. This first dialogue in nearly five years, following the 2020 Galwan valley clash, reflects a cautious yet significant shift toward normalising ties between the two Asian giants. Central to the discussions was the implementation of the October 2024 disengagement agreement in Ladakh. Both sides committed to maintaining peace and tranquillity along the Line of Actual Control, a critical step to prevent future conflicts. The meeting also underscored a six-point consensus aimed at deepening cooperation in areas such as border trade, data sharing on trans-border rivers and the resumption of the Kailash Mansarovar Yatra. While the agreements signal progress, challenges persist. The border dispute remains a complex and sensitive issue, compounded by historical grievances and mutual mistrust. The emphasis on confidence-building measures



and 'step-by-step' resolutions demonstrates pragmatic

diplomacy. However, translating these commitments into actionable change will require sustained political will and vigilance. The broader implications of this meeting cannot be overlooked. As both nations grapple with shifting global power dynamics, their engagement holds the potential to influence the multipolar world order. Collaborative initiatives in trade, technology and multilateral platforms like BRICS could pave the way for a more stable and prosperous region.

Yet, peace is only the starting point. Both nations must seize this opportunity to redefine their relationship through people-to-people exchanges, eased trade barriers and cultural cooperation. These steps are essential to build trust and overcome the lingering shadows of conflict. The path to reconciliation is long, but this dialogue offers hope for a more harmonious future. For India and China, peace is not just an ideal but a necessity.

The alarm over widening trade deficit is misplaced

The govt would rather sustain the narrative of corruption under the UPA than design new PPP policies for large, broad-based private investment in infrastructure.

IINDIA'S September quarter (Q2) growth came in at a disappointing 5.4 per cent. The Reserve Bank of India (RBI) has lowered its growth projection for this year to 6.6 per cent, from its earlier forecast of 7.2 per cent. SBI economists put the likely growth rate for the year at 6.3 per cent. These estimates combine with ordinary folks' lived experience of high prices and persistent unemployment and news flashes of a surge in the trade deficit to record highs, with the official narrative still clamouring that India remains the fastest growing large economy. The economic news is both worse than it looks in some ways and better than it looks in some other ways. The unexpected spike in the trade deficit in November is no big deal, for example. It was caused by a surge in the import of gold. As global gold prices came down, importers more than doubled the imports of the precious metal — from \$7.13 billion in October to \$14.8 billion in November. The RBI has, of late, been shoring up gold reserves in the country's overall foreign exchange reserves as well. What really matters is not so much the trade balance as a broader measure, the current account balance, which takes into account not just the balance in merchandise trade, but also the balance in export and import of services (computerrelated services matter a lot), and inflows and outflows of income from the factors of production, labour and capital, comprising remittances, profits, royalties, interest. The current account balance determines whether a country is a net supplier of savings to the rest of the world, running up a current account surplus, or a net drawer of external savings, running up a current account deficit. When the current account is in deficit, we end up owing foreigners money. How does that draw external savings into the economy? Let us consider savings and investment in real, rather than monetary, form. Everything an economy produces in a year is either consumed, invested or exported. Yet, when we

add up consumption, investment and exports, we do not get GDP, the value of everything produced in a year. That is because there is an element of imports in the things we consume, invest and even export — we import crude and export refined products, such as petrol and diesel, for example. So, GDP is the sum of consumption, investment and exports net of imports, exports and imports being seen comprehensively, including all services, covering factor services, apart from goods. Savings are that part of the output that is not consumed. In other words, savings are equal to GDP less consumption, meaning that savings are equal to investment plus net exports. If net exports, that is, the current account balance, is zero, that is, exports exactly match imports, savings would equal investment.

In a closed economy, what the economy can invest is necessarily what it saves, neither bigger, nor smaller.

If exports are less than imports, the current account balance (next exports) would be negative. Savings, remember, are the sum

of investment and next exports. When the net exports element is negative, domestic savings are smaller than domestic investment by that element of net exports. In other words, domestic investment is greater than domestic savings, thanks to that current account deficit (CAD)

With a CAD, you either run down past reserves of foreign exchange or owe foreigners money. That is, foreigners must be willing to finance your CAD. The amount of foreign savings your economy ingests is measured by your CAD, not by capital inflows, classified as foreign



direct investments or foreign portfolio investments. These inflows remain as cash balances till they are absorbed into the real economy via financing a CAD.

This is why alarm over a trade deficit is misplaced. India's CAD for 2023-24 was 0.7 per cent of GDP and has nudged up to 1.1 per cent of GDP in the April-June quarter this year. A current account deficit up to 3 per cent is not only sustainable but also desirable, so that the economy can augment domestic savings to invest more and grow faster.

So, worry over a widening trade deficit is wholly misplaced. The only alarm on the external front is that

we are unable to run up a current account deficit large enough to accelerate domestic investment and growth.

Slowing growth is indeed a concern, as is the government's contradictory policy response. While the Budget did announce a massive capital outlay, spending has been deficient. At the end of October, while total receipts have been 53.7 per cent of the budget estimate (BE), capital expenditure has been just 42 per cent of BE, even as revenue expenditure has been 54.1 per cent of BE. Nor has there been any coherent policy to boost private investment. A quarter of the manufacturing capacity has been lying underutilised since 2015-16. This dissuades capacity expansion. The government would rather sustain the narrative of corruption under the UPA than design new public-private-partnership policies for large, broad-based private investment in infrastructure. Yet another dampener is the regressive tax reform. The latest is the proposal to create a sixth slab for GST, beyond the existing range of zero, 5 per cent, 12 per cent, 18 per cent and 28 per

cent. Now, a 35 per cent rate has been proposed, purportedly, for sin goods. More goods and services are liable to turn sinful over time. The net result would be loss of revenue and reinforcement of a culture of tax complexity, avoidance and evasion. Higher import duties on gold and higher excise duties on cigarettes have both encouraged largescale smuggling. Higher rates on luxury goods would drive their purchases totally abroad. The goal in GST reform is convergence of rates and fewer slabs, not rate creep or retrospective levies.

GST Council delays decision on lowering tax for health, life insurance premiums

NEW DELHI. The GST Council has postponed its decision on reducing tax rates for life and health insurance premiums, officials told news agency PTI.

During the 55th meeting held on Saturday, technical considerations led to the deferral, with the Group of Ministers (GoM) tasked to conduct further deliberations.Union Finance Minister Nirmala Sitharaman chaired the meeting, which concluded that additional discussions were needed before finalising any changes. Bihar Deputy Chief Minister Samrat Chaudhary, who leads the GoM on insurance, stated that more time is required to resolve outstanding issues, particularly regarding the taxation of group policies, individual policies, and senior citizens' plans. A subsequent GoM meeting is scheduled for January to finalise these discussions.

In November, the GoM recommended certain reforms, including exempting premiums paid for term life insurance policies from GST.Similarly, health insurance premiums paid by senior citizens were proposed for exemption, alongside those up to Rs 5 lakh for non-senior citizens. However, premiums exceeding Rs 5 lakh will continue to be toxed at exceeding Rs 5 lakh will continue to be taxed at 18%. The delay reflects the need for further technical assessment, as there are varying opinions among states about these proposed changes. With most states states about these proposed changes. With most states supporting the notion of reducing the tax burden, a positive resolution remains a likely outcome, albeit requiring additional time for consensus.

6,700 employees leave unicorns between August **2023-24**, attrition rate **4.5** per cent

BENGALURU. Over 6,700 employees left unicorn start-ups between August 2023 to August 2024, and on average, unicorns had an attrition rate of 4.5% during the period, an analysis by market intelligence platform PrivateCircle Research found.

As many as 116 unicorns (including newer additions such as Moneyview, Ather and Rapido) in the country employed 4,10,829 people in August 2024 as compared to 4,17,561 employees recorded in the same month previous year. The analysis includes employees of whom provident fund contributions were done. However, unicorns continue to be large employers in the country. Murali Logananthan, Director of Research at PrivateCircle said, "We find that the compounded revenue growth among most unicorns has been in high double digits over two years and yet these unicorns have maintained stable employee numbers." This signals efficient usage of human capital even during periods of high growth. The monthly net change in unicorn workforce has stayed between -0.9% and 2.5% during the selected time period," he added.Across all major startup hubs, Delhi NCR saw the maximum additions in the total number of employees between August 2023 and August 2024. It hired 18,554 employees and some of the mass recruiters from Delhi-NCR included PolicyBazaar, Blinkit, and Zomato.

The second-highest employee additions were recorded in Chennai-based unicorns (4,785). Bengaluru-based unicorns during the period recruited only 2,384 employees. Mumbai unicorns saw a net decrease of 7,024 employees from the cumulative workforce. Pune (-643) and Hyderabad (-66) have recorded a fall in their overall workforce numbers, as per the platform's research.

Drafting of DPDP Act rules nearly complete

NEW DELHI. Drafting of the rules for the Digital Personal Data Protection Act (DPDP Act), 2023, is in its final stage, said Minister of state Electronics and Information Technology, Jitin Prasada on Friday. Prasada, in response to a question in the Rajya Sabha, also said that further consultations on the DPDP Rules will take place after the publication of the Draft Rules."Drafting of the Rules is in the final stage. Further consultation on the Rules will be done after publication of the Draft Rules. The provisions of DPDP Act are in addition to and not in derogation of any other law for the time being in force," he said. The Act, received the President's assent on August 11, 2023, has yet to see release of its detailed regulations. The Act prohibits any entity, public or private, from using an individual's data without explicit consent, emphasising the importance of safeguarding personal information. It contains provisions allowing data usage in contexts like national security and judicial

States ask for higher borrowing ceiling, interestfree loans

JAISALMER. States have demanded that the Union government must increase their borrowing limits to support fiscal activities. In a pre-budget meeting on Friday with Union finance minister Nirmala Sitharaman in Jaisalmer, state finance ministers demanded an increased allocation of 50-year interest-free loans to states for their capital expenditure needs. The meeting took place on Friday in Jaisalmer, where the 55th GST Council meeting will be held. During the meeting, several states have expressed concern over lack of funds for running the states due to existing borrowing limits

of 3% of gross state domestic product (GSDP). The states have also asked for more flexibility in the assistance given to states by the Centre for their capex needs. A part of this assistance is either linked to a set of reforms or are for sector specific projects.

Some states have asked the central government to bear a larger share of land acquisition costs for projects. States have also highlighted the need for state-specific road development projects and railway projects. Some of the representatives of the states have also emphasized the need for additional funding for disaster relief. They requested more allocation for the State Disaster Response Fund

Funds Devolved To States Under 15th Finance Commission Higher: FM Sitharaman

Sitharaman stated that the Centre has allocated an additional amount of approximately Rs 30,000 crore as 'Untied Funds' under the SASCI-2024-25.

New Delhi. Union Minister for Finance and Corporate Affairs Nirmala Sitharaman on Friday chaired the pre-budget consultations with Finance Ministers of States and Union Territories (with Legislature) at Jaisalmer in Rajasthan. The participants gave several valuable suggestions to the Union Finance Minister for consideration in the Union Budget for FY 2025-26. Sitharaman remarked that because of the healthy macroeconomic environment, buoyancy and efficiency in the tax collections, the funds devolved to the states in the last 45 months (April 2021 to December 2024) under the 15th Finance Commission is more than what was devolved in 60 months under the 14th Finance Commission (2015-20). The Union Finance Minister also referred to the Scheme for Special Assistance to States for Capital Investment (SASCI), which was first announced in the Union Budget 2020-21, and acknowledged that it had received a very good response from the states. The states have been requesting the Central Government to enhance the outlay under the scheme as it is leading to the construction of crucial capital assets in the

Sitharaman stated that the Centre has allocated an additional amount of approximately Rs 30,000 crore as 'Untied Funds' under the SASCI-2024-25. This allocation may be used by the State



Governments in any sector to further increase expenditure on creation of capital assets.In addition to this, the Union Finance Minister stated that the Centre has created an additional dispensation under SASCI for the states affected by disasters of a severe nature as assessed by the Inter-Ministerial Central Team (IMCT), deputed by the Ministry of Home Affairs (MHA).

This will aid the states in their efforts for reconstruction of the damaged infrastructure, like roads and bridges, water supply lines, electricity poles, and

natural disaster of severe nature (as assessed by IMCT) in FY 2024-25 may be eligible for up to 50 per cent of their allocation under Part-1 (Untied) of the SASCI scheme. Sitharaman added that this amount will be in addition to the funds provided under the National Disaster Response and Mitigation Fund (NDRMF). The meeting was attended by Union Minister of State for Finance Pankaj Chaudhary, Chief Ministers of Goa, Haryana, Jammu and Kashmir, Meghalaya and Odisha; Deputy Chief Ministers of Arunachal Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh, Rajasthan and Telangana; Finance Ministers, Ministers, Secretaries of Departments of Economic Affairs and Expenditure, Ministry of Finance and senior officers from the States/Union Territories and the Union Government.Sitharaman thanked the dignitaries for their valuable inputs and ideas which will be given due consideration in the preparation of budget for the ensuing Financial Year.

Cabinet Hikes MSP For Copra To Rs 12,100 Per Quintal

The farmers have the option to sell their produce to the FCI/state agencies at MSP or in the open market as is advantageous to them.

New Delhi. The Cabinet Committee on Economic Affairs on Friday hiked the Minimum Support Price (MSP) for fair average quality of milling copra to Rs 11,582 per quintal and for ball copra to Rs 12,100 per quintal for the 2025 marketing season, according to an official statement.

The MSP has been increased in accordance with the government's decision that mandates the MSP for crops will be fixed at levels of at least 1.5 times the all-India weighted average cost of production, the statement said."The Government has increased MSP for milling copra and ball copra from Rs 5,250 per quintal



for the marketing season 2025, registering a growth of 121 per cent and 120 per cent, respectively," the statement said. A higher MSP will not only ensure better remunerative returns to the coconut growers but also incentivise farmers to expand copra production to meet the growing demand for coconut products both domestically and internationally, it

The National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India Ltd (NAFED) and the National Cooperative Consumers' Federation

(NCCF) will continue to act as Central Nodal Agencies (CNAs) for procurement of copra and dehusked coconut under the Price Support Scheme (PSS), the statement added. The main objective of the Centre's procurement is to assure farmers get remunerative prices and distribution to consumers, particularly the vulnerable sections of society takes place at affordable

prices. The Centre maintains a buffer stock for food security and price stability. Similarly, the Central government extends price support to paddy, coarse grains and wheat through the FCI and state agencies.

All the food grains (wheat and paddy) conforming to the prescribed specifications offered for sale at specified centres are bought by the public procurement agencies at the Minimum Support Price (MSP), inclusive of the bonus announced, if any. The farmers have the option to sell their produce to the FCI/state agencies at MSP or in the open market

No Merry Christmas for investors: Markets log biggest weekly fall since June 2022

New Delhi. Nervousness continued to grip investors and stocks across-the-board went into a tailspin as the dollar's continuing strength against the rupee has been prompting foreign investors to flee local equities and take shelter in safe haven dollar assets," said Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities.

Tapse added that investors are also apprehensive about Trump's trade policies when he takes charge in mid-January next year, as his aggressive policies could further roil the global market.

FIIs have reversed their buying spree from earlier this month, selling (net) about Rs 16,000 crore worth of Indian equities over the past five sessions."The strong US dollar and robust US economy are diverting funds away from emerging markets like India. With the 10-year US yield at 4.52 per cent and sluggish earnings growth in India, FIIs currently lack compelling reasons to invest here," said VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services.He added that FIIs may return once the



Aligning inflation to RBI's 4 per cent target key to ensuring growth: MPC minutes

Bank rate-setting panel in the minutes of its December meeting released on Friday said high prices are the cause for demand slowdown, and aligning inflation to the central bank's 4% target is the key to ensuring sustained economic growth."The monetary policy stance is open to support growth, but it must await the ebbing of inflation on a durable basis or else the uneven progress made so far in disinflation will get dissipated," deputy governor Michael Patra wrote.Inflation is likely to remain contained as the disinflationary effect of past monetary Headline inflation is expected to ease to 4.5% in Q4 and further to 4% by Q1

Shaktikanta Das.External member Saugata Bhattacharya said both growth and inflation have worsened, and the risk of making a "policy error" was higher now compared to the October policy."The policy priority at this juncture has to be on restoring inflation growth balance," Das underlined in his last monetary policy committee meeting.Lower inflation will enhance households' disposable income and increase their purchasing power, and this approach would support consumption and investment demand, Das added.

policy actions continues to play out. Nagesh Kumar called for a 25 basis points reduction in policy, saying "I

MUMBAI. The members of the Reserve of next fiscal, said ex-RBI Governor believe a rate cut would help in reviving economic growth without worsening the inflationary situation, which may soften with seasonal correction in prices."Kumar said the limied impact monetary policy has on food inflation alongside the sharp slowdown in growth as reasons to shift policy gears.Lower inflation to enhance disposable incomeLower inflation will enhance disposable income and increase purchasing power, and this would support consumption and investment demand, Das said. Nagesh kumar called for a 25 basis points reduction in policy, saying "I believe a rate cut would help in reviving economic growth without worsening the inflationary situation."

dollar stabilises, but near-term flows remain under pressure. Besides the chances of fewer rate cuts, concerns related to India's macroeconomic health have added to the pressure. The country's trade deficit widened to an all-time high in November and the second quarter GDP came to the lowest in nearly two years.

All major sectoral indices on the NSE suffered losses on Friday. Nifty Realty fell 4 per cent, while PSU Bank and IT indices plunged almost 3 per cent each. On weekly basis, the IT index fell 4.4 per cent, Capital Goods declined 5 per cent, and Power plunged 5.2 per cent.

In the broader market, the mid and small stocks fell sharper than the blue chips. The BSE Midcap and Smallcap indices dropped 2.43 per cent and 2.11 per cent, respectively, on Friday.

Amazon and Starbucks workers are on strike. Trump might have something to do with it

New Delhi Amazon delivery drivers and Strikes — particularly ones that happen Starbucks baristas are on strike in a during the holidays, a time of high handful of US cities as they seek to exert pressure on the two major companies to recognize them as unionized employees or to meet demands for an inaugural labor contract.

The strikes that started Thursday and Friday followed other recent standoffs between corporate America and organized labor. Large and established labor unions secured meaningful employer concessions this year following strikes by Boeing factory workers, dockworkers at East and Gulf coast ports, video game performers, and hotel and casino workers on the Las Vegas Strip.But workers at Starbucks, Amazon and some other prominent consumer brands still are fighting for their first contracts. Amazon refuses to acknowledge the organizing efforts of drivers and warehouse workers — many of whom have voted to unionize — even though the powerful Teamsters

union says it represents them. Starbucks

long resisted the unionization of its stores,

but had agreed to negotiate a contract by

the end of the year. Why are the strikes happening now?

economic activity — can help unions exercise leverage during negotiations or flex their muscles by garnering support from workers and sympathetic consumers.Both Amazon and Starbucks saw a wave of organizing efforts following the COVID-19 pandemic. The pandemic focused attention on front-line workers and the impact of economic inequality on the lives of wage-earning Americans. Employees organized at bookstores, where unions are rare, and were successful with campaigns at some stores run by Apple, Trader Joe's and the outdoor equipment company REI.

But turning those wins into contracts can be a challenge. At Amazon and Starbucks, which were not unionized before the pandemic, workers have yet to secure an agreement with the e-commerce and coffee giants, which both have their headquarters in Seattle.John Logan, director of labor and employment studies at San Francisco State University, said he thinks the Amazon and Starbucks workers are "desperate" to make progress before President-elect Donald Trump gets to appoint a Republican majority to the



National Labor Relations Board, which is expected to be less friendly to unions during his administration.

'The unions want to make these disputes public and bring political pressures on the companies," Logan said in a written statement. "If these disputes drag on until next year, and if they are fought largely through the labor board and the courts, the unions and workers will almost certainly lose. This might be their last, best chance to pressure the companies in public before Trump comes into office."However, Trump has also given some signs that he might be friendlier to labor during his second term compared to his first term. Last month, he picked Oregon Rep. Lori

Chavez-DeRemer to lead the Department of Labor in his new administration, elevating a Republican congresswoman who has strong support from unions, including the Teamsters. Teamsters President Sean O'Brien also spoke at the Republican National Convention this past summer. Teamster-led strikes at Amazon

The Teamsters say workers at Amazon are striking at seven delivery stations in Southern California, San Francisco,

New York City, Atlanta and Skokie, Illinois, because the company ignored a Sunday deadline the union had set for contract negotiations. At midnight on Saturday, the Teamsters say workers will also strike at a prominent warehouse in New York, which voted to join the fledgling Amazon Labor Union in 2022 and have since elected to affiliate with the Teamsters. The prominent labor group says it's fighting for higher wages, better benefits and safer working conditions for Amazon employees, many of whom experience economic insecurity while working for a company worth \$2.3 trillion. It has not said how many Amazon warehouse workers or drivers are joining

Delhi: How bomb squads respond to threat calls and declare them hoax

least four schools in Delhi woke up to bomb threats, which later turned out to be hoaxes, the sixth such incident in 11 days. Barring an incident where a minor boy was apprehended for sending a bomb threat because he did not want to appear for an exam, none of the other hoax cases have been cracked so far. The police have found it difficult to track down the culprits due to their usage of VPNs to keep their location and IP addresses

hidden. Coupled with ProtonMail, an email service that provides end-to-end encryption, it becomes virtually impossible for the For the Bomb Squad personnel, it all starts police authorities to track down the perpetrators. What's left for the Delhi Police to do is manually check each bomb threat and declare them as hoaxes. Naturally, the Bomb Disposal Squad (BDS) and BDT of the Delhi Police have been on their toes with a slew of hoax bomb threats being reported from schools across Delhi NCR.

Delhi Man Stabbed To Death,

Had Threatened Accused To

Return Friend's Money

They immediately fled the scene.

rising crimes in the national capital.

SC dismisses NTBCL plea;

scraps toll collection on DND

The apex court said if a governmental

public welfare, it is liable to be struck

NEW DELHI. In a major relief to commuters on the Delhi-

Noida-Direct (DND) flyway, the Supreme Court on

Friday rejected the appeal of Noida Toll Bridge Company

Ltd (NTBCL) against an order of the Allahabad High

The SC slammed Noida's authority for allowing an agreement to perpetually fleece the commuters.

Observing that NTBCL has recovered the project costs and

substantial profits, eliminating any justification for the

Court, which scrapped user fee collection for it.

action disproportionately favours a

private entity at the expense of

wrote in a post on X.

down as invalid.

flyway

them."The motive behind the murder appears to be

linked to a financial dispute...We are questioning the

accused," the official added. Aam Aadmi Party (AAP)

Chief Arvind Kejriwal hit out at the Centre over the

Another painful murder. Delhi is bleeding and the BJP government at the Centre is sitting idle. How long will the people of Delhi tolerate such conditions?" he



The movement from control rooms to district BDT units has been fast and

with the first call to the police control room on the dial of 112. "As soon as the control room gets information about a bomb threat...BDT inspectors in the concerned district are alerted within 60 seconds through wireless communication. Within five to 10 minutes of the call, a sevenmember BDT reaches the spot in an ROV

officer said.

The team, the officer said, consists of an inspector-level officer, two subinspectors, three head constables, a dog handler, and a dog to sniff out the explosive.

The team then starts the process to verify whether the call is a hoax or not. "Multiple devices are deployed to detect the presence of explosives. Non Linear Junction Detector (NLJD) and M-ION (Explosive Weapon Detector) are first used to see if any visible

explosive is present. DSMD (Deep Search Metal Detectors) are used to search metal

RTVS, a portable X-ray machine, is used to check for wires and switches inside closed items. Since bomb suits don't guarantee 100 per cent protection, robotic hands called Telescopic Manipulators are used to pick up suspicious items. These hands are 10-foot-long and are controlled by remotes," the BDS officer said. If no bombs

are found, which has been the case with all bomb hoax calls in Delhi schools this year, the BDT declares the same.

If any suspicious or probable explosive is found, BDT calls the BDS team of the concerned range to swing into action. "As the BDS team arrives, BDT covers the explosive with a 'bomb blanket' to turn down the effect of a probable blast. These blankets are made of a special material that controls the spread of splinters," the officer explained.

The officer added that BDS (Crime), the nodal agency, is in constant touch with the National Security Guard (NSG) and Defence Research and Development Organisation (DRDO) to work on the latest technology and state-of-the-art bomb defusal machinery. "From suits to safety equipment, guidelines are constantly revised by MHA (Ministry of Home Affairs) when it comes to machinery involved. We visit NSG labs to collaborate with them on more elaborate and efficient bomb disposal techniques," the officer said.

Parliament session ends, discord doesn't



NEW DELHI. The winter session of Parliament, which saw unprecedented clashes between the Opposition and the ruling BJP, came to a close on Friday with Lok Sabha Speaker Om Birla and Rajya Sabha Chairman Jagdeep Dhankhar cautioning the members to maintain dignity and decorum of the Houses. Both the Lok Sabha and Rajya Sabha were adjourned sine die amid protests by the Opposition and treasury benches over the alleged insult to B R Ambedkar and directions by Speaker Om Birla to members against holding protests at any gate of Parliament.

While Lok Sabha's productivity was 57.87% in 20 days, passing four bills, the corresponding figure for the Rajya Sabha was 40.03% in 19 days and the passage of three bills.

The session may perhaps go down in parliamentary history for setting a grim record for several reasons — from an ugly scuffle and a no-trust motion against Dhankhar to a bitter discourse on Constitution and daily disruption of proceedings by both sides.

The highlight of the session — a two-day debate on the 75th year of Constitution — snowballed into a major confrontation between the BJP and the Congress over Union home minister Amit Shah's comment on Ambedkar. During his speech on the Constitution, he said, "It has become the new fashion to say 'Ambedkar, Ambedkar, Ambedkar'. Had they chanted God's name as many times, they would have found a place in heaven."

The scuffle outside Parliament led to an FIR against Rahul Gandhi after the BJP filed assault charges against him. With both the Congress and the BJP escalating the issue outside Parliament, it is bound to gain more traction and dominate the narrative in the forthcoming Delhi and Bihar assembly elections.

Special police team for rahul case

A special team of the Delhi Police is expected to take over the probe into the FIR filed against Rahul Gandhi for allegedly 'assaulting' BJP MPs, sources said. Given the conflicting claims, the team plans to call MPs present during the scuffle to piece together the sequence of events. The police will examine CCTV footage and

Delhi schools receive orders to identify illegal Bangladeshi migrant students

New Delhi. The Municipal **New Delhi.** A 26-year-old man was stabbed to death in his apartment over an alleged financial dispute in Corporation of Delhi (MCD) has directed schools to identify illegal Delhi's Narela area on Friday. The victim, identified as Bangladeshi migrant children and Himanshu, was living with his friend, Sumit Kaushik, ensure that they are not issued birth at the time of the incident, officials said. According to a certificates. The directive comes days preliminary investigation, one of the accused, Ravi, after the Delhi L-G Secretariat had allegedly borrowed? 45,000 from the victim's ordered a crackdown on illegal friend, Sumit. He, however, failed to return the money. immigrants from Bangladesh, with Following this, the victim visited Ravi's house in the issue becoming the latest Safiyabad and threatened his family with flashpoint between the ruling AAP "consequences" if he failed to repay his friend. Hours and the BJP ahead of Assembly later, Ravi, along with his three accomplices, reached polls. The civic body has also directed the victim's residence around 6 pm and stabbed him. all MCD zones to remove encroachments by illegal 'A PCR call regarding the incident was received at 6.28 Bangladeshi migrants. An action pm. According to preliminary investigations, taken report has been sought by the Himanshu was attacked and stabbed by four MCD deputy commissioner by individuals," a senior police official said. December 31."The education The victim had been living with Sumit for the past four department will take appropriate months, officials said. Three people have been arrested preventive measures to identify illegal in the case - Ravi (30), Sahil (24) and Ashish (26). The Bangladeshi migrants while giving fourth accused, Akshay Khatri, is reportedly on the run. admission in municipal schools. It is A case of murder has been registered against



in schools," the order by the deputy commissioner said. Reacting to the directive, AAP MP Sanjay Singh said the order by the MCD was a bid to humiliate and disrespect the Purvanchali community in the name Purvanchalis -- migrants from eastern of illegal migrants. Singh also accused BJP national president JP Nadda of equating Purvanchalis with "Rohingya infiltrators" and "Bangladeshis". Rohingyas are a Muslim minority group from Myanmar."They want to humiliate the

poor from Uttar Pradesh and Bihar. Through this order, they want to threaten Purvanchalis, their kids and bulldoze their shops and houses in jhuggis," the Rajya Sabha MP said.

Uttar Pradesh and Bihar -- make up roughly 42 per cent of Delhi's electorate. The community wields influence in nearly half of Delhi's 70 Assembly constituencies, including key areas such as Burari, Laxmi Nagar, and Dwarka.

Mumbai ferry crash: Parents tried to throw children into sea, stopped by rescuers

New Delhi. The panic-stricken parents onboard an ill-fated tourist ferry were thinking of tossing their children into the seawater as a desperate measure after their boat started sinking off Mumbai, but a team of CISF marine commandos stopped them with an assurance that everyone will be saved.CISF constable Amol Savant (36) and his two colleagues became the

also requested that proper

identification and verification drives

may also be undertaken to identify the

illegal Bangladeshi migrant children

"first responders" after the December 18 accident. Their patrol boat reached the accident site off the Mumbai coast around 4 pm, and they decided to utilise the "golden hour" for first saving the most vulnerable, including the children.Fourteen people were killed after a Navy boat rammed into the tourist ferry -- 'Neel Kamal' -- on a way to He said he was "astonished to see the Elephanta Island from the Gateway of India in Mumbai late on Wednesday



some distance off the shore when our walkie-talkie crackled to inform us that a passenger ferry was sinking. I asked the pilot (speed boat driver) to go full throttle, and we reached the accident site about 3-4 kms away in no time," Savant told PTI here.

accident site. But being a trained soldier, I understood what was to be done and how.""We saw people were ready to them. We don't know how many exactly them not to panic and not attempt this. We took charge of the situation soon," said the jawan, who is posted with the CISF unit that guards the Jawaharlal Nehru Port Trust (JNPT), Navi Mumbai.

Savant said he too was "shaken initially when he reached the site, but then when I saw the children hanging dangerously from whatever was left of the sinking ferry and their helpless parents, I and my colleagues just caught hold of the children and brought them in

The jawan says they rescued about 6-7 children in the first go followed by women and men."There were many hands raised towards us, some screaming, some just requesting to save

throw their children in the ocean but we were able to help and rescue as water thinking that they would be many as 50-60 people who were saved from the sinking ship. I asked onboard that ill-fated ferry," Savant, who joined the CISF in 2010, said. Sub Inspector (SI) Kheioka Sema (38), posted with the CISF unit that provides counterterrorist security cover to the JNPA, was in the second patrol boat that reached the spot."I saw a lady who was in the water wearing a life jacket but she had raised her hands in anticipation that she would be rescued. We rushed to her and gently asked her to put her hands down else the jacket would slip and she would start drowning," Sema said.She was saved, he said.

SI Sema, who joined the paramilitary force in 2018, said they administered cardiopulmonary resuscitation (CPR) to maybe 10-12 persons to bring them back to senses and drain out the water they had swallowed.

Winter Session Ends, Lok Sabha Sees 57% Productivity, Rajya Sabha At 40%



continued imposition of tolls, a two-judge bench comprising Justices Surya Kant and Ujjal Bhuyan said, "No tax will be levied on the DND flyway for commuters. We dismiss the appeal of NTBCL against the Allahabad High Court order."The top court said if a governmental action disproportionately favours a private entity at the expense of public welfare, it is liable to be struck down as

NTBCL had approached the SC against an Allahabad High Court order quashing user fee collection from vehicles on the 9.2- km DND flyway. The HC had in its 2016 order passed after hearing a PIL filed by the Federation of Noida Resident Welfare Association, also struck down the concessionaire agreement. The bench also said that Noida "overstepped its authority" by delegating its power to levy toll to NTBCL.

die on Friday, capping off a tumultuous session that saw a robust debate on the country's constitutional journey and the introduction of two landmark bills on simultaneous elections before plunging to a new low of political animosity over alleged insult of BR Ambedkar. As Parliament met on the last day of Winter

Session, the overhang of mutual bitterness involving the ruling National Democratic Alliance and opposition parties following Thursday's spat persisted, forcing Speaker Om Birla in Lok Sabha to adjourn the House within three minutes without even the customary summing up of the Session's highlights.It was only a little better in Rajya Sabha as opposition parties, which have been protesting against Home Minister Amit Shah's alleged insulting comments for Ambedkar, agreed to let Chairman Jagdeep Dhankhar read out his valedictory remarks before adjourning the House sine die.

New Delhi. Parliament was adjourned sine The Lok Sabha's productivity was nearly 58 per cent, according to its secretariat, a far cry from days when it hovered around 100 per cent and even beyond. In his concluding remarks, Dhankhar called upon parties to rise above political differences and restore the sanctity of parliamentary discourse, striking a note of balance amid opposition's charge that he has often been partisan. He said the House effectively functioned

for just 43 hours and 27 minutes with a productivity of merely 40.03 percent during the Winter Session that began on November 25.At a press conference, Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju laid the blame on the door of opposition, especially the Congress, saying their continuous protest despite an earlier agreement to allow Parliament to run was the principal reason behind the low productivity. He said all parties must reflect on what is a matter of great concern, adding that as the minister in-



charge of parliamentary affairs he will continue to reach out to opposition leaders.During the Session, five bills were introduced in Lok Sabha, which passed four of them. The Rajya Sabha passed three bills. A special session was also held in the 'Samvidhan Sadan' to commemorate the Constitution Day on November 26.

If Thursday's pushing and shoving involving MPs of rival parties, which left two BJP members hospitalised and led to a police case against Leader of the

Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi, was the low point of the Session, a spirited discussion on the "Glorious journey of 75 years of the Constitution of India" for two days in each House reflected the best of parliamentary

Prime Minister Narendra Modi's sharp denunciation of the Congress, especially the Nehru-Gandhi family, for its "mutilation" of constitutional values was heard by opposition benches in the Lok Sabha without any serious disruption, and so was Home Minister Amit Shah's reply to the debate in Rajya Sabha. However, opposition parties seized on a couple of sentences of Shah's reply to accuse him of insulting B R Ambedkar, the architect of India's Constitution, and launch protests inside and outside Parliament. The BJP-led NDA MPs led counter protests, accusing the Congress of slighting Ambedkar and ignoring his legacy during its long decades in power.

NEWS BOX

House approves funding bill, sends to Senate hours before government shutdown deadline

WASHINGTON. Hours before a midnight government shutdown, the House approved a new plan late Friday from Speaker Mike Johnson that would temporarily fund federal operations and disaster aid, but drops President-elect Donald Trump's demands for a debt limit increase into the new year.

Johnson insisted Congress would "meet our obligations" and not allow federal operations to shutter ahead of the Christmas holiday season. However, the day's outcome was uncertain after Trump doubled down on his insistence that a debt ceiling increase be included in any deal — if not, he said in an early morning post, let the closures "start now."The bill was approved 366-34, and now goes to the Senate, for expected quick passage.

"We're excited about this outcome," Johnson said afterward, adding he had spoken with Trump and the president-elect "was certainly happy about this outcome, as well." It was the third attempt from Johnson, the beleaguered House speaker, to achieve one of the basic requirements of the federal government — keeping it open. And it raised stark questions about whether Johnson will be able to keep his job, in the face of angry GOP colleagues, and work alongside Trump and billionaire ally Elon Musk, who have called the legislative plays this time.

Trump's last-minute demand was almost an impossible ask, and Johnson had almost no choice but to work around his pressure for a debt ceiling increase. The speaker knew there wouldn't be enough support within the GOP majority to pass any funding package, since many Republicans prefer to slash federal government and certainly wouldn't allow more debt.

Instead, the Republicans, who will have full control of the White House, House and Senate next year, with big plans for tax cuts and other priorities, are showing they must routinely rely on Democrats for the votes needed to keep up with the routine operations of governing. "So is this a Republican bill or a Democrat bill?" scoffed Musk on social media ahead of the vote.

House GOP floats new plans to prevent government shutdown with just hours to go

WASHINGTON. Veering toward a midnight Friday government shutdown, House Speaker Mike Johnson is proposing a new plan that would temporarily fund federal operations and disaster aid, but punts President-elect Donald Trump demands for a debt limit increase into the new year.

House Republicans are meeting behind closed doors on next steps after Trump doubled-down on his insistence that a debt ceiling increase be included in any deal - and if not, he said in an early morning post, let the closures "start now." But it is almost impossible to meet Trump's last minute pressure. Johnson knows there won't be enough support within the GOP majority to pass any package, since many Republicans prefer to slash federal government rather than fund it, and won't allow more debt. Some three dozen Republicans helped sink Trump's bill with its two-year debt limit increase in a spectacular Thursday evening flop.

Instead, Johnson has been in talks Friday with Democratic Leader Hakeem Jeffries whose party's support will be needed to ensure passage of any deal. Votes are possible Friday afternoon.

he new plan being floated would fund the government at current levels through March and adds USD 100 billion in disaster aid and \$10 billion in agricultural assistance to farmers. Gone would be Trump's demand for a debt ceiling, which GOP leaders are telling lawmakers would be debated as part of their tax and border packages in the new year.

"They haven't made any decisions about what they're going to bring forward yet," said Rep. Matt Rosendale, a Montana Republican, as he exited the basement meeting. Trump, who has not yet been sworn into office, is showing the power and limits of his sway with Congress, as he intervenes and orchestrates affairs from Mar-a-Lago, alongside his billionaire ally Elon Musk, who is heading up the incoming administration's new Department of Government Efficiency.

Ukraine drones hit multiple buildings in Russia's Kazan, flights cancelled

Kyiv. Ukraine brought the war into the heart of Russia Saturday morning with drone attacks that local authorities said damaged residential buildings in the city of Kazan in the Tatarstan region, over 1,000 kilometres from the front line.

The press service of Tatarstan's governor, Rustam Minnikhanov, said that eight drones attacked the city. Six hit residential buildings, one hit an industrial facility and one was shot down over a river, the statement said. A video posted on local Telegram news channel Astra, verified by The Associated Press, shows a drone flying into the upper floors of a high-rise building.

Local authorities said there were no casualties. Flights were halted at Kazan's airport and all mass gatherings were cancelled on Saturday and Sunday. The attacks, which Ukraine didn't acknowledge in keeping with its security policy, come after a Ukrainian attack on Friday on a town in Russia's Kursk border region using US-supplied missiles killed six people, including a child.

Moscow sent 113 drones into Ukraine overnight into Saturday, Ukrainian officials said. According to Ukraine's Air Force, 57 drones were shot down during the attacks. A further 56 drones were "lost," likely having been electronically jammed. The governor of Ukraine's Kharkiv region, Oleh Syniehubov, said eight people were wounded Friday night in drone attacks on the regional capital, also called Kharkiv.

At least two dead, 60 injured after car drives into German Christmas market, Saudi man arrested

MAGDEBURG. A car plowed into a busy outdoor Christmas market in the eastern German city of Magdeburg on Friday, killing at least two people and injuring at least 60 others in what authorities called a deliberate attack. The driver was arrested at the scene shortly after the car barreled into the market at around 7 p.m., when it was teeming with holiday shoppers looking forward to the weekend. Verified bystander footage distributed by the German news agency dpa showed the suspect's arrest on a walkway in the middle of the road. A nearby police officer pointing a handgun at the man shouted at him as he lay prone. Other officers soon arrived to take the man into custody.

The two people confirmed dead were an adult and a toddler, but officials said additional deaths couldn't be ruled out because 15 people had been seriously injured. The violence shocked the city, bringing its mayor to the verge of tears and marring a festive event that's part of a centuries-old German tradition. It also prompted several other German towns to

cancel their weekend Christmas markets as a precaution and out of solidarity with Magdeburg's loss.

The suspect is a 50-year-old Saudi doctor who moved to Germany in 2006, Tamara Zieschang, the interior minister for the state of Saxony-Anhalt, said at a news conference. He has been practicing medicine in Bernburg, about 40 kilometers (25 miles) south of Magdeburg, she said. "As things stand, he is a lone perpetrator, so that as far as we know

there is no further danger to the city,"
Saxony-Anhalt's governor, Reiner
Haseloff, told reporters. "Every human life
that has fallen victim to this attack is a
terrible tragedy and one human life too
many."The violence occurred in
Magdeburg, a city of about 240,000 people
west of Berlin that serves as SaxonyAnhalt's capital. Friday's attack came eight
years after an Islamic extremist drove a
truck into crowded Christmas market in
Berlin, killing 13 people and injuring many
others. The attacker was killed days later in



a shootout in Italy.Christmas markets are a huge part of German culture as an annual holiday tradition cherished since the Middle Ages and successfully exported to much of the Western world. In Berlin alone, more than 100 markets opened late last month and brought the smells of mulled wine, roasted almonds and bratwurst to the capital. Other markets abound across the country.

German Interior Minister Nancy Faeser said late last month that there were no concrete indications of a danger to Christmas markets this year, but that it was wise to be vigilant. Hours after Friday's tragedy, the wail of sirens clashed with the market's festive ornaments, stars and leafy garlands.

Magdeburg resident Dorin Steffen told dpa that she was at a concert in a nearby church when she heard the sirens. The cacophony was so loud "you had to assume that something terrible had happened."She called the attack "a dark day" for the city.

"We are shaking," Steffen said. "Full of sympathy for the relatives, also in the hope that nothing has happened to our relatives, friends and acquaintances."The attack reverberated far beyond Magdeburg, with Haseloff calling it a catastrophe for the city, state and country. He said flags would be lowered to half-staff in Saxony-Anhalt and that the federal government planned to do the same."It is really one of the worst things one can imagine, particularly in connection with what a Christmas market should bring," the governor said.

Germany Christmas Attack: Dramatic Arrest Of Saudi Doctor Caught On Camera

Germany Christmas Market Attack. In a tragic incident in Germany, at least two people lost their lives while 68 others are injured as a car ploughed through the outdoor Christmas market in Magdeburg on Friday. The authorities believe it to be an attack and have arrested the prime suspect of the deadly car rampage, named Tamara Zieschang, a Saudi Arabian man. Several footages have emerged on social media showing the dramatic moment when the police finally captured the man behind the wheels of the SUV. The suspected attacker sped through the crowd in a car, leaving a path of destruction and bloodshed. The driver was arrested shortly after the car crashed into the market at around 7 p.m., when it was crowded with holiday shoppers preparing for the weekend. Verified footage shared by German news agency dpa showed the

suspect being arrested on a walkway. A police officer pointed a handgun at the man and ordered him to stay down. Other officers quickly arrived and detained him. Authorities in Magdeburg, 130 km southwest of



Berlin, confirmed two deaths, including a young child, and 68 injuries in a tragic incident. Officials said 15 of the injured are in serious condition, and more fatalities cannot be ruled out, as reported by AFP. Who Is Prime

Suspect Tamara Zieschang The suspect is a 50-year-old Saudi national who moved to Germany in 2006, according to Tamara Zieschang, Saxony-Anhalt's interior minister. Speaking at a news conference, she stated that the man has

been practicing medicine in Bernburg, located 36 kilometers south of Magdeburg."As things stand, he is a lone perpetrator, so that as far as we know there is no further danger to the city," Saxony-Anhalt's governor, Reiner Haseloff, told reporters. The suspected attack in Magdeburg, a city of around 240,000 people west of Berlin,

240,000 people west of Berlin, happened eight years after a similar incident where an Islamic extremist drove a truck into a busy Christmas market in Berlin, killing 13 people and injuring many more. The attacker was killed in a shootout in Italy days later.

US House Approves Funding Bill, Sends To Senate Just Hours Before Govt Shutdown Deadline

World Hours to go before a midnight government shutdown, the House approved a new plan late Friday from Speaker Mike Johnson that would temporarily fund federal operations and disaster aid, but drops President-elect Donald Trump's demands for a debt limit increase into the new year.Johnson insisted Congress would "meet our obligations" and not allow federal operations to shutter ahead of the Christmas holiday season. But the day's outcome was uncertain after Trump doubled down on his insistence that a debt ceiling increase be included in any deal -- if not, he said in an early morning post, let the closures "start now". The bill was approved 366-34, and now goes to the Senate, for expected quick passage. We are excited about this outcome," Johnson said afterward, adding he had spoken with Trump and the president-elect "was certainly happy about this outcome, as well".

It was the third attempt from Johnson, the beleaguered House speaker, to achieve one of the basic requirements of the federal government -- keeping it open. And it raised stark questions about whether Johnson will be able to keep his job, in the face of angry GOP colleagues, and work alongside Trump and billionaire ally Elon Musk, who have called the legislative plays this time. Trump's last-minute demand was almost an impossible ask, and Johnson had almost no choice but to work around his pressure for a debt ceiling increase. The speaker knew there would not be enough support within the GOP majority to pass any funding package, since many Republicans prefer to slash federal government and certainly would not allow more debt. Instead, the Republicans, who will have full control of the White House, House and Senate next year, with big plans for tax cuts and other priorities, are showing they must routinely rely on Democrats for the votes needed to keep up with the routine operations of governing."So is this a Republican bill or a Democrat bill?" scoffed Musk on social media ahead of the vote.

The new 118-page package would fund the government at current levels through March and adds USD 100 billion in disaster aid and USD 10 billion in agricultural assistance to farmers. Gone is Trump's demand to lift the debt ceiling, which GOP leaders told lawmakers would be debated as part of their tax and border packages in the new year. Republicans made a so-called handshake agreement to raise the debt limit at that time while also cutting USD 2.5 trillion in spending over 10 years.t is essentially the same deal that flopped the night before in a spectacular setback -opposed by most Democrats and some of the most conservative Republicans -- minus Trump's debt ceiling demand. Democratic Leader Hakeem Jeffries was in contact with Johnson, but Democrats were cool to the latest effort after the Republican speaker reneged on their original bipartisan compromise."Welcome back to the MAGA swamp," Jeffries posted.Rep. Rosa DeLauro, the top Democrat on the Appropriations Committee, said it looked like Musk, an unelected official and the wealthiest man in the world, was calling the shots for Trump and the

Anger after Musk backs German far right

GERMANY. A post from Elon Musk on his platform X claiming that only the far-right AfD party can "save Germany" sparked accusations Friday that he was seeking to interfere in the country's upcoming election. The billionaire, set to play a key role in US President-elect Donald Trump's administration as "efficiency czar", posted the message over a video commentary about the leader of Germany's centre-right CDU party Friedrich Merz. The video criticised Merz -- who polls say is on course to become the next chancellor after February elections -- for his refusal to work with the anti-immigration Alternative for Germany (AfD),

Following a deadly car-ramming attack on a Christmas market late Friday in the eastern city of Magdeburg -- blamed on a Saudi man -- Musk called the assault a "DIRECT RESULT of mass unchecked immigration". The German government has avoided strong comment, but lawmakers from across mainstream parties, which have all ruled out cooperating with the AfD, reacted with outrage to Musk's comment about the party.He doubled down later in the day, saying AfD is "Obviously NOT 'farright'! Just common sense policies."Dennis Radtke, an MEP for the centre-right CDU, spoke out

currently polling in second place.

forcefully."It is threatening, irritating and unacceptable for a key figure in the future US government to interfere in



the German election campaign," he told the Handelsblatt daily.ermans are set to go to the polls on February 23 after the collapse of Chancellor Olaf Scholz's coalition last month in a row over the budget.Radtke called Musk a "threat to democracy in the Western world", accusing the world's richest man of turning X, previously called Twitter, into a "disinformation slingshot".

Alex Schaefer, a lawmaker from Scholz's centre-left Social Democrats, said Musk's post was "completely unacceptable". "We are very close to the Americans, but now bravery is required towards our friend. We object to interference in our election campaign," Schaefer told the Tagesspiegel daily.

Former finance minister Christian Lindner, from the pro-business FDP

party, said that some of Musk's ideas had "inspired" him but urged the Tesla boss not to "rush to conclusions from

afar"."While migration control is crucial for Germany, the AfD stands against freedom, business -- and it's a far-right extremist party," tweeted the politician, whose fallout with Scholz triggered the coalition's implosion. Scholz himself was restrained when asked about Musk's comments, noting: "We have freedom of expression, which also applies to multi-billionaires". He added that this "means that you can say things that are not right and do not contain good political advice".

Musk meddling concerns

For its part, the AfD warmly welcomed Musk's praise, with co-leader Alice Weidel thanking him in a video message and saying her party was "the one and only alternative for our country". At a regular press conference in Berlin, a government spokesman avoided commenting directly on Musk's post, reiterating Scholz's point that Germany respects freedom of expression. But she added the government was worried about "how X has developed in recent years, especially since Elon Musk took over".

Despite such concerns, the government had decided not to close its accounts on the platform as it remained.

Google counters bid by US to force sale of Chrome

The US Department of Justice urged a shake-up of Google's business that includes banning deals for Google to be the default search engine on devices and preventing it from exploiting its Android mobile operating system.

SAN FRANCISCO. Google late Friday countered a US call to sell its Chrome browser, suggesting a judge address antitrust concerns by barring the firm from making favorable treatment of its software a condition of licensing. Google filed a 12-page proposed order banning the internet giant from requiring favorable distribution or treatment of its software on mobile devices as a condition of licensing popular apps like Chrome, Play or Gemini. In



contrast, the US government in November asked a judge to order the dismantling of Google by selling its widely used Chrome browser in a major antitrust crackdown on the company. The US Department of Justice urged a shake-up of Google's business that includes banning deals for Google to be the default search engine on smartphones and preventing it from exploiting its Android mobile operating system. Determining how to address Google's wrongs is the next stage of the landmark antitrust trial that saw the

company in August ruled a monopoly by US District Court Judge Amit Mehta.

Google has proposed that Mehta bar it from using the licensing desirability of its applications to compel mobile device makers to pre-install its search software or make it the default offering, a court filing showed."Nothing in this Final Judgment shall otherwise prohibit Google from providing consideration to a mobile device manufacturer or wireless carrier with respect to any Google product or service in

exchange for such entity's distribution, placement on any access point, promotion, or licensing of that Google product or service," the proposed order stipulates. Calling for the breakup of Google marks a profound change by the US government's regulators, which have largely left tech giants alone since failing to break up Microsoft two decades ago.Regardless of Judge Mehta's eventual decision, Google is expected to appeal the ruling, prolonging the process for years and potentially leaving the final say to the US Supreme Court. The case could

also be upended by the arrival of Presidentelect Donald Trump to the White House in January. His administration will likely replace the current team in charge of the Justice Department's antitrust division. The newcomers could choose to carry on with the case, ask for a settlement with Google or abandon the case altogether. The trial, which concluded last year, scrutinised Google's confidential agreements with smartphone manufacturers, including Apple.

Ravindra Jadeja explains how missing the first two BGT Tests helped him in Gabba

New Delhi.India's spin-bowling all-rounder Ravindra Jadeja credited his improved performance in the third Test of the Border Gavaskar Trophy to the time he spent out of the squad during the first two matches. Although Jadeja did not make a significant impact with the ball at the Gabba, his batting contributions proved to be crucial for India in getting a hard-fought draw to keep the in getting a hard-tought draw to keep the series level. Jadeja played a key role with the bat in the first innings, scoring a vital 77 runs off 123 balls while batting at No.7. His 67-run partnership with KL Rahul helped stabilise India's innings and ensured a competitive total, which played a significant part in securing a draw against Australia. part in securing a draw against Australia. Speaking at the pre-match press conference ahead of the Boxing Day Test, he explained how he had prepared for the Gabba Test even better after not being named in the India eleven for Perth and Adelaide."The first two Tests I didn't play, but it gave me an opportunity to practice and get used to the conditions. All the time, I got to understand the conditions, bowl on these pitches and bat on these pitches, it made me familiar with



these conditions. All the hard work in the nets helped me in the match," Jadeja added. With his long-time spin-bowling partner Ravichandran Ashwin announcing his retirement after the Gabba Test, Jadeja now shoulders the primary spin-bowling duties for the team. Jadeja's role will also be pivotal in the Sydney Test, which traditionally offers assistance to spinners. His vast experience in similar conditions makes him a key player for skipper Rohit Sharma as India looks to build on the momentum gained from the Gabba Test draw. Heading into the Boxing Day Test at the Melbourne Cricket Ground, India is likely to depend heavily on Jadeja's all-round abilities. His experience with both bat and ball will be crucial in maintaining balance within the team, particularly with Washington Sundar being the only other full-time spin option available.

Pep Guardiola backs Erling Haaland to perform if Manchester City 'play better'

New Delhi. Pep Guardiola has thrown his support behind star striker Erling Haaland, highlighting the need for Manchester City to improve their overall play to maximize the Norwegian's impact. This comes as City navigate a challenging spell of form, with only one win in their last 11 matches across all competitions - a stark contrast to the dominance typically associated with Guardiola's tenure. Haaland, who has been a goal-scoring machine since joining City, has struggled recently, scoring just once in his last five games. The lack of service has left him isolated against opposing defenders. However, Guardiola dismissed any suggestion of reverting to a false nine system, which had previously brought him success."I prefer to play with Erling,



Guardiola said ahead of City's Premier League clash with Aston Villa. "I don't think in this situation that I should not let Erling play - absolutely not. We have to adapt to the qualities he brings."Guardiola acknowledged that Haaland's reduced goal tally is a symptom of the team's struggles rather than a reflection of the player's form.

The reason he's not been as productive is the way we're playing," Guardiola explained. "We're not creating the volume of chances we did in the past. When he's surrounded by two, three, or four defenders, it's tough for him. We need to play better as a team to create the spaces he needs."

Amid City's current struggles, Guardiola hinted at the possibility of January reinforcements, a departure from the club's usual reluctance to engage heavily in the winter transfer market."We've spoken about doing something," Guardiola revealed. "But it has to be for the long term, not just for four or five months.

Archerfield Road: Once the home of Slam champion, now a different wheelhouse

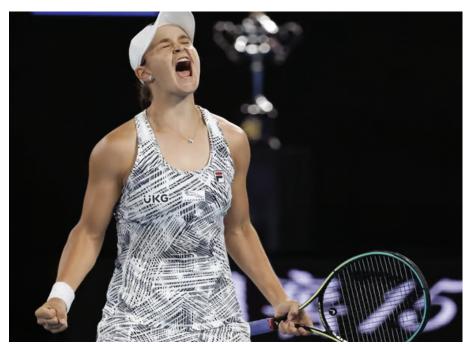
The Tennis academy that created Australian superstar Ashleigh Barty is now the home of a car dealership in West Brisbane

BRISBANE: 227 Archerfield Road, Richlands, Brisbane, Queensland. It is an address that holds significance not just in Australian tennis, but the country's sporting history. Once a house to the West Brisbane Tennis Centre, it is where former World No 1 and Australian tennis legend Ashleigh Barty first hit a tennis ball on the court.

Away from all the hassle of Brisbane city, Barty, with her long-time coach and friend Jim Joyce, spent almost two decades at the once buzzing facility, honing her tennis while also spending time with kids, who just like her, aspired to take up the sport she loved. Today, however, 227 Archerfield Road is unrecognisable. About two years ago, the 20189 sq.m property, previously owned by the Joyce family, was sold to Kingsmede, an investment company.

However, before locking it down for one last time Joyce, three-time Grandslam winner Barty, who had retired in March 2022, and others who were associated with the centre had a get together and partied at the facility. "That afternoon will mean as much to me as a lot of her big wins," Joyce was quoted saying to the Courier Mail. "It was just bloody wonderful. There were no seats there because it was all gone. We just stood and chatted about her life and mine, had a bit of a hug and off she went and I pushed the locks across the gate," he had added in June 2022.

When this writer visited the address on Friday, the only evidence of any connection to tennis was the old board that was left untouched. West Brisbane Tennis Centre, it read, with a phone number that doesn't work anymore. Looking over from the street, all one could see beyond the old damaged board were hundreds of cars parked and stacked one over another. Having been converted into an industrial complex, the address now leads to Wheel Pros — a company that designs, markets and distributes branded aftermarket wheels. Besides that is another company called Auto Car Removals, which offers solutions to steel, remove and wrecking four-wheelers.Barty is now a retired tennis legend, she has been for a while now. She plays golf, had played cricket in the past, but has ruled out any sort of comeback to sports



for the foreseeable future. With a young family to take care of, Barty, who does commentary occasionally, already has her hands full. Joyce, meanwhile, is spending time with family as well. Even as the duo has moved on, everyone, including this writer, who passes through the Archerfield road cannot help but pause, take note of the West Brisbane Tennis Centre board amidst a pile of cars and reminiscence about the role it had played in one of the Australian sporting

Pep Guardiola reveals potential verdict time for Manchester City's 115 charges

New Delhi. Manchester City manager Pep Guardiola has revealed that the verdict on the club's 115 alleged breaches of Premier League regulations could be announced between February and March 2025. The hearing, considered one of the most significant cases in sports law, concluded on December 9, leaving the footballing world awaiting the outcome. The backdrop to these allegations comes during a season of growing unease amongst Manchester City fans. The club's inconsistent form across all competitions has raised concerns, and the impending verdict adds further uncertainty to their future. Guardiola, speaking at the pre-match press conference ahead of their December 21 clash with Aston Villa, acknowledged the looming decision but emphasised that it remains external to his team's immediate focus."It's going to happen in the winter time. I don't know what's going to happen. I know people are expecting that but I don't know. In February, March, [maybe] will be the sentence," Guardiola said."We're in a difficult situation, but we will continue to focus on what we can control - our relegation to the Championship.

performance on the field...Our priority Manchester City has consistently denied the

remains winning matches and maintaining our standards, regardless of the external pressures we face," he added.



related to financial misrepresentation and 35 for failing to cooperate with investigations. These allegations span the period from 2009 to 2018, accusing the club of providing inaccurate financial disclosures regarding sponsorship revenues and salaries. If found guilty, the reigning Premier League champions could face severe repercussions, including points deductions or even relegation to the Championship.

allegations and is committed to defending its reputation. The club argues that its rise to prominence over the past decade was built

on robust management, innovative strategies, and substantial investment from its ownership group. However, if the independent panel finds City guilty, it could severely tarnish the club's

City's case aligns with a broader trend of financial scrutiny in English football. Recently, Everton faced a points deduction for breaching financial sustainability rules, while Nottingham Forest also came under investigation for irregularities. The Premier League's increased vigilance reflects its

commitment to ensuring financial fairness within its framework. As the footballing world anticipates the verdict, the implications could redefine City's standing in the sport. From their meteoric rise to being a dominant European powerhouse under Guardiola, their legacy now hangs in the balance. Regardless of the outcome, this case serves as a critical moment in the history of financial governance within

IND vs AUS: Ravindra Jadeja confident India can complete BGT

hat-trick in Australia

New Delhi. Star Indian spinner Ravindra Jadeja has expressed confidence in the team's chances of completing a historic third consecutive Border-Gavaskar Trophy (BGT) series win in Australia. Jadeja's remarks come ahead of the Boxing Day Test, scheduled in Melbourne from December 26.

The five-match Test series is currently tied at 1-1 after the rain-hit third Test in Brisbane ended in a draw. The highly anticipated BGT series has seen its fair share of drama. India started on a high note, securing a commanding 295-run victory in the first Test at the Optus Stadium, with stand-in skipper Jasprit Bumrah leading from the front. However, Australia bounced back in style, claiming a comprehensive 10-wicket win in the second Test, a day-night affair at the Adelaide Oval.Speaking at the Melbourne Cricket Ground (MCG) ahead of the fourth Test, Jadeja highlighted the importance of staying focused on the task at hand."We are in a good position, after three matches, it's still 1-1. It is going to be interesting. Even if we win one match out of the next two, we will retain the series because we have won the last two times here. It's a good opportunity to push ourselves and do well in Melbourne. Yes, we will worry about the last match later, the focus



now is on the Boxing Day Test. It's a crucial again at the MCG.

Jasprit Bumrah will do a very good job: Border backs pacer to flourish as skipper

AUS vs IND: Allan Border heaped praise on Jasprit Bumrah saying that the Indian fast bowler has the skills to succeed as captain. Under Bumrah, India had won the Perth Test by 295 runs.

New Delhi Legendary Australian cricketer Allan Border said that Jasprit Bumrah has the potential to shine as the Indian captain. Bumrah captained India for the first time in the rescheduled Test against England, which India lost at the Edgbaston in 2022. But he tasted his first win as skipper after India defeated the Aussies by 295 runs in the opening Test of the ongoing Test series at the Optus Stadium in Perth.Bumrah had become the first overseas skipper to win a Test at the Perth Stadium. Moreover, he won the Player of the Match award for picking up eight wickets, which included a five-wicket haul in the first innings. Border said that Border, one of the three Australian batters to



Bumrah knew when to introduce himself into the attack and also set fields with a lot of precision.He'll (Bumrah) do a very good iob. In Perth, he used himself properly. Captaincy-wise, the way he set the fields, you couldn't fault him," Border was quoted as saying by The Times of India (TOI). 'Different level of difficulty'

> score more than 10,000 Test runs, talked about the qualities which make Bumrah stand apart from the rest.

'Bumrah, these days, is on that pedestal. His wrists, his release points are different to other bowlers. Because of that hyperextension, he's releasing the ball a foot further down than other bowlers. He's got a unique shuffling run-up, and then the snap of these wrists, he's amazing. Being different, plus having that skill, it's a whole different level of difficulty for

the batsman," Border added.Bumrah is currently the top wicket-taker of the fivematch Test series. In three Tests, he has taken 21 wickets at an economy rate of 2.60. He also took a six-wicket haul and helped India draw the third Test at The Gabba in

game for us," Jadeja said. The third Test in Brisbane saw Australia dominate the first two days. Batting first, they posted an imposing total of 445, driven by centuries from Travis Head and Steve Smith. India, on the back foot with the bat, appeared set for a potential defeat. However, rain interruptions and a valiant lower-order effort ensured the match ended in a draw. The stage is now set for the fourth Test, starting on Boxing Day (December 26). Both teams will look to seize the advantage in what promises to be another gripping contest. This match holds added significance as it could potentially determine the series winner and play a pivotal role in shaping the teams' paths to the ICC World Test Championship final.India will aim to capitalise on their resilience, while Australia will look to regain momentum. With the series on the line, fans can expect high-octane action as these cricketing giants clash once

I got to know R Ashwin was retiring 5 minutes before he announced it: Ravindra Jadeja

Border-Gavaskar Trophy: Ravindra Jadeja revealed that R Ashwin did not give him the slightest hint about his retirement, even though the two shared adjacent seats in the Indian dressing room at the Gabba on the final day of the third Test.

Melbourne. All-rounder Ravindra Jadeja said he was as surprised as the rest of the cricketing world when he learnt about R Ashwin's retirement on Day 5 of the third Test between India and Australia. Jadeja revealed that Ashwin and he had been sitting together throughout the final day's play, but his former spin partner did not give the

slightest hint about the significant decision that followed. Speaking to the press on Saturday, December 21, after India's first training session in Melbourne, Ravindra Jadeja addressed Ashwin's announcement, which had made headlines last week."I got to know about it only in the last moment. Just before when he came to address the press. I think it was 5 minutes before the press conference, people told me that this was going to happen. Obviously, I was surprised because we both were sitting together throughout that day. He didn't even give a hint. I got to know in the last minute. Yes, we all know Ashwin's mind and how it works," Jadeja said. Ashwin made an unforeseen announcement minutes after the third Test in Brisbane ended in a draw on 18 December. The veteran off-spinner stated that he was retiring with immediate effect. Ashwin left the team at the conclusion of the third Test and reached Chennai the following day. The timing of R Ashwin's retirement has left the



cricketing world divided. However, Jadeja emphasised that it was time for the team to move on and ensure the youngster stepping in for Ashwin gains as much experience and exposure as possible in the days ahead.

We have to move on. In India, it's not like you won't get someone who can replace him. Everybody knows we will get someone.

It's a good opportunity for a youngster who comes into the team and to prove himself at this level," Jadeja added.India have fielded

three Tests. Washington Sundar played as the lone spinner in the series opener in Perth, while Ashwin featured in the pink-ball Test in Adelaide, which was his final match. For the third Test in Brisbane, India replaced Ashwin with Ravindra Jadeja in the playing

JADEJA ON NOT PLAYING FIRST TWO TESTS

While Jadeja could not make a significant impact with the ball, he stepped up with the bat when his team needed him the most. Jadeja scored a crucial 77 runs in the first innings of the rain-affected Brisbane Test, ensuring that India avoided a followon.India were struggling at 74 for 5 after losing key players, including Rohit Sharma and Virat Kohli, cheaply in response to Australia's first innings total of 445. However, KL Rahul and Jadeja stitched together a vital 67-run partnership to steer the team out of trouble.

Sreeleela Thanks Fans For Showering Love On Kissik Song, Praises Allu Arjun, Rashmika Mandanna



ushpa 2 starring Allu Arjun has created history at the box office. The film has crossed Rs 1300 mark and is still going strong. Amid this, Sreeleela has also been grabbing attention with her item number Kissik song. With her bold performance in the song, the actress has truly left everyone grooving to it in no. Recently, Sreeleela has expressed her gratitude to the entire team of Pushpa and fans. She took to her Instagram handle and shared some stunning stills from the Kissik song. "KISSIKS for you, The full video is out now on YouTube !!!!!!!! Loads of love to the entire Pushpa team @aryasukku sir for being soooooo sweeeeett and wanting me to do thissss!!! @alluarjunonline sir you gave me this one! That tonic of confidence! Our Chat GPT @rashmika mandanna My glucose between shots Nothing like a girl being there for another @thisisdsp garu thank youuu for these high notes! @chandraboselyricist garu this is probably the first special song with a social message :p @kubabrozek for capturing or should I saw for kissiking our moments And the entireeeeeeee teammm And ofc my lovely audience for showering me with all your love. This special one is especially for you. (Mee andhariki No debbalu Only Muddhulu) PUSHPA Won't stop firing. @mythriofficial."

According to Sacnilk, Pushpa 2 collected Rs 75.00 Cr on Sunday, day 11. The film has recorded higher box office collection in the Hindi circuits as compared to the Telugu version. As per the report, Pushpa 2's Hindi version collected Rs 55 Cr on Sunday while the Telugu version collected Rs 16 Cr. The Sunday collections are higher than the Saturday collections too. On Saturday, Pushpa 2 collected Rs 63.3 Cr. If the film continues to go at this pace, Pushpa 2 could swiftly surpass Rs 1000 Cr mark in India.

Karisma Kapoor Vibes To The **Holiday Spirit At Terence** Lewis' Christmas Party





he countdown for Christmas has finally started! While the festival is a few weeks away, the scent of pine, the aroma of freshly baked cookies, and the blissful melodies of carols have begun teasing the senses. Everyone is in the merry spirit, and Bollywood's festive spirit is no exception. Following a string of star-studded Christmas bashes, renowned choreographer Terence Lewis threw a lavish Christmas party last evening. As expected, celebs from the industry flocked to join the festive celebrations with the dance maestro. Karisma Kapoor, too, graced the party in style, and fans couldn't stop staring at the beauty.In an Instagram clip shared by Instant Bollywood, Karisma Kapoor effortlessly turned heads in a full-length dress. She rocked the violet attire with black heels and a handbag. Adding a touch of drama was her glam makeup and fussfree wavy tresses that were left open in a middle

The clip also showed the diva pausing graciously for the paparazzi. She waved at them and flashed her signature smile, spreading happiness all around. The actress didn't miss to give some striking poses for the lenses.

In no time, fans and followers thronged the comments section to praise her stylish avatar. "90s gorgeous," read a comment. Another added, "Woow!!! Very nice yaar. TOO GOOD." "Respect for our Old Queen," said another. "So beautiful," commented a user. A fan said, "What a natural beauty." "She looks bubbly even today," praised an individual.

The glamourous guest list of the dazzling affair also included Rithvik Dhanjani, Ronit Roy, Sonali Bendre, Remo D'souza, Alvira Khan Agnihotri, Arjun Bijlani, Lizelle D'Souza, Ravi Dubey, Sargun Mehta, Mandira Bedi, Maniesh Paul, Rahul Shetty, Geeta Kapur, among others. Before attending Terence Lewis's Christmas party, Karisma Kapoor visited Dhirubhai Ambani International School in Mumbai to attend her nephew's annual day. The star-studded event brought together numerous A-list celebrities, who were all there to cheer for their little ones.

Among the doting parents who attended the school event were Abhishek Bachchan and Aishwarya Rai, Shah Rukh Khan and Gauri Khan, Kareena Kapoor and Saif Ali Khan, Shahid Kapoor, and



Tea Break And Sun-Kissed Glow Are A Perfect Combo

uhana Khan is making our heads turn with one stylish look after another on Instagram. The actress has now shared a series of sunkissed pictures that show her in a relaxed mood. In her latest photos, she seems to be sitting on a balcony and enjoying some metime with a cup of tea. Suhana is wearing a loose-fit grey casual top with a pair of off-white pants. She looks radiant in a no-makeup look with flushed pink cheeks. Not just fans but Bhavana Pandey and Maheep Kapoor too couldn't stop themselves from dropping a comment under the post.

This casual look of Suhana Khan has come just after her extra glam traditional avatar. In her previous photos, Suhana stunned in a golden saree and sleeveless blouse.

While hundreds of fans flooded the comments with compliments, it was her girl gang that stole the show. Khushi Kapoor dropped three heart emojis,

expressing her admiration for Suhana's stunning appearance. Meanwhile, Navya Naveli Nanda couldn't help but express her affection by writing, "Pretty pretty Sue." Shanaya Kapoor, ever the supportive friend, didn't hold back either and left a string of heart-eye emojis, fully embracing Suhana's dazzling

Beyond her social media charm,

Suhana Khan's career is blossoming as well. After impressing audiences with her role in The Archies, she is now gearing up for her much-anticipated Bollywood debut. She will star in Sujoy Ghosh's upcoming action-packed drama King, where she shares the screen with her father, Shah Rukh Khan. Abhishek Bachchan will also reportedly play a pivotal role as the antagonist in the movie, which is slated to begin filming in January 2025. With all the excitement surrounding her career, it's clear that Suhana Khan is just getting started, and we can't wait to see what she has in store for the future!

Abhishek Bachchan Arrive Together For Aaradhya's School Annual Day Amid Divorce Rumours

A labeled Rochchan performance Abhishek Bachchan and Aishwarya

ishwarya Rai and Abhishek Bachchan were spotted together on the second day of daughter Aaradhya's school annual day. The couple, who have been grabbing headlines for their divorce rumours, looked stylish as they made an appearance. For today, Aishwarya's mother has also joined them. The video is going viral on social media. In the video, shared by



Filmygyan, we can see Aishwarya opted for a black colour outfit with a sling bag. While Abhishek looked handsome in a green colour casual look. Both shared smiles as they headed towards the gate. Aishwarya was seen holding her mother's hand. Fans dropped heart emojis in the comment section. On the first day, Amitabh Bachchan also joined to watch granddaughter's performance. Abhishek Bachchan and Aishwarya Rai were seen dancing together at Aaradhya's school annual day, amid divorce rumours. Stars gathered at the Dhirubhai Ambani International School in Mumbai on Thursday evening for the much-awaited annual day function. Fans were happy to see Aishwarya and Abhishek's happy moments together.

The annual day festivities brought together Bollywood's finest, who were all there to cheer for their little ones. Videos from the event quickly surfaced online, showing doting parents like Aishwarya Rai and Abhishek Bachchan cheering for their kids. In one such video, Abhishek and Aishwarya could be seen dancing to the Deewangi Deewangi song in a crowd. Meanwhile, the divorce rumours surrounding Aishwarya and Abhishek have been making rounds for months, sparking concern among fans of the power couple. However, a blog post by Amitabh Bachchan last month indirectly addressed these speculations. In his cryptic yet profound writing, Big B spoke about the importance of privacy and dismissed unverified claims. He wrote, "Speculations are speculations... they are speculated untruths, without verifications... Verifications are sought by the

seekers to authenticate their business and commercials of the profession they be in.

Aishwarya and Abhishek, who tied the knot in April 2007, remain one of Bollywood's most celebrated couples.

